हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • सोमवार • 12.01.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 168 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

अमेरिका ने ईरान को खामेनेई से मुक्त कराने का दिया संकेत

वाशिंगटन : ईरान में गुजर चुके साल के 28 दिसंबर से महंगाई के खिलाफ शुरू प्रदर्शन ने इस्लामी गणराज्य शासन की नींद उड़ा दी है। सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई के प्रदर्शनकारियों को दंगाई कहने से लोगों का गुस्सा भड़क गया है। सारा देश हिंसा की लपटों से घिरा हुआ है। सुरक्षा बलों और नागरिकों के बीच टकराव में बड़े पैमाने पर जान-माल की क्षति हुई है। कई जगहों पर सरकारी संपत्ति को आग के हवाले कर दिया गया। गोलीबारी में मारे गए लोगों के प्रति चिंता जताते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को खामेनेई से मुक्त कराने का संकेत दिया है।

केरल में भाजपा की सरकार बनाना हमारा लक्ष्य : अमित शाह

केरल : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का केरल में अंतिम लक्ष्य कमल चिन्ह के नीचे सरकार बनाना है। नवनिर्वाचित स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों की सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने तिरुवनंतपुरम स्थानीय चुनावों में हालिया जीत को एक पड़ाव बताया। शाह ने पार्टी के उद्देश्य पर जोर देते हुए कहा कि केरल को पूर्ण रूप से विकसित बनाना, राष्ट्र-विरोधी ताकतों से बचाना और सदियों से चली आ रही आस्था की शक्ति की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि केवल नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाला एनडीए ही ये लक्ष्य हासिल कर सकता है।अमित शाह ने कहा, 'यह जीत हमारा लक्ष्य नहीं है, बल्कि हमारे लक्ष्य की ओर एक कदम है। हमारा अंतिम लक्ष्य केरल में कमल चिन्ह के नीचे सरकार बनाना और भाजपा का मुख्यमंत्री लाना है।

हमारे पूर्वजों ने अलग राज्य दिया, इसे सजाने संवारने की जिम्मेदारी हमारे ऊपर है : हेमन्त सोरेन

दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी की 82वीं जयंती पर पर गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का क्रियान्वयन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रविवार को दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का 82वां जन्म दिवस मना रहे हैं। झारखंड और यहां रहने वाले गरीबों, मजदूरों, मजबूरों, किसानों, दलितों, आदिवासियों- मूल वासियों के लिए आज का यह दिन काफी महत्वपूर्ण है। यह पहला मौका है, जब बाबा के बिना उनकी जयंती मना रहे रहे हैं। दिशोम गुरु जी भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके आदर्श, विचार, संघर्ष, त्याग और बलिदान हमेशा जीवंत रहेंगे। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी की 82वीं जयंती के अवसर पर टाना भगत इनडोर स्टेडियम, खेलगांव, रांची में गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर आयोजित संवाद कार्यक्रम में नौजवानों से कहा कि आप एक कदम आगे बढ़ें, सरकार आपको 10 कदम आगे ले जाएगी। आपको अपनी मंजिल तक पहुंचाएंगे, यह हमारा वादा है, क्योंकि हम गुरुजी के सिपाही हैं।

गुरुजी की एक आवाज पर लोग सड़कों पर उतर आते थे

मुख्यमंत्री के कहा कि झारखंड की धरती वीर - शहीदों की धरती रही है। इस धरती ने भगवान बिरसा मुंडा और सिदो- कान्हू जैसे अनेकों वीर - सपूतों को जन्म दिया, जिन्होंने देश की आजादी से लेकर जल जंगल जमीन की रक्षा और झारखंड अलग राज्य के आंदोलन में अपनी कुर्बानियां तक दे डाली। इन्हीं में एक शख्सियत थे - दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी। उन्होंने एक ओर झारखंड अलग राज्य के आंदोलन का नेतृत्व करते हुए धार दी तो दूसरी तरफ समाज सुधारक के रूप में महाजनी प्रथा जैसी कुरीतियों के खिलाफ बिगुल फूंका डाला था। उनकी एक आवाज पर कोने-कोने से आदिवासी - मूलवासी सड़कों पर उतर आते थे। लोगों को उनका हक- अधिकार दिलाने और आने वाली पीढ़ी को शिक्षित करने के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया था।

इस राज्य में अपार संभावनाएं हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस राज्य में अपार संभावनाएं हैं यहां के गांव से शहर तक क्षमताओं में कोई कमी नहीं है। खनिज संपदा से लेकर पर्यटन, शिक्षा, खेल समेत तमाम क्षेत्रों में हम काफी आगे तक जा सकते हैं। यहां प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। हमने देखा भी है कि आजादी के पहले से लेकर अब तक यहां के खिलाड़ियों ने कितनी ऊंचाइयों को छुआ है। ऐसे में हमारी सरकार अपनी संभावनाओं, क्षमताओं और प्रतिभाओं को सशक्त और मजबूत करने का कार्य कर रही है।

देश का पहला राज्य जो मामूली ब्याज दर पर 15 लाख रुपए तक दे रहा शिक्षा ऋण

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड देश का पहला ऐसा राज्य है जो गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को महज 4 प्रतिशत सामान्य ब्याज पर 15 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। अन्य राज्यों में तो शिक्षा ऋण की राशि भी कम है और ब्याज दर भी ज्यादा है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे इस योजना का लाभ लें और दूसरों को भी इसके फायदे बताते हुए इस योजना से जोड़ने की पहल करें।

मुख्यमंत्री के हाथों मिली ये सौगातें

1- गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत आज 55 लाभार्थियों को लगभग 12 करोड रुपए का शिक्षा ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। विदित है कि दो वर्ष पहले शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत अब तक 2430 विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु इसका लाभ उपलब्ध कराया जा चुका है। यह राज्य सरकार की एक ऐसी गारंटेड योजना है, जिसके तहत महज 4 प्रतिशत सामान्य ब्याज की दर पर 15 लख रुपए तक का शिक्षा लोन दिया जाता है।

2- सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की उपयोगिता और सहभागिता बढ़ाने के लिए पब्लिक डैशब्ड बोर्ड तथा एनआईटी, जमशेदपुर द्वारा एआई आधारित चैट बोर्ड का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ।

3- सीएम फैलोशिप का एकेडमिक एक्सीलेंस योजना के तहत आज 23 रिसर्च स्कॉलर्स को मिला 25-25 हजार रुपए की स्कॉलरशिप राशि। विदित हो कि पिछले वर्ष शुरू की गई इस योजना के लिए अब तक 52 रिसर्च स्कॉलर्स का चयन हो चुका है। उन्हें शोध कार्य हेतु हर महीने 25- 25 हजार रुपए स्कॉलरशिप मिलती है।

4- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर द ग्रास रूट इनोवेशन इंटर्नशिप स्कीम का भी शुभारंभ किया। दो महीने के इस इंटर्नशिप स्कीम के तहत स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को 17 हजार इंटर्नशिप के अवसर प्राप्त होंगे। उन्हें प्रोत्साहन स्टाइपेंड के रूप में 10 हजार रुपए भी दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती पर किया नमन

रांची : झारखंड आंदोलन के जननायक, आदिवासी समाज के गौरव और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन की 82वीं जयंती रविवार को रांची में मनाई गई। इस अवसर पर मोरहाबादी स्थित गुरुजी के पूर्व आवास में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अपनी माता रूपी सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गुरुजी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राज्य सरकार में मंत्री हफीजुल हसन, सुदिव्य कुमार, राज्यसभा सांसद जोबा माजी, झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता विनोद पांडे, सुप्रियो भट्टाचार्य सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने गुरुजी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उनके योगदान को याद किया।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व विध्वंस नहीं 1000 साल की यात्रा का पर्व : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

सोमनाथ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि सोमनाथ पर आक्रमण आर्थिक लूट के लिए नहीं बल्कि तुष्टिकरण के लिए किया गया। दुर्भाग्य से आज भी हमारे देश में वे ताकतें मौजूद हैं, जिन्होंने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का विरोध किया था। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर रविवार को सद्भावना ग्राउंड में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह पर्व विध्वंस नहीं बल्कि 1000 साल की यात्रा का पर्व है। सोमनाथ को नष्ट करने के अनेकों प्रयास हुए। उसी तरह विदेश आक्रांताओं द्वारा कई सदियों तक भारत को खत्म करने की कोशिशें होती रहीं लेकिन न तो सोमनाथ नष्ट हुआ और न ही भारत नष्ट हुआ। क्योंकि भारत और भारत की आस्था के केंद्र एक-दूसरे में समाए हुए हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि आज तलवारों के जगह दूसरे तरीकों से भारत के खिलाफ षड्यंत्र हो रहे हैं इसलिए हमें ज्यादा सावधान रहना है। हमें खुद को शक्तिशाली बनाना है। ऐसी हर ताकत को हराना है जो हमें बांटने की साजिश रच रही हो। जब हम अपनी विरासत और आस्था से जुड़े रहते हैं तो हमारी सभ्यता की जड़ें मजबूत होती है। मैंने भारत के लिए एक हजार साल का विजन रखा था। आज देश की संस्कृति का पुनर्जागरण करोड़ों देशवासियों के मन में विश्वास भर रहा है। विकसित भारत के लिए लोगों को भी भरोसा है। भारत अपने गौरव को नई बुलंदी देगा। हम विकास की नई ऊंचाई को छुएंगे। देश अब तैयार हो चुका है। सोमनाथ मंदिर की ऊर्जा हमारे संकल्पों को आशीर्वाद दे रही है। विरासत की प्रेरणा दे रही है।' उन्होंने कहा कि जब महमूद गजनी से लेकर औरंगजेब हमले कर रहे थे तब वे भूल गए थे कि सोमनाथ के नाम में सोम यानी अमृत है। ऐसे में जब-जब इसे नष्ट करने की कोशिश हुई, सोमनाथ मंदिर उठ खड़ हुआ। मजहबी कट्टरपंथी इतिहास के पन्नों में सिमट गए तो वहीं सोमनाथ मंदिर आज भी स्वाभिमान से खड़ा है।'

प्रधानमंत्री ने राजकोट में किया वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

राजकोट : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भी भारत उल्लेखनीय स्थिरता और भरोसे के साथ आगे बढ़ रहा है। सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के मंत्र ने भारत की विकास गाथा को नई दिशा दी है और आज का भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर तेज गति से अग्रसर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ये बातें रविवार को गुजरात के राजकोट में कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र के लिए आयोजित वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट गुजरात केवल सम्मेलन नहीं बल्कि 21वीं सदी के आधुनिक भारत की यात्रा है, जो एक सपने से शुरू होकर आज अडिग विश्वास में बदल चुकी है। पिछले दो दशकों में वाइब्रेंट गुजरात एक वैश्विक बेंचमार्क बन चुका है और इसके अब तक दस संस्करण आयोजित हो चुके हैं। यह मंच अब केवल निवेश तक सीमित नहीं रहा बल्कि वैश्विक विकास, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और साझेदारी का केंद्र बन गया है।

एक नजर

चोपदार बलिया मुखिया ने गरीबों के बीच किया कंबल का वितरण

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत चोपदार बलिया पंचायत में मुखिया पुजा कुमारी ने ठंड को देखते हुए पंचायत भवन में गरीब बुजुर्गों के बीच 120 कम्बल का किया वितरण और साथ ही कहां की ठंड में ज्यादा ना निकले जरुरी काम है तब ही निकले मौके उपस्थित मुखिया पुजा कुमारी, पंचायत सचिव धीरज कुमार सिंह ,मुखिया प्रतिनिधि चंदन पुरी, कमल पुरी , नंद किशोर मेहता,प्रदीप राम ,प्रकाश प्रजापति ,संतोष नयाक, बबलु कुमार ,राजी अहमद इत्यादि लोग उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन के चपेट से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप घायल

बरही : थाना क्षेत्र के पंचमाधव स्थित आईलेक्स के सामने अज्ञात वाहन के चपेट में आने से दो बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इसी दौरान घटनास्थल पर नायरा पेट्रोल पंप के मालिक इंद्रजीत जी गुजर रहे थे। उन्होंने तुरंत मानवता का परिचय देते हुए दोनों घायल युवकों को अपने वाहन में बैठा कर इलाज के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल जहां डाक्टरों की निगरानी में दोनों घायलों का समाचार लिखे जाने तक इलाज जारी है। बताया गया कि घायल एक युवक पंचमाधव निवासी हैं तथा दूसरा घायल युवक अपने रिस्तेदार के यहां पंचमाधव आए हुए थे दोनों युवक किसी काम से करियातपुर गए थे।करियातपुर से लौटने के दौरान यह घटना घटी।

अज्ञात वाहन की चपेट में आया पैदल यात्री गंभीर रूप घायल

बरही: बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत रसोईया धमना मोड़ के समीप रविवार को एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से पैदल चल रहा एक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा उस वक्त हुआ जब यात्री सड़क पार कर रहा था। टक्कर के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को तुरंत इलाज के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायल की पहचान मो. अरशद खान, पिता मो. उस्मान खान, निवासी कोटा, राजस्थान के रूप में की गई है।

जमसोती में एक रिकॉर्डिंग स्टूडियो से 6 लाख रुपये की सामान चोरी

चलकुशा : थाना क्षेत्र अंतर्गत जमासोती में स्थित एक ए वन रिकॉर्डिंग स्टूडियो नामक स्टूडियो से गुरुवार की रात अज्ञात चोरों ने करीब 6 लाख की सामान चोरी कर लिया। जिसकी जानकारी सुबह परिवार वालों को मिली, प्राप्त जानकारी के अनुसार घर के बगल में उस रात कोई जागरण का कार्यक्रम हो रहा था जिससे आस पास और घर के सभी सदस्य वहीं गए हुए थे जिसके बाद चोरों ने रात को स्टूडियो को निशाना बनाया और लाखों की सामान चोरी कर ले गए जिसमें से कैमरा माइक कंप्यूटर और स्टूडियो में उपयोग होने वाले कई कीमती समान ले गए हैं। स्टूडियो के ऑनर अशोक कुमार ने चलकुशा थाना में आवेदन देकर पुलिस से जांच की मांग की है।

झामुमो ने मनाई दिशोम गुरु शिबू सोरेन की 82वीं जयंती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

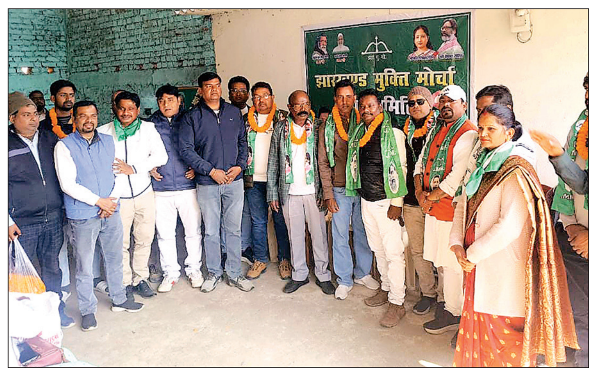

हजारीबाग : अटल चौक स्थित झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला कार्यालय में मंगलवार को दिशोम गुरु शिबू सोरेन की 82वीं जयंती श्रद्धा, सम्मान और संकल्प के साथ मनाई गई। मौके पर दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें स्मरण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झामुमो के जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया ने भावुक शब्दों में कहा कि यह पहला अवसर है जब दिशोम गुरु का जन्मदिवस हम सब उनके बिना मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि नम आंखों के साथ हम सब आज उन्हें याद कर रहे हैं, लेकिन साथ ही यह संकल्प भी ले रहे हैं कि उनके सपनों का झारखंड बनाकर ही सच्ची श्रद्धांजलि देंगे।उन्होंने कार्यकताओं से आगामी नगर निकाय चुनाव को लेकर पूरी ताकत से जुट जाने का आह्वान किया। बेदिया ने स्पष्ट किया कि भले ही नगर निगम चुनाव दलगत आधार पर न हों, लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा अपने समर्थित उम्मीदवार महापौर पद सहित हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में उतारेगी। इस मौके पर पार्टी के जिला सचिव नीलकंठ महतो ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखंड के निमार्ता हैं। अलग झारखंड राज्य का सपना उन्होंने देखा था, जो आज हम सबको मिला है। अब हमारी जिम्मेदारी है कि उस राज्य को सजाने-संवारने और सामाजिक न्याय, आदिवासी-अस्मिता तथा जनहित की नीतियों को आगे बढ़ाने का काम करें। कार्यक्रम में झामुमो के केंद्रीय सदस्य सुनील शर्मा ने कहा कि शिबू सोरेन का संपूर्ण जीवन संघर्ष, त्याग और आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु की विचारधारा आज भी झारखंड की राजनीति को दिशा देने का काम कर रही है। वहीं जिला प्रवक्ता कुणाल यादव ने अपने संबोधन में कहा कि शिबू सोरेन केवल एक नेता नहीं, बल्कि झारखंडी अस्मिता के प्रतीक थे। उनका जीवन हमें सिखाता है कि सत्ता का उद्देश्य केवल शासन करना नहीं, बल्कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक न्याय पहुँचाना है। झामुमो उनके सपनों के झारखंड को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार उसी विचारधारा को आगे बढ़ा रही है, जिसके लिए दिशोम गुरु ने जीवन भर संघर्ष किया। कार्यक्रम के दौरान झामुमो का जनाधार और मजबूत हुआ।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के 82वां जयंती में संजीव बेदिया ने किया कबंल का वितरण

बड़कागांव : प्रखण्ड के गरसुल्ला पंचायत घनश्याल में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के 82 वां जयंती के शुभ अवसर पर झारखंड सरकार राज्य परिवहन प्राधिकार सदस्य सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के हजारीबाग जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बेदिया ने बुजुर्ग महिला पुरुष के बीच 200 कंबल वितरण किया एवं तस्वीर पर पुष्पांजलि किया। स्वर्गीय शिबू सोरेन मेरे पिता तुल्य थे संबोधित करते हुए। श्री बेदिया ने कहा आदरणीय शिबू सोरेन का स्वर्गवास हो जाने से झारखंड में एक पीढ़ी का अंत हो गया झारखंड निर्माण करने में अहम भूमिका था झारखंड आंदोलनकारी के रूप में भी जाना जाता है दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भारत रत्न दिया जाए मौके पर उपस्थित मणिलाल करमाली, संजय करमाली , सुरेंद करमाली, जावेद खान , रविन्द्र, महावीर मांझी और भी शामिल थे।

ठंड के बीच जनप्रतिनिधियों ने बढ़ाया मदद का हाथ, 550 जरूरतमंदों को बांटे कंबल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पदमा : राज्य में लगातार बढ़ रही कनकनी और भीषण ठंड को देखते हुए पदमा प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में राहत कार्य तेज कर दिए गए हैं। इसी कड़ी में पदमा ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों द्वारा पंचायत सचिवालय में एक विशेष वितरण शिविर का आयोजन किया गया, जहाँ असहाय और बुजुर्गों के बीच कंबलों का वितरण हुआ। मुखिया अनिल कुमार मेहता के नेतृत्व में हुआ आयोजन राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए कंबलों को पंचायत स्तर पर सुपात्रों तक पहुँचाने के उद्देश्य से पदमा पंचायत के मुखिया अनिल कुमार मेहता ने सक्रिय भूमिका निभाई। पंचायत भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 550 जरूरतमंदों को कंबल प्रदान किए गए। मुखिया अनिल कुमार मेहता ने इस अवसर पर कहा कि कड़ाके की ठंड में समाज के अंतिम व्यक्ति की सुरक्षा और सहायता करना हमारा प्राथमिक कर्तव्य है। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने की बात कही कि पंचायत का कोई भी असहाय व्यक्ति ठंड के कारण असुरक्षित न रहे। खिले उठे जरूरतमंदों के चेहरे बढ़ते शीतलहर के प्रकोप के बीच जब बुजुर्गों और विधवा महिलाओं को गर्म कंबल मिले, तो उनके चेहरों पर राहत और मुस्कान साफ देखी गई। स्थानीय ग्रामीणों ने पंचायत प्रतिनिधि और सरकार के इस प्रयास की सराहना की।

हजारीबाग के जेपी कारा से फरार तीनों कैदी महाराष्ट्र से गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जय प्रकाश नारायण केन्द्रीय कारा, हजारीबाग से फरार हुए तीनों सजायाफ्ता कैदियों को हजारीबाग पुलिस ने महाराष्ट्र के सोलापुर जिले से सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी करमाला थाना क्षेत्र के कोरटी स्थित एक ईंट-भट्ठे से की गई, जहां तीनों मजदूरी कर छिपे हुए थे। जानकारी के अनुसार, 31 दिसंबर 2025 की रात करीब 1:30 बजे देवा भुईयां उर्फ देव कुमार भुईयां, राहुल रजवार और जितेन्द्र रवानी जेल की खिड़की का रॉड काटकर बेडशीट के सहारे नीचे उतरे और चारदीवारी पार कर फरार हो गए थे। तीनों कैदी अलग-अलग मामलों में 20 वर्ष, 27 वर्ष और आजीवन कारावास की सजा काट रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही उपायुक्त और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच की। मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर अमित आनंद के नेतृत्व में तीन विशेष जांच टीम गठित की गई। एक टीम तकनीकी साक्ष्यों पर काम कर रही थी, दूसरी टीम कैदियों के भागने के रास्तों का पता लगा रही थी, जबकि तीसरी टीम लगातार छापेमारी कर रही थी। पुलिस जांच में सामने आया कि जेल से भागने के बाद तीनों पहले हजारीबाग और आसपास के इलाकों में छिपे, फिर ट्रेन के जरिए गया, क्यूल, जसीडीह होते हुए पुणे जाने वाली ट्रेन से महाराष्ट्र पहुंचे।

ठंड में जरूरतमंदों को राहत देना हमारा दायित्व है अभियान पूरे मौसम जारी रहेगा : चंद्र प्रकाश जैन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कड़ाके की ठंड के बीच हजारीबाग यूथ विंग द्वारा चलाया जा रहा शीतकालीन राहत अभियान पूरी सक्रियता और प्रतिबद्धता के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में रविवार को लक्ष्मी सिनेमा हॉल कैंपस में आयोजित सेवा कार्यक्रम के दौरान आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे 100 जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया गया। संस्था अब तक 850 कंबलों का वितरण कर चुकी है, जो उसके संगठित प्रयासों और मजबूत सेवा-संकल्प को दशार्ता है। संस्था ने स्पष्ट किया है कि यह शीतकालीन राहत अभियान पूरे ठंड के मौसम में बिना किसी बाधा के जारी रहेगा। इसके साथ ही रात्रिकालीन सेवाएं भी निरंतर संचालित की जा रही हैं, ताकि अचानक सामने आने वाले जरूरतमंदों को भी तुरंत सहायता मिल सके। कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरों पर दिखाई दी राहत और संतोष इस अभियान की सार्थकता को स्वयं बयान कर रही थी। भीषण ठंड में यह सहायता उनके लिए केवल वस्त्र नहीं, बल्कि सुरक्षा और भरोसे का प्रतीक बनकर सामने आई। कार्यक्रम के सफल संचालन में प्रभारी के रूप में सांसद प्रतिनिधि एवं युवा समाजसेवी लब्बू गुप्ता की सक्रिय भूमिका रही, जबकि उनके सहयोगी के रूप में कुणाल कुमार उर्फ हैप्पी ने पूरी तत्परता से जिम्मेदारी निभाई। दिसंबर माह से प्रारंभ हुआ यह शीतकालीन राहत अभियान अब जिले में अपनी एक सशक्त पहचान स्थापित कर चुका है। प्रत्येक सप्ताह 100 कंबल वितरण कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित हो रहे इन कार्यक्रमों से सेवा की एक सशक्त श्रृंखला विकसित हो रही है, जो समाज में सकारात्मक ऊर्जा और विश्वास का संचार कर रही है। संस्था के संरक्षक चंद्रप्रकाश जैन ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग सेवा को दान नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व मानकर कार्य कर रहा है। हमारा लक्ष्य है कि ठंड के मौसम में कोई भी जरूरतमंद असहाय न रहे और हर व्यक्ति को गरिमा के साथ राहत मिले। वहीं संस्था के अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा ने हजारीबाग यूथ विंग द्वारा संचालित शीतकालीन राहत अभियान केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि पूरी ठंड भर चलने वाली सुव्यवस्थित सेवा प्रक्रिया है।

सलगा के मुखिया पार्वती देवी के द्वारा 80 कबंल का हुआ वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरेडारी : प्रखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत सलगा के पंचायत भवन में जिला प्रशासन के निर्देश पर कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए केरेडारी प्रखंड के सलगा के पंचायत भवन सलगा के प्रांगण में मुखिया पार्वती देवी, पंचायत सचिव तालेश्वर गोप, उप मुखिया जागेश्वर कुमार महतो के द्वारा संयुक्त रूप से 80 कंबल का वितरण किया गया। इस गांव में सभी जाति के लोग रहते हैं। कंबल वितरण के बाद सलगा के मुखिया पार्वती देवी ने कहा कि यहां के लोगों को ठंड से बचने की जरूरत है और अपने-अपने बच्चों को भी ठंड से बचाए। कंबल दिया गया गरीब परिवारों का नाम इस प्रकार है भुनेश्वर साव, मना भुइयां, बुधनी देवी, कपिलाष देवी ,और अन्य बुजुर्ग को कंबल मिला। इस तरह की कमल वितरण ठंड के समय में प्रत्येक वर्ष मुखिया पार्वती देवी के द्वारा दिया जाता है मुखिया पार्वती देवी के कार्य से साल का पंचायत के ग्रामीण ऑन काफी खुश हैं ग्रामीणों के द्वारा बताया गया कि सलगा पंचायत में इसी तरह का मुखिया रहे तो किसी भी गरीब परिवार को भी किसी भी समस्या से झूझना नहीं पड़ेगा क्योंकि यह मुखिया ऐसा है कि किसी भी वक्त जाकर अपने निजी खर्च से भी खर्च किया करते हैं आने वाला दिन में इसी मुखिया का भी हमलोग को जरूरत है मौके पर उपस्थित इस मुखिया पार्वती देवी ,पंचायत सचिव तालेश्वर गोप, उप मुखिया जागेश्वर कुमार महतो, वार्ड सदस्य संदीप कुमार, वार्ड सदस्य भुनेश्वर कुमार महतो, वार्ड सदस्य झालो देवी, वार्ड सदस्य गीता देवी, वार्ड सदस्य सुनीता देवी,प्रज्ञा केंद्र के संचालक तुलसी कुमार महतो, प्रखंड सहायक रविंद्र कुमार, रूपेश कुमार साव उर्फ (संटू), वृद्ध लुरक साव अन्य सैकड़ो ग्रामीण शामिल थे।

अदाणी फाउंडेशन ने दूर की विद्यालय में पानी की गंभीर समस्या

स्कूल की 430 से अधिक छात्राओं को शुद्ध पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य में भी मिल रहा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय लंबे समय से पेयजल संकट से जूझ रहा था। पानी की कमी के कारण छात्राओं की पढ़ाई और दैनिक दिनचर्या प्रभावित हो रही थी। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए अदाणी फाउंडेशन ने गोंदुलपारा खनन परियोजना के अंतर्गत विद्यालय परिसर में डीप बोरवेल का निर्माण कराया। इससे अब विद्यालय की 430 से अधिक बच्चियों को नियमित रूप से शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। विद्यालय में डीप बोरवेल चालू होने के बाद छात्राओं को राहत मिली है। पहले जहां पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता था, अब उसी समय का उपयोग पढ़ाई और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में हो रहा है। शिक्षकों और अभिभावकों ने इस पहल को छात्राओं के स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है।अदाणी फाउंडेशन केवल पेयजल तक सीमित नहीं रहा। विद्यालय में सोलर लाइट की व्यवस्था कराई गई है ताकि बिजली की समस्या पढ़ाई में बाधा न बने। बच्चियों को सिलाई मशीन प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित किया जा रहा है। इसके साथ ही नियमित रूप से बच्चियों का ब्लड टेस्ट, सामान्य स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श दिया जा रहा है। आंखों की जांच कर जरूरतमंद छात्राओं को समय पर सलाह दी जाती है, वहीं उन्हें अपने ब्लड ग्रुप की जानकारी भी दी गई है। पिछले वर्षों में बच्चियों को जूते भी उपलब्ध कराए गए, जिससे उनकी दैनिक जरूरतों का ध्यान रखा जा सके। विद्यालय में लंबे समय से इकोनॉमिक्स शिक्षक की कमी एक बड़ी समस्या थी, जिसका असर छात्राओं के अंकों पर साफ दिखता था। अदाणी फाउंडेशन ने इस कमी को समझते हुए पिछले दो वर्षों से वित्तीय सहयोग के माध्यम से इकोनॉमिक्स शिक्षक उपलब्ध कराया है। इसका सकारात्मक असर यह हुआ कि छात्राओं की समझ बढ़ी और इकोनॉमिक्स विषय में उनके अंक लगातार बेहतर हो रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

भुईंया समाज का वनभोज 18 जनवरी को 24 फरवरी को शबरी जयंती मनाने का निर्णय

बड़कागांव : अखिल भारतीय भुइयां समाज कल्याण समिति का प्रखंड स्तरीय शबरी जयंती एवं वन भोज को लेकर बैठक की गई जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष प्रभु राम भुइयां एवं संचालन प्रखंड सचिव शंकर भुइयां ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बड़कागांव प्रमुख प्रतिनिधि एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा वरिष्ठ नेता हेमंत भुइयां एवं झामुमो मीडिया प्रभारी सह जिला सोशल मीडिया आईटी सेल सदस्य संजय भुइयां उपस्थित हुए। सर्व समिति से निर्णय लिया गया की 18 जनवरी रविवार को स्थान चंदौल मोहदरवा में वन भोज का आयोजन किया जाएगा एवं 24 फरवरी को माता शबरी जयंती बड़का गांव में धूमधाम से मनाया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड अध्यक्ष प्रभु राम, सचिव शंकर भुइयां, उपाध्यक्ष नंदकिशोर भुइयां, गणेश भुईयां ,प्रखंड प्रवक्ता गिरजा भुइयां ,प्रखंड सह सचिव फूलचंद भुइयां,संजय भुइयां,वार्ड सदस्य अशोक राम, शिक्षक दिनेश्वर राम, उदय राम, संजीत राम,चरका भुइयां ,सुरेंद्र राम अन्य शामिल थे।

शीतलहरी को लेकर सीओ ने कराई चौक चौराहे पर अलाव की व्यवस्था

बड़कागांव : बड़कागांव कनकनी के साथ शीतलहरी कपकपाती ठंड चल रही है। जिसे लेकर बड़का गांव अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने बड़का गांव के चौक चौराहे पर अलाव की व्यवस्था कराई है ताकि आने जाने वाले राहगीरों को ठंड का सामना नहीं करना पड़े और ठंड से राहत मिल सके। ताकि लोग रोग बीमारी होने से बच सके। अंचलाधिकारी ने बताया कि बड़कागांव मुख्य चौक, दैनिक बाजार ,बड़कागांव समुदाय स्वास्थ्य केंद्र, थाना परिसर, केनरा बैंक के पास अलाव व्यवस्था की गई है।

बिजैया पंचायत में गरीब व असहाय लोगों के बीच कंबल वितरण, जिप उपाध्यक्ष रहे मौजूद

बरही: प्रखंड अंतर्गत बिजैया पंचायत के पंचायत भवन में कड़ाके की ठंड को देखते हुए असहाय एवं जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों के बीच ठंड से बचाव हेतु कंबल वितरण किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में किशुन यादव शामिल हुए। उनके साथ स्थानीय मुखिया मकीना खातून, मुखिया प्रतिनिधि मंसूर अंसारी, पंचायत समिति सदस्य आरती यादव के प्रतिनिधि रोहित यादव, उपमुखिया प्रतिनिधि सुखदेव यादव, वार्ड प्रतिनिधि त्रिलोकी महतो और राकेश राणा उपस्थिति रहे। इस अवसर पर किशुन यादव ने कहा कि कड़ाके की ठंड में जरूरतमंदों की सहायता करना मानवता का सच्चा धर्म है। उन्होंने आगे भी ऐसे सामाजिक कार्य निरंतर करने का संकल्प लिया। मौके पर लाभुकों के अलावे कई अन्य लोग भी मौजूद थे।

झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोईया, संयोजिका अध्यक्ष संघ का प्रखंड स्तरीय बैठक संपन्न

बड़कागांव : झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोईया / संयोजिका , अध्यक्ष संघ का प्रखंड स्तरीय बैठक रखा गया। अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष आरती वर्मा एवं संचालन सरिता देवी ने की। बैठक में मुख्य रूप से निर्णय लिया गया कि सभी सदस्यों को सदस्य बनाकर संगठन में जोड़ना ,संकुल स्तरीय कमेटी गठन करना, प्रखंड स्तरीय सम्मेलन करना। शीतकालीन सत्र झारखंड विधानसभा मैदान में धरना प्रदर्शन करेंगे। सरकार दोबारा समझौता हुआ था कि 11 जनवरी तक आपकी मांगों पर विचार विमर्श किया जाएगा अथवा समझौता किया जाएगा। लेकिन सरकार ने संघ के साथ धोखा देने का काम किया।यह भी निर्णय लिया गया कि जब तक हमारी मानदेय वृद्धि सहित सभी सात सूत्री मांग पुरा नहीं किया जायेगा तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस बैठक में मुख्य रूप से महेंद्र राम पासवान , अनीता देवी, आरती वर्मा, नमिता देवी, पूनम देवी, रेशमी देवी सहित बैठक में दर्जनों रसोईया, संयोजिका एंव अध्यक्ष शामिल थे।

केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाने के विरोध में एक दिवसीय उपवास कार्यक्रम संपन्न

हजारीबाग : जिला कांग्रेस के तत्वावधान में केन्द्र सरकार द्वारा महत्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से महात्मा गांधी के नाम हटाए जाने के विरोध में मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत डिस्ट्रिक्ट बोर्ड चौक स्थित डॉ.भीमराव अंबेडकर प्रतिमा के निचे एक दिवसीय उपवास एंव प्रतीकात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला कांग्रेस के मीडिया अध्यक्ष निसार खान ने कहा कि मनरेगा से महत्मा गांधी का नाम मिटाना सोचा-समझा राजनीति से प्रेरित है । उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का नाम हटाने का सचेत निर्णय वैचारिक है । गांधी जी की श्रम की गरिमा, समाजिक न्याय और सबसे गरीबों के प्रति राज्य की नैतिक जिम्मेदारी के प्रतीक है । यह नाम परिवर्तन गांधी जी के मुल्यों के प्रति भाजापा-आरएसएस की दीर्घकालिक असहजता और अविश्वास को दशार्ता है तथा एक जन केन्द्रित कल्याणकारी कानून से राष्ट्रपिता के जुड़ाव को मिटाने का प्रयास है । प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा ने कहा कि प्रस्तावित नया विधेयक उस कानूनी काम के अधिकार को समाप्त कर देता है जो, मनरेगा ने प्रदान किया था । यह मांग आधारित, वैधानिक अधिकार की जगह एक केन्द्र नियंत्रित योजना लाता है, जिसमे न तो रोजगार की कोई कानून लागू की जा सकने वाली गारंटी है न सार्वभौमिक कबरेज और न ही यह आश्वासन कि आवश्यकता के समय लोंगो को काम मिलेगा।

एक नजर

रांची पहुंचे हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल प्रेस क्लब व यूथ कॉन्क्लेव में लेंगे भाग

रांची : हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला रविवार 11 जनवरी को रात्रि 8:30 बजे रांची बिरसा एयरपोर्ट पहुंचे जहां से वह लोग भवन जाकर रात्रि निवास किया। 12 जनवरी को राज्यपाल महोदय सुबह 11:00 बजे रांची प्रेस क्लब में अकाल संवाद का कार्यक्रम है। जहां से वह दोपहर 1:00 बजे रांची आरोग्य भवन के लिए प्रस्थान करेंगे जहां दोपहर के भजन के पश्चातश होने वाले यूथ कांक्लेव में महामहिम राज्यपाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। तत्पश्चात वहां से अपराध में 4:30 में वे रजरप्पा के लिए प्रस्थान करेंगे जहां आधे घंटे की पूजा पाठ के पश्चात पर वापस लोकभवन आकर वे रात्रि विश्राम करेंगे। सुबह लोक भवन से वापसी के लिए प्रस्थान करने के क्रम में वे राज्यसभा के पूर्व सदस्य महेश पोद्दार से मिलने जुलने के पश्चात 9:20 में वीर से एयरपोर्ट पहुंचेंगे जहां से वे 10:00 बजे की फ्लाइट से वापसी के लिए प्रस्थान करेंगे।

सहजानंद चौक में चला अतिक्रमण मुक्त अभियान हटाई गईं दुकानें

रांची : रांची नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम ने रविवार को वार्ड संख्या-26 अंतर्गत सहजानंद चौक पर अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया। नगर निगम की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि यह अभियान शहर के प्रमुख और व्यस्त चौकों में शामिल सहजानंद चौक पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा सभी मार्गों को लेफ्ट-फ्री और अतिक्रमण मुक्त रखने के उद्देश्य से चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क किनारे लगाए गए करीब आठ अस्थायी दुकानों को हटाया गया। इसमें एक ठेला, दो गुमटियां सहित अन्य अतिक्रमण सामग्री को जब्त किया गया। नगर निगम की टीम ने अतिक्रमण हटाने के बाद संबंधित मार्ग को पूरी तरह सुव्यवस्थित कर आवागमन के लिए सुगम बनाया। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारियों को कड़ी चेतावनी दी गई कि भविष्य में सहजानंद चौक या उसके आसपास किसी भी प्रकार की दुकान अथवा अस्थायी संरचना दोबारा स्थापित न करें।

हाईवा की चपेट में आने से अजित उरांव की मौत

रांची : अनगड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत हेसल पंचायत बाहेया रोड में गेल फैक्ट्री के समीप एक हाईवा गाड़ी के चपेट में आ जाने से एक मोटरसाइकिल सवार अजित उरांव उम्र लगभग 25 वर्ष की घटना स्थल पर ही मौत हो गई स्थानीय लोगों ने बताया कि यह हाईवा बहेया से मिट्टी लेकर आ रहा था और मोटर साइकिल पुरुलिया सड़क से घुसकर बोंगई बेड़ा अपना घर जा रहा था जिस तरह से घटना हुई है बाइक सवार अनियंत्रित होकर गिर पड़ा जिससे अजित उरांव चपेट में आ गया घटना कि सूचना स्थानीय थाना प्रभारी गौतम रजवार को दी गई अपने दल बल के साथ घटना स्थल पहुंचे और उसके बाद परिजनों को समझा बुझा कर अंतिम संस्कार के लिए थाना प्रभारी के द्वारा सहयोग किया गया। उसके बाद लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया। मौके सल मुखिया कविता देवी, समाज सेवी जलेश्वर उर्फ मार्शल सूरज नारायण महतो, राम पोदो महतो, अजय भोगता, कृष्णा भगत, सुधांशु महतो, मंटू महतो घटना स्थल पहुंचे और हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री का 'चेशायर होम' से भावनात्मक जुड़ाव कहा- दिव्यांग बच्चों की शक्ति किसी से कम नहीं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : यह हमारे जीवन का पहला अवसर है, जब हम बाबा दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी की जयंती उनके बिना मना रहे हैं। गुरुजी के संघर्ष, त्याग और बलिदान ने हमें अलग राज्य के सपने को साकार करने की राह दिखाई। वे सदैव कमजोर, पिछड़े और आदिवासी समाज के उत्थान के लिए समर्पित रहे। गुरुजी के विचार और आदर्श सदियों तक हम सभी का पथप्रदर्शन करते रहेंगे। उक्त बातें दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी की 82वीं जयंती के शुभ अवसर पर चेशायर होम में आयोजित कार्यक्रम में आज मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहीं। इस अवसर पर कार्यक्रम में विधायक कल्पना सोरेन भी उपस्थित रहीं। इस दौरान उन्होंने वहां रह रहे दिव्यांग बच्चों से मुलाकात की, उनसे आत्मीय बातचीत की तथा उनके साथ कुछ समय बिताया। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर बच्चों के बीच कंबल एवं आवश्यक सामग्रियों का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि चेशायर होम से उनका एक विशेष भावनात्मक जुड़ाव रहा है। वे अक्सर यहां आते रहे हैं और समय-समय पर यहां के सदस्यों एवं बच्चों से मिलते रहते हैं। मुख्यमंत्री ने यहां की व्यवस्था और देखरेख की सराहना करते हुए कहा कि यहां के सदस्यगण त्याग और समर्पण की भावना से कार्य कर रहे हैं। यहां के दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा देखकर यह महसूस होता है कि उनकी शक्ति और आत्मविश्वास किसी भी प्रकार से कम नहीं है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर संस्था को हरसंभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया तथा उपस्थित सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजन कल्याण के क्षेत्र में निरंतर रूप से सार्थक प्रयास कर रही है। कार्यक्रम के दौरान विधायक कल्पना सोरेन ने भी बच्चों से संवाद स्थापित कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा संस्था में संचालित सेवा कार्यों की सराहना की।

मुरी बॉडी बिल्डिंग संघ के निदेशक ने स्वास्थ्य मंत्री से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मुरी : मुरी क्षेत्र के बॉडी बिल्डिंग संघ के निदेशक इरशाद सिद्दीकी ने झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें नववर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने वर्ष 2026 में आयोजित होने वाली दिशोम गुरु शिबू सोरेन बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण भी दिया। मुलाकात के दौरान निदेशक इरशाद सिद्दीकी ने मुरी-सिल्ली क्षेत्र में बिना वैध दस्तावेज एवं पंजीकरण के संचालित हो रहे बॉडी बिल्डिंग एवं फिटनेस संस्थानों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि ऐसे संस्थान न केवल नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, बल्कि युवाओं के स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बन सकते हैं। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि बिना वैध कागजात के संचालित संस्थानों पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि खेल और फिटनेस से जुड़ी गतिविधियाँ सुरक्षित, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संचालित हो सकें। यह मुलाकात क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने तथा युवाओं के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक पहल मानी जा रही है।

आदिवासी समाज के संघर्ष और स्वाभिमान के प्रतीक थे दिशोम गुरु : शिल्पी नेहा तिर्की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती के अवसर पर रविवार को उन्हें शत-शत नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने दिशोम गुरु के योगदान को याद करते हुए उन्हें देश की राजनीति का एक अमिट नाम बताया। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि देश की राजनीति में कुछ ऐसे महान पुरोधा हुए हैं, जिनका नाम और योगदान सदैव अजय-अमर रहेगा। उन्हीं में से एक दिशोम गुरु शिबू सोरेन हैं। उन्होंने कहा कि दिवंगत शिबू सोरेन हम सभी के दिशोम गुरु थे और वे हमेशा दिशोम गुरु ही रहेंगे। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर ही एक न्यायपूर्ण, समतामूलक और सशक्त समाज का निर्माण संभव है। मंत्री ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि वे आदिवासी समाज के संघर्ष, त्याग और सशक्त नेतृत्व की जीवंत मिसाल थे। उनका जीवन संघर्षों से भरा रहा, लेकिन उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों और आदर्शों से समझौता नहीं किया। उनकी विचारधारा और संघर्षशील जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा। शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि शिबू सोरेन ने अपना पूरा जीवन आदिवासी समाज के अधिकार, अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने आदिवासी समाज को अपनी परंपरा और संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश दिया और बच्चों को शिक्षा के महत्व को समझने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु ने अन्याय और शोषण के खिलाफ उलगुलान का रास्ता दिखाया और समाज को सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर एक मजबूत, संगठित और जागरूक समाज के निर्माण का संदेश दिया। मंत्री ने कहा कि आज भी दिशोम गुरु शिबू सोरेन के विचार और संघर्ष झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रासंगिक हैं। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही समाज में समानता, न्याय और सम्मान की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

टुसू पर्व झारखंड की पहचान का प्रतीक : देवेंद्रनाथ महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंडी भाषा, खतियान संस्कृति समिति की ओर से रविवार को राजधानी रांची के मेन रोड क्षेत्र में आयोजित राजधानी टुसू महोत्सव पारंपरिक उत्साह, लोक आस्था और सांस्कृतिक रंगों के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान मंच पर कलाकारों ने नाटिका, लोकगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। महोत्सव के मुख्य अतिथि देवेंद्रनाथ महतो ने अपने संबोधन में कहा कि टुसू पर्व केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि झारखंड की सामाजिक एकता, लोक संस्कृति और सामूहिक आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, परंपराओं और लोक विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। महोत्सव में रांची समेत आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं, युवक-युवतियां और बच्चे शामिल हुए। टुसू झांकी में शामिल प्रतिभागी चौड़ल के साथ नृत्य-संगीत करते हुए मेन रोड से गुजरते हुए आयोजन स्थल तक पहुंचे, जो दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था कर यातायात को नियंत्रित किया। कार्यक्रम के दौरान कुंवारी कन्याओं ने विधिवत टुसू थापन, टुसू पूजन, टुसू वंदना और पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए। इसके बाद खपरा पीठा, गुड़ पीठा और खिचड़ी जैसे पारंपरिक व्यंजनों का वितरण किया गया, जिसे लोगों ने उत्साहपूर्वक ग्रहण किया। इस आयोजन में विजय सिंह, मजबूल खान, पूजा महतो, दीपक रवानी, अनंत महतो, निवेदिता देवी, बिहारी महतो, संतोष महतो, सष्टी रंजन, गोपेश्वर महतो, सूरज साहू सहित सैकड़ों टुसू प्रेमी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

अंकुर क्लब द्वारा वार्षिक रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी रविवार को अंकुर क्लब, नॉर्थ ऑफिस पारा, डोरंडा के द्वारा जे.एम.जे. स्कूल परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। अंकुर क्लब का उद्देश्य मानव कल्याण है। इस उद्देश्य के तहत प्रत्येक वर्ष रक्तदान शिविर, कंबल वितरण, बच्चों में गिफ्ट वितरण का आयोजन किया जाता है। रक्तदान शिविर के साथ निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच एवं निःशुल्क नेत्र जाँच भी की गई। साथ ही बच्चों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय स्वामी अंतरानन्द जी महाराज (रामकृष्ण मिशन), स्वामी भूतशनन्द जी महाराज (राँची) भारत सेवाश्रम संघ के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में अन्य विशिष्ट अतिथिगण – हटिया विधायक नवीन जायसवाल, अंशुल शरण (अध्यक्ष, युगांतर भारती), सीमा शर्मा (भाजपा नेत्री), एच. जी. मधुसूदन मुकुंद प्रभु (महाप्रबंधक, इस्कॉन), जे.एम.जे. हाई स्कूल से सिस्टर विकासलता (प्रधानाचार्य), राज अस्पताल टीम, देविका सेनगुप्ता, डॉ. गौतम दत्ता, श्यामल चटर्जी, अमिताभ कुमार सिन्हा, तुषार करण शीट आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संचालन अंकुर क्लब की ओर से बासुरीपाल, प्रेमांशु शेखर दास, रमेश धारा, तापस जाना, परिमल पाल, किशोर मांझी, तरुण घोष, दिलेश्वर महतो, पीयूष सामंता, सीताराम सल्ले, संजय कुमार, तापस कांडर, बरीन पान, देवराज सेनगुप्ता, रमन प्रसाद, सुबरतो, तपन, रिक्ता, साबोनी, सुप्रिया, निवेदिता, सुमोना एवं सुजाता ने किया। मोहल्ले के विशिष्ट व्यक्ति उपस्थित थे।

युवा दिवस पर रांची नगर निगम की बड़ी पहल, बड़ा व छोटा तालाब क्षेत्र हुआ स्वच्छ व अतिक्रमण-मुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रशासक के निदेशानुसार स्वामी विवेकानंद जयंती (युवा दिवस) के पावन अवसर तथा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारियों के क्रम में, रांची नगर निगम द्वारा शहर के हृदय स्थल–बड़ा तालाब (विवेकानंद सरोवर) एवं छोटा तालाब–के आसपास एक समग्र, मानवीय और नागरिक हितैषी अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य केवल सफाई या अतिक्रमण हटाना नहीं, बल्कि नागरिकों को स्वच्छ वातावरण, सुगम आवागमन और सुरक्षित सार्वजनिक स्थल उपलब्ध कराना है, ताकि रांची एक आदर्श, स्वच्छ एवं सुंदर शहर के रूप में उभर सके। अभियान के दौरान नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम ने पूरी संवेदनशीलता और समन्वय के साथ कार्रवाई करते हुए–बड़ा तालाब मार्ग पर फुटपाथों और सड़कों पर अवैध रूप से लगाए गए ठेला-खोमचे, अस्थायी दुकानें एवं मालवाहक वाहन हटाए। छोटा तालाब क्षेत्र में सड़क एवं पैदल मार्ग को बाधित कर रही दो गुमटियों सहित अन्य अस्थायी संरचनाओं को हटाकर मार्ग को नागरिकों के लिए सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाया। बड़ा तालाब से जुड़े सभी कनेक्टिंग रोड को लेफ्ट-फ्री किया गया, जिससे यातायात सुचारू हुआ

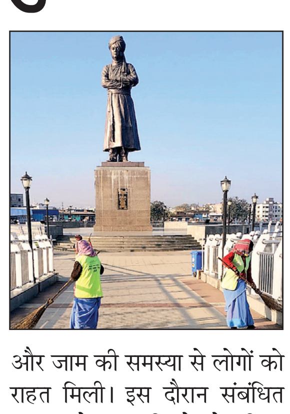

और जाम की समस्या से लोगों को राहत मिली। इस दौरान संबंधित दुकानदारों एवं व्यक्तियों को भविष्य में नालियों, फुटपाथों एवं सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण न करने की सख्त लेकिन सहयोगात्मक चेतावनी दी गई, ताकि यह व्यवस्था स्थायी रूप से बनी रहे। युवा दिवस के संदेश–स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन और स्वच्छ समाज–को आत्मसात करते हुए स्वच्छता टीम द्वारा–तालाबों के तटीय क्षेत्रों और आसपास के सार्वजनिक स्थलों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। व्यापक स्तर पर झाड़ू, नालियों की सफाई, कचरे का निष्पादन तथा ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया। नागरिकों से अपील की गई कि वे तालाबों एवं सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने में नगर निगम का सहयोग करें। इस प्रयास का परिणाम यह रहा कि पूरा क्षेत्र स्वच्छ, सुव्यवस्थित और नागरिकों के लिए अधिक आकर्षक दिखाई देने लगा। नगर निगम की विद्युत शाखा द्वारा बड़ा तालाब एवं छोटा तालाब क्षेत्र में– सभी खराब पड़ी पथ-बत्तियों को दुरुस्त किया गया। अंधेरे स्थानों को प्रकाशमय बनाकर रात्रि में सुरक्षा, भ्रमण और सौंदर्य–तीनों को सुदृढ़ किया गया। अब संध्या के समय तालाब क्षेत्र न केवल सुरक्षित है, बल्कि शहरवासियों के लिए सुकून और आनंद का स्थल भी बन गया है। रांची नगर निगम द्वारा आज, युवा दिवस के अवसर पर 10:00 बजे से निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री एवं कल्पना सोरेन ने हीरो हॉकी इंडिया लीग (मेंस) 25-26 के प्रथम मैच का किया उद्घाटन

रांची : रांची स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित हीरो हॉकी इंडिया लीग (मेंस) 2025–26 के प्रथम मैच में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सोरेन ने रोमांचक मैच का भरपूर आनंद लिया तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। समारोह में राज्य भर से आए खेल प्रेमियों की भारी भीड़ उपस्थित रही, जो हॉकी के प्रति बढ़ते उत्साह को दर्शाती है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हीरो हॉकी इंडिया लीग जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के माध्यम से झारखंड में हॉकी खेल को नई गति मिलेगी तथा युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। झारखंड सरकार खेलों के विकास के लिए पूर्णतः कटिबद्ध है। राज्य सरकार सूबे में विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं का विस्तार कर रही है ताकि हमारे युवा ओलंपिक एवं अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी खेल प्रतिभाओं का लोहा मनवा सकें। मौके पर विधायक कल्पना सोरेन ने भी खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन राज्य की खेल संस्कृति को मजबूत बनाते हैं। झारखंड सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत आधारभूत संरचनाओं का सृजन कर रही है, जिसमें स्टेडियमों का आधुनिकीकरण एवं प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना प्रमुख है। यह आयोजन राज्य की खेल नीति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हेमन्त सोरेन से एनटीपीसी पीवीयूएनएल पतरातू के अधिकारियों की शिष्टाचार भेंट

रांची : कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रविवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से एनटीपीसी पीवीयूएनएल, पतरातू के सीईओ अशोक कुमार सेहगल एवं एचआर हेड जियाउर रहमान ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री और एनटीपीसी प्रतिनिधियों के बीच एनटीपीसी के उत्थान एवं संचालन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक और सार्थक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने 'दिशोम गुरु कॉफी टेबल बुक' का किया लोकार्पण

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने रविवार को मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी की 82वीं जयंती के अवसर पर एक दैनिक समाचार पत्र द्वारा आयोजित दिशोम गुरु कॉफी टेबल बुक का लोकार्पण किया। यह पुस्तक दैनिक जागरण के प्रयास से प्रकाशित की गई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी को नमन करते हुए उनके संघर्ष, त्याग और बलिदान को याद किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कॉफी टेबल बुक गुरुजी के जीवन, विचारों और राजनीतिक योगदान का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसमें उनके संघर्षशील जीवन, जनसेवा के प्रति समर्पण और समाज उत्थान के लिए किए गए कार्यों का विस्तृत वर्णन किया गया है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य की जनता इस पुस्तक के माध्यम से गुरुजी के प्रेरणादायी जीवन से जुड़ सकेगी। उन्होंने दैनिक जागरण के सभी सदस्यों को इस प्रकाशन के लिए बधाई दी और नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं भी प्रेषित कीं। इस अवसर पर दैनिक जागरण के महाप्रबंधक परितोष झा, संपादक शशि शेखर, मार्केटिंग हेड धर्मेंद्र कुमार, ब्यूरो चीफ प्रदीप सिंह सहित दैनिक जागरण के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित थे।

रिटायरमेंट कालोनी का पारिवारिक वनभोज हर्षोल्लास के साथ संपन्न

सिल्ली : मुरी हर वर्ष के तरह नववर्ष के उपलक्ष्य में रिटायरमेंट कालोनी का फैमिली गेट टू गेदर सह वनभोज का आयोजन गहणी अनीता विशवास के नेतृत्व में रविवार को स्वर्ण रेखा नदी तट पर किया गया। श्रीमति विशवास अपने अडोस पडोस के घरों में खुद से जाकर नदी चलने के लिए आग्रह किया। फिर सबने मिलकर आनन फानन में तैयारी कर अपने अपने वाहन व टम्पों से नदी पहुंचे। महिलाएँ खाना पकाने में जूट गयीं वहीं पुरुष व बच्चे नदी की बहती धारा में खूब मस्ती किया। महिलाओं ने भी खूब फोटो खिंचवाई। इसी बीच पकौड़े भी तले गये और सबों के बीच दोना में वितरित किया गया। फिर साथ पंगत में बैठ मीट भात चटनी पापड का आनंद ऊठाया। ततपशचात देर शाम तक गीत गायन और नत्य का दौर चला। अन्त में आसछे बोछोर आबार होबे का नारा देते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

झारखंड आंदोलन के महानायक शिबू सोरेन की जयंती मनाई गई

सिल्ली: सिल्ली प्रखंड अंतर्गत रविवार के दिन झारखंड आंदोलन के महानायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जयंती मनाई गई।कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए एवं उनके पद चिन्हों पर चलने का कार्यकताओं ने संकल्प लिया और कहा की झारखंड दिशोम गुरु के सपना जल,जंगल और जमीन की रक्षा का संघर्ष को हर पीढ़ी याद रखेगा।इस मौके पर अखिलेश कुम्हार,अखिल महतो,प्रकाश कुशवाहा,समीर ठाकुर,सिल्ली मुखिया भरत मुंडा,संजय महतो,शेखर महतो जीतू समेत दर्जनों लोग मौजूद है।

एक नजर

उप मुखिया ने जरूरतमंदों के बीच किए कंबल वितरण

केरसई : प्रखंड के ग्राम पंचायत टैंसर पश्चिमी के उप मुखिया खुशबू देवी ने बढ़ते ठंड के प्रकोप को देखते हुए जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच कंबल का वितरण किया। उन्होंने कहा कि ठंड को देखते हुए झारखंड सरकार ने हर पंचायत में कंबल का व्यवस्था करायी है, सरकार का उद्देश्य है कि सरकारी लाभ गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसी उद्देश्य से आज कंबल का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि जरूरत पड़ने पर और भी कंबल की व्यवस्था करायी जाएगी। वही कंबल पाकर ग्रामीण हर्षित हो उठे।

दिव्यांग संघर्ष समिति का विलय, नया संगठन 'दिव्यांग अधिकार संघ' हुआ स्थापित

कोडरमा : बागीटांड स्टेडियम, कोडरमा में झारखंड विकलांग संघर्ष समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष यशवन्त वर्मा की अध्यक्षता में संघर्ष दिव्यांग संघ एवं दिव्यांग एकता संघ की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से दोनों संगठनों का विलय कर नए संगठन का नाम ह्लदिव्यांग अधिकार संघ, कोडरमाह्व रखा गया। इस अवसर पर निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार पांडे के द्वारा निम्नलिखित पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से निर्वाचन किया गया अध्यक्ष। पंकज पंडित, उपाध्यक्ष मो. मुख्तार आलम, संस्थापक योगेंद्र कुमार पंडित , सचिव गोपाल, पासवान उपसचिव आलोक विधि सलाहकार धीरजनाथ गोस्वामी, कोषाध्यक्ष एम.डी. तनवीर अख्तर, मीडिया प्रभारी: राजन कुमार को बनाया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आगामी 18/01/2026 को दिव्यांग जन मिलन समारोह सह वनभोज कार्यक्रम का आयोजन जोहारघाटी, झुमरीतिलैया में किया जाएगा। साथ ही संगठन की अगली मासिक बैठक 01/02/2026 को आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

यशपाल सिंह बने राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो के जिला उपाध्यक्ष

कोडरमा : झुमरी तिलैया निवासी यशपाल सिंह की योग्यता, कार्य अनुभव और समाज सेवा के प्रति उनकी अटूट निष्ठा को देखते हुए उन्हें एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रणधीर कुमार ने यशपाल सिंह को कोडरमा जिला उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया है। यह मनोनयन ब्यूरो के जिला अध्यक्ष रवि छाबड़ा की अनुशंसा और राष्ट्रीय सदस्यता प्रभारी की सहमति पर किया गया है। संस्था को उम्मीद है कि यशपाल सिंह ब्यूरो के उद्देश्यों पर चलते हुए संगठन का नाम गौरवान्वित करेंगे। गौरतलब है कि यह ब्यूरो नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है और मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 के तहत मानवाधिकारों के प्रचार-प्रसार व रोकथाम के लिए कार्य करता है। बधाई देने वालों का लगा तांता: यशपाल सिंह के उपाध्यक्ष बनने पर क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों और सहयोगियों ने खुशी जाहिर की है।

शिबू सोरेन की 82वीं जयंती पर कानीकेंद में विशेष जनकल्याणकारी शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र के कानीकेंद में आदिम जनजाति एवं आदिवासी परिवारों के सशक्तिकरण की दिशा में जिला प्रशासन, कोडरमा द्वारा निरंतर सार्थक पहल की जा रही है। इसी क्रम में दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के 82वीं जयंती के पावन अवसर पर कानीकेंद में विशेष जनकल्याणकारी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, उप विकास आयुक्त रवि जैन एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव ने अपने

संबोधन में कहा कि राज्य सरकार द्वारा समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। आदिम जनजाति एवं आदिवासी समुदाय को इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए, ताकि उनका सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित हो सके। उप विकास आयुक्त रवि जैन ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुँचे, यही जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से दूरस्थ एवं वंचित क्षेत्रों के लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस विशेष शिविर के माध्यम से आदिम जनजाति एवं आदिवासी परिवारों को राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से सीधे जोड़ते हुए लाभ एवं परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। शिविर में जॉब कार्ड एवं मनरेगा से संबंधित सेवाएं, वृद्धा पेंशन, जन्मझमृत्यु प्रमाण पत्र एवं राशन कार्ड हेतु आवेदन, बैंक खाता खोलने की सुविधा, भूमि एवं जलमिनार से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए। इसके साथ ही दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर का वितरण, ठंड से राहत हेतु कंबल एवं स्वेटर वितरण किया गया। शिविर में सभी लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें मेडिकल किट प्रदान की गई। वहीं गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं नवजात शिशुओं का मुंह जुठी संस्कार संपन्न कराया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के नामांकन की प्रक्रिया भी शिविर के दौरान कराई गई। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी भोला पांडेय, अंचल अधिकारी रविन्द्र पांडेय, स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय पदाधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स के बैनर तले पारिवारिक वनभोज का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : मान्यता प्राप्त विद्यालयों के समूह कोडरमा सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स के बैनर चले निदेशक एवं प्राचार्य का पारिवारिक वनभोज तिलैया डैम स्थित फ्लोटिंग रेस्टोरेंट में आयोजित की गई। जिसमें जिले के कई विद्यालयों के निदेशक व प्राचार्य एवं शिक्षक अपने-अपने परिवार के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए सभी ने एक साथ फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का सैर कर में वोटिंग का आनंद लिया। साथ ही साथ कई प्रकार के लजीज व्यंजन का भी आनंद उठाया। सभी ने गीत- संगीत, नृत्य व खेलकूद कर वनभोज को मनोरंजन बनाया। इस कार्यक्रम में ग्रिजली विद्यालय के निदेशक अविनाश सेठ, सीईओ प्रकाश गुप्ता, विवेकानंद कॉन्वेंट स्कूल निदेशक अनिल कुमार व खुशबू गुप्ता, प्राचार्य राधेश्याम पंडित, सेक्रेड हार्ट स्कूल के निदेशक प्रमोद कुमार, प्राचार्य प्रमोद कुमार शर्मा, जीएस पब्लिक स्कूल के निदेशक नितेश कुमार, मंजुला शर्मा मेमोरियल एकेडमी के निदेशक रजनीश कुमार शर्मा, आदर्श प्लस टू उच्च विद्यालय के कार्यकारी निदेशक दीपक कुमार उपप्राचार्य रवि कुमार, मॉडर्न पब्लिक स्कूल के प्राचार्य जीसी वर्मा, निदेशक संगीता शर्मा, मेरिडियन अकादमी के प्राचार्य एसके लाहा सहित कई विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं सपरिवार उपस्थित थे।

मकर संक्रांति पर गौ वंशों का मुंह मिठाकर प्राप्त करें आशीर्वाद : गौ सेवा आयोग अध्यक्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : झारखंड गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने रविवार को श्री कोडरमा गौशाला परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान गौशाला समिति के कार्यकारी सचिव अरुण कुमार और कार्यकारिणी सदस्य सज्जन शर्मा ने उनका स्वागत किया। इस दौरान अध्यक्ष ने गौशाला परिसर में गौ वंशों के रखरखाव की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने गौवंशों के रखरखाव की स्थिति को काफी संतोषजनक बताते हुए समिति के पदाधिकारी, सदस्य और गौशाला के कर्मियों के कार्यों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने गौवंशों को रोटी और गुड भी खिलाया। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति का पर्व गौ सेवा को लेकर विशेष महत्व रखता है। इस

दिन लोग गौशाला पहुंचे और तुलादान और चारा दान के साथ गौवंशों का मुंह मीठा करा कर आशीर्वाद प्राप्त करें। उन्होंने बताया कि गौशाला की सुविधाओं को और सुदृढ़ करने के लिए समिति के माध्यम से गौ सेवा आयोग को प्राप्त जरूरतों पर आयोग बैठक में निर्णय लेकर सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य के अलग-अलग इलाकों से गौ तस्करी से जुड़े मामलों पर रोक लगाने के लिए आयोग के द्वारा सभी थाना में अधिनियम प्रकाशित कर पुस्तक भेजी गई है ताकि पुलिस बेहतर तरीके से कार्रवाई कर सके। वहीं जिले में संचालित पशु एम्बुलेंस के द्वारा शाम के बाद और छुट्टी वाले दिन सेवा नहीं देने पर उन्होंने जिला पशुपालन पदाधिकारी को एंबुलेंस संचालन की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं।

सिमडेगा में झामुमो द्वारा मनाया गया दीसोंम गुरु शिबू सोरेन का 82वां जन्मदिन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : सिमडेगा में दीसोंम गुरु शिबू सोरेन के 82वें जन्मदिन के अवसर पर झामुमो सिमडेगा द्वारा अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना की अगुवाई में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यकताओं ने गुरुजी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा केक काटकर जन्मदिन मनाया। कार्यक्रम में पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों में उत्साह देखा गया। मौके पर झामुमो जिला सचिव शफीक खान ने कहा कि शिबू सोरेन ने छोटे से गांव नेमरा से निकलकर जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया। उन्होंने आदिवासी, मूलवासी और गरीब तबके के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया, जिसकी

बदौलत झारखंड को अलग राज्य का दर्जा मिला। उन्होंने कहा कि गुरुजी का जीवन संघर्ष, त्याग और जनसेवा की मिसाल है।शफीक खान ने कहा कि आज जरूरत है कि उनके बताए मार्ग पर चलकर सामाजिक न्याय, समानता और विकास को आगे बढ़ाया जाए, ताकि एक सशक्त और समृद्ध झारखंड का निर्माण हो सके। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने गुरुजी के योगदान को याद करते हुए उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर झामुमो के कई नेता, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

ग्रामीणों की शिकायत पर जिला परिषद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने किया स्थल का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : जिला के ठेठईटांगर प्रखंड अंतर्गत पंचायत केरया के ग्राम चीरोबेड़ा एवं देऊबहार में कार्यालय जिला परिषद सिमडेगा द्वारा दो डीप बोरिंग एवं जलमीनार का निर्माण कराया गया था। लाखों की लागत से बने इन जल संरचनाओं से आज तक किसी भी ग्रामीण के घर एक बूंद पानी नहीं पहुँच पाया है। जिसका नतीजा ग्रामीण आज भी कुआँ और डाड़ी के पानी पर निर्भर रहने को मजबूर हैं, जो कि गरमी के दिनों में सुख जाती है। ग्रामीणों का स्पष्ट आरोप है कि यह स्थिति पूरी तरह संवेदक की लापरवाही और गैर जिम्मेदारियां कार्यप्रणाली का परिणाम है। इस गंभीर समस्या को लेकर ग्रामीणों ने ठेठईटांगर के जिला परिषद सदस्य कृष्णा बड़ाईक से शिकायत की। शिकायत मिलते ही जिला परिषद अध्यक्ष रोस प्रतिमा सोरेंग एवं उपाध्यक्ष सोनी पैंकरा, जिला परिषद सदस्य के साथ मौके पर पहुँचकर डीप बोरिंग और जलमीनार का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के

दौरान ग्रामीणों ने बताया कि बोरिंग करने के समय पानी नहीं निकलने पर संवेदक ने तकनीकी नियमों को दरकिनार करते हुए कुएँ का पानी बोरिंग में भर दिया और यह दावा किया कि इससे जलस्तर बढ़ेगा। इसके बाद कुछ समय के लिए जलमीनार में पानी चढ़ाया गया, लेकिन उसके बाद आज तक दोबारा पानी नहीं आया। परिणामस्वरूप जलमीनार सिर्फ दिखावे की संरचना बनकर रह गया है। ग्रामीणों की पीड़ा और शिकायतों को गंभीरता से सुनने के बाद जिला परिषद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही वहाँ नया और तकनीकी रूप से सही बोरिंग कराया जाएगा।

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत एकदिवसीय उपवास, केंद्र सरकार पर साधा निशाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिले में मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत अंबेडकर पार्क में एकदिवसीय उपवास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला अध्यक्ष प्रकाश रजक ने किया, वही कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष सह कोडरमा कांग्रेस प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद मुख्य रूप से शामिल हुए। उपवास कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे। इस दौरान कार्यकताओं ने केंद्र सरकार पर मनरेगा को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए जोरदार नारेबाजी की और कहा

कि यह योजना गरीबों, मजदूरों और ग्रामीणों की जीवनरेखा है। वक्ताओं ने मनरेगा में समय पर मजदूरी भुगतान, काम की गारंटी और पंचायतों के अधिकार बहाल करने की मांग की। सभा को संबोधित करते हुए झारखंड गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष सह कोडरमा जिला कांग्रेस प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि मनरेगा सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण गरीबों का कानूनी अधिकार है। केंद्र सरकार लगातार बजट में कटौती कर और भुगतान में देरी कर मजदूरों का हक छीनने का काम कर रही है। कांग्रेस पार्टी मनरेगा की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। वही जिला अध्यक्ष प्रकाश रजक ने संबोधित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी के नाम से जुड़ी इस योजना को कमजोर करना देश के सबसे गरीब तबके के साथ अन्याय है। कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेंगे और जरूरत पड़ी तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे मनरेगा बचाओ अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं और मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट रहें। सभा को संचालन प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने किया सभा को मनोज सहाय उर्फ पिंकू प्रमोद बरनवाल बेबी सिन्हा कयुम उदीन विजय सिंह फैयाज अब्बू केसर आनंद मेहता अनिल यादव अज्जू सिंह सैयद नसीम अजय कृष्णा मोदी भागीरथ पासवान सुभाष सिंह यादव दशरथ पासवान प्रभात राम संजय सेठअशरफ अली ने भी संबोधित किया। उपवास कार्यक्रम में संजय दास मनोज कुमार साव संतोष कुशवाहा राजू मोदी नकुल पांडे लालदेव प्रसाद यादव मोहम्मदकासिम मोहम्मद अकरम अनिल यादव असगर अली रामेश्वर यादव रोजन मियां पुष्पा देवी शंकर दास कृष्ण दास सुरेंद्र दास विकास कुमार मुकेश कुमार विकास कुमार आदि लोग मौजूद थे धन्यवाद ज्ञापन युवा जिला अध्यक्ष अशरफ अली ने किया।

संक्षिप्त खबरें

जीपीएल सीजनझ्र8 के चैंपियन बने कोटालपोखर पंचायत, आगलोई को 50 रनों से हराया

साहिबगंज : जिला के बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के श्रीकुंड स्थित मिल्लत हाई स्कूल मैदान में खेले गए गुमानी प्रीमियर लीग सीजन-8 के फाइनल मुकाबले में कोटालपोखर पंचायत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आगलोई पंचायत को 50 रनों से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में टॉस जीतकर आगलोई पंचायत ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए कोटालपोखर पंचायत की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 213 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से अमित मंडल ने 92 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 6 चौके और 9 छक्के शामिल थे। वहीं आयुष पाल ने 40 रन तथा अभिजीत शर्मा (बाबू) ने मात्र 13 गेंदों में 35 रनों की तेजतर्रार पारी खेलकर टीम के स्कोर को मजबूती प्रदान की। 213 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आगलोई पंचायत की टीम 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 163 रन ही बना सकी। आगलोई की ओर से आयुष पाल ने 40 रन और आशिफ अली ने 33 रनों का योगदान दिया, लेकिन टीम जीत हासिल नहीं कर सकी। कोटालपोखर की गेंदबाजी में अमित मंडल ने 4 ओवर में 33 रन देकर 4 विकेट चटकाए, जबकि बंटी बाबा ने 3 विकेट लेकर विपक्षी टीम की कमर तोड़ दी। पुरस्कार वितरण समारोह फाइनल मुकाबले के बाद आयोजित समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। विजेता टीम कोटालपोखर पंचायत को जीपीएल चेयरमैन अफीफ अमसल द्वारा रॉयल एनफील्ड क्लासिक बाइक प्रदान की गई, जबकि उपविजेता टीम आगलोई पंचायत को टीवीएस अपाचे आरटीआर बाइक देकर सम्मानित किया गया। व्यक्तिगत पुरस्कारों में मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द टूनार्मेंट एवं बेस्ट बॉलर बने अमित मंडल वहीं बेस्ट बैटर आशिफ अली, बेस्ट फील्डर मो. सनाउल्लाह, इमर्जिंग प्लेयर इंद्रजीत शर्मा, बेस्ट कैच शाहबाज आलम एवं फेयर प्ले अवॉर्ड पलाशबोना पंचायत टीम को दिया गया। जीपीएल चेयरमैन अफीफ अमसल ने सीजनझ्र8 के सफल आयोजन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि गुमानी प्रीमियर लीग केवल एक क्रिकेट टूनार्मेंट नहीं, बल्कि ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने का सशक्त माध्यम है। फाइनल मुकाबले के दौरान बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे और पूरे टूनार्मेंट में खिलाड़ियों के जोश एवं खेल भावना ने माहौल को उत्साहपूर्ण बनाए रखा।

आरएसएस सेवा विभाग ने लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर, सैकड़ों लोगों ने उठाया लाभ

झुमरी तिलैया : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवा विभाग की ओर से गौशाला रोड, बजरंग नगर में एक दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया गया। शिविर के माध्यम से मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायरॉयड, हीमोग्लोबिन तथा रक्त जांच जैसी महत्वपूर्ण जांच सुविधाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई गईं। स्वास्थ्य जांच शिविर में मुख्य रूप से डॉ. प्रियरंजन एवं डॉ. आर. के. दीपक ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं, जबकि लैब टेक्नीशियन के रूप में बीरेंद्र सिंह ने जांच कार्य को कुशलतापूर्वक संपन्न कराया। चिकित्सकों ने जांच के उपरांत मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सुझाव भी दिए तथा नियमित जांच एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया।
इस अवसर पर संघ के सह विभाग कार्यवाह मनोज राणा, जिला संपर्क प्रमुख दिलीप सिंह, नगर कार्यवाह प्रिंस कुमार, नगर संपर्क प्रमुख प्रेम द्विवेदी, नगर विस्तारक विशाल यदुवंशी, सेवा प्रमुख नलिन मिस्टकर, मुन्ना ठाकुर सहित कई स्वयंसेवक उपस्थित रहे। सभी स्वयंसेवकों ने व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करते हुए लोगों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाई। स्थानीय नागरिकों ने इस स्वास्थ्य जांच शिविर में बढ़-चढ़कर भाग लिया और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इस सेवा कार्य की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने बताया कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना संघ के सेवा कार्यों का प्रमुख उद्देश्य है और भविष्य में भी इस तरह के शिविरों का आयोजन किया जाता रहेगा।

स्वैच्छिक रक्तदाता प्रेरक कार्यशाला का भव्य आयोजन

कोडरमा : केएसएच यूथ फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदाता प्रेरक कार्यशाला का सफल एवं भव्य आयोजन झुमरी तिलैया सेक्रेड हार्ट स्कूल के कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना एवं युवाओं को रक्तदाता प्रेरक के रूप में तैयार करना रहा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विधायक कोडरमा डॉ. नीरा यादव रहीं। कार्यक्रम में मॉडर्न पब्लिक स्कूल के प्राचार्य गुरु चरण वर्मा,रोटरी क्लब ऑफ कोडरमा के सचिव संदीप कुमार सिन्हा,सदस्य आशीष खेतान, लायंस क्लब ऑफ कोडरमा के अध्यक्ष गजेन्द्र रवानी,डिस्ट्रिक्ट चेयर पर्सन सुजीत अंबास्था, वालंटियर ब्लड डोनर एसोसिएशन के अध्यक्ष रितेश माधव,सदस्य रितेश लोहानी, रक्त सेवा संघ के सचिव पिंटू कुमार गुप्ता,सदस्य दिलीप पासवान,टीम जीरो से अली हैदर बंटी,अभाविप से अतुल सिंह, स्वैच्छिक रक्तदाता अभिनव आशीष,कोडरमा डायरी से प्रिंस कुमार सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता एवं युवा उपस्थित रहे। के एस एच यूथ फाउंडेशन की ओर से कोषाध्यक्ष अरुण कुमार,सदस्य पीयूष पारस, नवीन जैन,सुमित कुमार,अरविंद बर्णवाल,राहुल शर्मा,मनीष कुमार,अदिरा सिंह,मो.आरिफ, धर्मेंद्र पंडित,रामू कुमार एवं श्रवण कुमार की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम का संचालन आकाश कुमार ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि नीरा,यादव,विशिष्ट अतिथि सुनील मुखर्जी,प्रदीप घोषाल,प्रमोद कुमार संगीता शर्मा,संस्था के पदाधिकारी विशाल सिंह धर्मेंद्र सिंह एवं तौफीक हुसैन ने मुख्य रूप से दीप प्रज्वलन कर किया,जिसके पश्चात संस्था के अध्यक्ष द्वारा स्वागत संबोधन दिया गया। संस्था के संस्थापक एवं निर्देशक विशाल सिंह ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। इसके बाद मुख्य अतिथि डॉ. नीरा यादव ने अपने संबोधन में जमशेदपुर टाटा से आए सुनील मुखर्जी एवं प्रदीप घोषाल की उम्र इस में भी रक्तदान एवं जागरूकता के प्रति उनके जोश एवं जुनून की सराहना की तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को रक्तदान के महत्व को समझने की आवश्यकता पर बल दिया।

एक नजर

कुकड़ू में मोटरसाइकिल दुर्घटना में दो युवक घायल एक की हालत गंभीर

कुकड़ू : सरायकेला जिला के कुकड़ू प्रखंड अंतर्गत सिरूम गांव के रूपडू टोला निवासी मोटू उर्फ राजा महतो और भोलू उर्फ शशांक कुमार रविवार को मोटरसाइकिल दुर्घटना में घायल हो गए। जानकारी के अनुसार दोनों युवक मोटरसाइकिल से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराया। हादसे में मोटू उर्फ राजा महतो को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि भोलू उर्फ शशांक कुमार को हल्की चोट लगी है। दुर्घटना के बाद दोनों युवक सड़क पर घायल अवस्था में पड़े हुए थे। उसी समय पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक उर्फ माझी माझी साव वहां से गुजर रहे थे। घटना को देखते ही उन्होंने तत्परता दिखाते हुए तत्काल 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से दोनों घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से निमडीह उप स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां दोनों का इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार गंभीर रूप से घायल मोटू उर्फ राजा महतो की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। घटना के बाद कुछ देर तक क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

बाबूलाल मरांडी का 67वां जन्मदिन मनाया गया

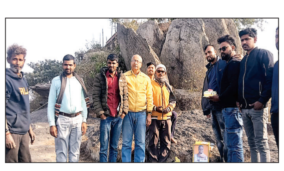

सतगावां : प्रखण्ड झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री और भाजपा प्रतिपक्ष नेता व वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का 67वां जन्मदिन रविवार को धूम- धाम से मनाया गया। यह जन्मदिन प्रखंड के ऐतिहासिक महेश्वर नाथ मंदिर प्रांगण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं ने इस अवसर पर केक काटकर और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी जाहिर की। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए उनके नेतृत्व की सराहना की। वहीं उपस्थित पूर्व मंडल अध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रतिनिधि अनिल यादव ने कहा कि बाबूलाल मरांडी झारखंड के विकास के प्रतीक हैं और उनके मार्गदर्शन में प्रदेश निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। मौके पर उपस्थित अनुश्रवण समिति के सदस्य मनोज भगत, शिवराज सिंह, बजरंग दल के प्रखंड अध्यक्ष बंटी यादव, राहुल यादव, और प्रदीप यादव सहित पार्टी अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कौणिडनिया फाउंडेशन के तहत पूर्व डीआईजी ने किया गरीबों के बीच कंबल वितरण

कोडरमा : कौणिडनिया फाउंडेशन के तहत आश्रम रोड स्थित कौणिडनिया पब्लिक स्कूल झुमरी तिलैया के अध्यक्ष सह पूर्व डीआईजी राजीव रंजन सिंह ने तिलैया स्थित बिरहोर बस्ती में इस कपकपाती ठंड में जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया। इस समाज सेवी कार्य में कौणिडनिया पब्लिक स्कूल के शिक्षकेतर कर्मियों ने तथा फाउंडेशन के सदस्य विक्रांत सिंह ने अध्यक्ष के साथ अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष ने कहा कि उनका उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम शीतलहर के दौरान गरीब परिवारों को राहत प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में वहां उपस्थित लोगों ने फाउंडेशन के द्वारा उठाए गए इस प्रयास की सराहना की और कहा कि यह समाज के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान है।

नारायण आईटीआई चांडिल में श्रद्धा से मनाई गई लाल बहादुर शास्त्री की पुण्य तिथि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : नारायण आईटीआई लुपुंगडीह, चांडिल परिसर में भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री, महान स्वतंत्रता सेनानी एवं सादगी के प्रतीक लाल बहादुर शास्त्री जी की पुण्य तिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं प्रशिक्षणार्थियों ने शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान संस्थान का संस्थापक सह भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य जटाशंकर पांडे जी ने शास्त्री जी की विस्तृत जीवनी पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने बताया कि लाल बहादुर शास्त्री जी का जन्म 2 अक्टूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में एक साधारण परिवार में हुआ था। बचपन में ही पिता के निधन के बाद भी उन्होंने कठिन परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने काशी विद्यापीठ से शिक्षा ग्रहण की और "शास्त्री" की उपाधि प्राप्त की। वे महात्मा गांधी के विचारों से अत्यंत प्रभावित थे और सत्य, अहिंसा व सादगी को अपने जीवन में उतारा। स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेते हुए शास्त्री जी कई बार जेल गए और राष्ट्र सेवा को ही अपने जीवन का लक्ष्य बनाया। आजादी के बाद उन्होंने देश की सेवा विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहकर की।

वे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, केंद्रीय परिवहन मंत्री, रेल मंत्री तथा गृह मंत्री रहे। रेल मंत्री रहते हुए एक दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने इस्तीफा देकर उच्च आदर्श प्रस्तुत किया। 9 जून 1964 को लाल बहादुर शास्त्री जी भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री बने। उनके कार्यकाल में 1965 का भारतझपाक युद्ध हुआ, जिसमें उन्होंने देश का दृढ़ और साहसपूर्ण नेतृत्व किया। इसी दौरान दिया गया उनका अमर नारा "जय जवान, जय किसान" आज भी सैनिकों और किसानों के सम्मान का प्रतीक है। 11 जनवरी 1966 को ताशकंद में उनका आकस्मिक निधन हो गया। जटाशंकर पांडे ने कहा कि शास्त्री जी का संपूर्ण जीवन ईमानदारी, त्याग और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है, जिससे आज की युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से मौजूद रहे एडवोकेट निखिल कुमार, शांति राम महतो, प्रकाश महतो, देवाशीष मंडल, शुभम साहू, पवन महतो, शशि प्रकाश महतो,संजीत महतो, कृष्णा पद महतो, शेखर मंडल, निमाई मंडल, सिसुमति दास, आदि उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा माह में सरायकेला प्रशासन सख्त, नशे में वाहन चालकों पर कार्रवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के अंतर्गत आज दिनांक 11 जनवरी, 2026 को गिड्डीबेड़ा टोल प्लाजा, कांड्राझचौका मार्ग पर ड्रंक एंड ड्राइव प्रवर्तन अभियान संचालित किया गया। यह अभियान सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। अभियान के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी श्री गिरिजा शंकर महतो, मोटरयान निरीक्षक तथा रोड सेफ्टी टीम की उपस्थिति में सघन वाहन जांच की गई। ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से वाहन चालकों की अल्कोहल जांच की गई एवं नशे की अवस्था में वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत विधिसम्मत कार्रवाई की गई। जांच के क्रम में वाहन चालकों को नशे में वाहन न चलाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करने तथा सभी यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने हेतु जागरूक किया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि सड़क सुरक्षा को लेकर इस प्रकार के प्रवर्तन एवं जागरूकता अभियान आगे भी नियमित रूप से संचालित किए जाएंगे, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके तथा आम नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

चांडिल में केक काटकर मनाई गई शिबू सोरेन व शहीद सांसद सुनील महतो की जयंती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : प्रखंड क्षेत्र के रुचाप स्थित मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ननिहाल में रविवार को झारखंड आंदोलन के पुरोधा दिशोम गुरु स्व शिबू सोरेन एवं शहीद सांसद सुनील महतो की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर केक काटकर जयंती मनाई गई तथा दोनों महान नेताओं के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम के दौरान ईचागढ़ विधायक सविता महतो एवं झामुमो केंद्रीय सदस्य गुरुचरण किस्कू ने संयुक्त रूप से स्कूली बच्चों के बीच कॉपी, कलम एवं टॉफी का वितरण किया। वहीं जरूरतमंद बुजुर्ग महिला एवं पुरुषों के बीच सैकड़ों कंबलों का वितरण कर सामाजिक सरोकार का परिचय दिया गया। जयंती समारोह में उपस्थित वक्ताओं ने स्व शिबू सोरेन एवं शहीद सांसद सुनील महतो के संघर्ष, विचारधारा और झारखंड राज्य के निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुए उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर झामुमो नेता ओम प्रकाश लायेक, झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलु महतो, जिला सचिव बैद्यनाथ टुडू, प्रो. पीसी महतो, प्रखंड अध्यक्ष कृष्णा महतो, नितेश वर्मा, संतोष किस्कू, लखीद्र किस्कू, अर्जुन सिंह मुंडा, सुदामा हेम्ब्रम, राजू किस्कू, धर्मू गोप, विशाल गोप, सोमाय टुडू, राहुल वर्मा, शिबू महतो, बादल महतो, टिंकू बेसरा, शंकर लायेक, मिलन तंतुवाई सहित बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

रामगढ़ का प्रदूषण: एक इकाई को निशाना बनाना कहां तक सही

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : झारखंड का एक प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र, जहाँ कोयला खदानें, कोल वॉशरीज, स्पंज आयरन, ट्रांसपोर्टेशन हब और अन्य अनेक प्रकार के उद्योग संचालित हैं। लेकिन इस औद्योगिक विकास के साथ ही प्रदूषण का मुद्दा भी लगातार चर्चा में बना रहता है। पिछले कुछ समय से जिला में प्रदूषण को लेकर बहस तेज हुई है, और स्थानीय स्तर पर यह प्रश्न उठाया जा रहा है कि जब पूरे क्षेत्र में कई उद्योग एवं कोयला परिवहन से धूल और धुएँ का उत्सर्जन होता है, तब रामगढ़ औद्योगिक क्षेत्र में स्थित केवल एक विशेष उद्योग को ही प्रदूषण का "मुख्य कारण" बताकर लगातार निशाने पर क्यों लिया जा रहा है।

रामगढ़ जिले में प्रदूषण फैलाने में कई बड़ी कोयला से संबंधित फैक्ट्रियां, ईंट भट्टे, कोलियरी, ट्रांसपोर्टिंग, रेलवे साइडिंग, कोयला, बालू और पत्थर का अवैध खनन अपना बड़ा योगदान दे रहे हैं। जिले के पतरातु, रामगढ़, मांडू, गोला और चितरपूर प्रखंड में कोयला से संबंधित कई छोटी बड़ी फैक्ट्रियां लगी हुई हैं। वहीं इन क्षेत्रों में स्थित रेलवे स्टेशन के साइडिंग से कोयला और पत्थरों का ट्रांसपोर्टिंग होता है। जिले में सैकड़ों की संख्या में छोटे बड़े ईंट भट्ठे हैं, जो प्रदूषण को बढ़ावा दे रहे हैं। सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि औद्योगिक क्षेत्र में प्रदूषण की समस्या सामूहिक है, परंतु उसे एक ही इकाई तक सीमित कर दिया गया है। संबंधित उद्योग प्रबंधन का कहना है कि वे प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सभी मानकों का पालन करते हैं। उन्होंने दावा किया कि इकाई में इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर, डस्ट कंट्रोल सिस्टम, वाटर स्प्रिंकलिंग और ग्रीन बेल्ट डेवलपमेंट जैसी व्यवस्थाएँ लागू हैं और नियमित मॉनिटरिंग की जाती है। उनकी मानें तो व्यवस्थित पालन के बावजूद उन्हें चुनिंदा तौर पर बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। प्रबंधन का यह भी कहना है कि उद्योग के आसपास लगभग 10 हजार से अधिक लोगों की आजीविका प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ी हुई है और नकारात्मक माहौल बनने से रोजगार पर भी असर पड़ सकता है। वहीं पर्यावरण कार्यकर्ताओं का कहना है कि पूरे क्षेत्र में समग्र अध्ययन की आवश्यकता है। उनका मत है कि केवल एक उद्योग ही नहीं, बल्कि कोयला खनन, वॉशरीज, ढुलाई, डंपिंग यार्ड और खुली कोयला मंडियों से भी वायु गुणवत्ता प्रभावित होती है।

इस वर्ष मकरसंक्रांति 15 जनवरी को बनेगें शुभ संयोग : संदीप शर्मा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

इटखोरी : मां भद्रकाली मंदिर पुजारी ज्योतिषाचार्य संदीप शर्मा बताते हैं कि इस साल मकर संक्रांति 15 जनवरी को है। क्योंकि 14 जनवरी को रात्रि 09:38 में ग्रहों के राजा सूर्य देवगुरु बृहस्पति के मूल त्रिकोण राशि धनु को छोड़कर अपने पुत्र शनि के साधारण राशि मकर में प्रवेश करेंगे अतः इसका पुण्यकाल 15 जनवरी दिन गुरुवार को सूर्योदय से ही प्रारम्भ हो जाएगा इसीलिए मकरसंक्रांति का त्योहार 15 जनवरी को मानना सर्वश्रेष्ठ होगा मकर संक्रांति को साल के पहले बड़े पर्व के रूप में देखा जाता है। इस दिन सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं और इसी के साथ उत्तरायण की शुरूआत मानी जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य का उत्तरायण होना शुभ संकेत माना जाता है। यही वजह है कि मकर संक्रांति का विशेष महत्व है। आमतौर पर इस पर्व के साथ न सिर्फ पर्व-त्योहारों की रौनक बढ़ जाती है, बल्कि विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन और अन्य शुभ एवं मांगलिक कार्यों की शुरूआत भी इसी दिन से मानी जाती है। लेकिन साल 2026 में मकर संक्रांति कुछ वजहों से सामान्य नहीं रहने वाली है और परंपराओं में बदलाव देखने को मिलेगा। मकर संक्रांति का धार्मिक महत्वः मकर संक्रांति का धार्मिक महत्व अत्यंत गहन है। यह पर्व उत्तरायण की शुरूआत का प्रतीक है, जब सूर्य देव दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर अग्रसर होते हैं। उत्तरायण को आध्यात्मिक उन्नति का काल माना गया है। इस समय किए गए जप, तप, दान और पूजा का फल शीघ्र प्राप्त होता है शास्त्रों में उल्लेख है कि मकर संक्रांति के दिन किसी वेदपाठी ब्राह्मण को पञ्चाङ्ग व गर्म वस्त्र अवश्य दान करना चाहिए तथा गंगा, यमुना, सरस्वती अथवा किसी भी पवित्र जल स्त्रोत में स्नान करने से मनुष्य के समस्त पापों का क्षय होता है।

बीएफसीएल का 'हरित भविष्य' रोडमैप में 2000 पौधरोपण का संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

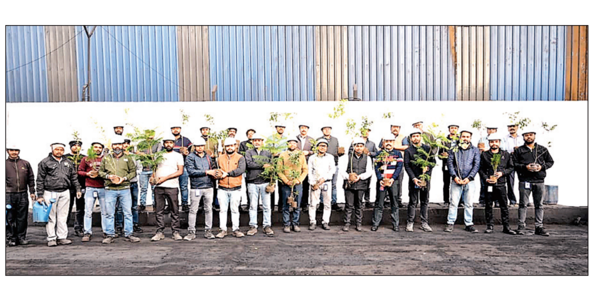

रामगढ़ : बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड ने औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन को सशक्त करते हुए अपने 'हरित भविष्य' रोडमैप की घोषणा की है। वर्ष 2025 में प्राप्त उल्लेखनीय उपलब्धियों के आधार पर कंपनी ने 2026 के लिए एक सुव्यवस्थित और महत्वाकांक्षी कार्ययोजना प्रस्तुत की है, जिसका उद्देश्य प्रदूषण नियंत्रण, संसाधन संरक्षण और पारिस्थितिक पुनर्जीवन को बढ़ावा देना है।

2025 की प्रमुख पर्यावरणीय उपलब्धियां

- हरित क्षेत्र का विस्तारः बीएफसीएल ने 3.50 हेक्टेयर क्षेत्र में हरित पट्टी विकसित करते हुए 839 देशी एवं तेजी से बढ़ने वाले पौधों का रोपण किया। इस पहल से क्षेत्र की जैव-विविधता को मजबूती मिली है और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को नया जीवन मिला है।

- उन्नत वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्थाः धूल और उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए संयंत्र में 14 धूल संग्राहक, 5 अत्याधुनिक एंटी-स्मॉग गन तथा 67 जल छिड़काव यंत्र लगाए गए हैं। सभी भट्ठियों को उच्च क्षमता वाले इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर्स और अनेक बैग फिल्टर से सुसज्जित किया गया है, जिससे उत्सर्जन स्तर निर्धारित मानकों के भीतर बनाए रखा जा सके। रीयल-टाइम वायु गुणवत्ता निगरानी और पारदर्शिताः सार्वजनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से BFCL ने चार प्रमुख स्थानों–बीएफसीएल तालाब, डीसी कार्यालय, कैंटोनमेंट अस्पताल और नईसराय चौक–पर निरंतर परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली स्थापित किए हैं। इनसे प्राप्त आंकड़े आम नागरिकों के लिए ऑनलाइन उपलब्ध हैं। संसाधन संरक्षण की ठोस पहलः रसोई कचरे के वैज्ञानिक निपटान हेतु एक आधुनिक खाद बनाने की मशीन स्थापित की गई है। इसके साथ ही 54,600 क्यूबिक मीटर क्षमता वाले विशाल वर्षा जल संचयन तालाब के निर्माण से जल संरक्षण को सशक्त आधार मिला है।

2026 का विजनः "2000 पौधों का संकल्प"

पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए बीएफसीएल ने वर्ष 2026 में 1,200 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए प्रति माह 100 पौधों के रोपण की एक सुनियोजित कार्ययोजना बनाई गई है। यह पहल क्षेत्र के माइक्रो-क्लाइमेट, वायु गुणवत्ता और दीर्घकालिक पर्यावरणीय संतुलन को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होगी। इस अवसर पर रविवार को भी पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे संयंत्र परिसर में 100 से अधिक पौधे लगाए गए। बीएफसीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "हम मानते हैं कि औद्योगिक प्रगति और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं। 'हरित भविष्य' रोडमैप के माध्यम से हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और टिकाऊ पर्यावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बीएफसीएल के बारे में बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड एक अग्रणी औद्योगिक इकाई है, जो सतत विकास के सिद्धांतों पर आधारित कार्यप्रणाली में विश्वास रखती है। कंपनी पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक उत्तरदायित्व और तकनीकी नवाचार के समन्वय से दीर्घकालिक एवं जिम्मेदार विकास की दिशा में कार्यरत है।

संक्षिप्त खबरें

मकर संक्रांति के अवसर पर श्री साराण्या फाउंडेशन ने ग्रामीण महिलाओं के बीच किया साड़ी का वितरण

पटमदा : पटमदा पंचायत के रांगाटांड़ गांव में श्री साराण्या फाउंडेशन जमशेदपुर की और से ग्रामीण क्षेत्र के महत्वपूर्ण त्यौहार टुसू पर्व को देखते हुए ढाई सौ जरूरतमंद महिलाओं के बीच साड़ी का वितरण किया गया। जानकारी देते हुए संस्था के धवल सेठ ने बताया कि मकर पर्व ग्रामीण क्षेत्र के लिए काफी महत्वपूर्ण त्यौहार हैं। इसमें माता बहनों के बीच एक छोटा सा उपहार देने का प्रयास संस्था ने किया गया।पर्व से पहले सभी महिलाएं साड़ी पाकर काफी खुश हुई। सभी ग्रामीणों ने संस्था की इस पहल की सराहना की। इस दौरान संस्था के धवल सेठ, बी सूर्या राव, समाजसेवी पूर्ण सिंह,मुखिया परमेश्वर सिंह,ग्राम प्रधान सुनील महतो,तापस महतो,मिथिलेश तिवारी,गणेश महतो सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

सड़क हादसे में दंपत्ति की मौत, आश्रितों के मुआवजे की मांग को लेकर थाना पहुंचे परिजन

जमशेदपुर : जमशेदपुर के सीतारामडेरा थाना अंतर्गत बस स्टैंड के समीप बीती शाम को मानगो डिमना रोड विश्वकर्मा कॉलोनी निवासी लाल कुमार विश्वकर्मा एवं उनकी पत्नी नीलम शर्मा की सड़क दुर्घटना एक चेचीस से हुई थी, घटना स्थल पर लाल कुमार विश्वकर्मा की मौत हो गई थी, और अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी पत्नी नीलम शर्मा की भी मौत हो गई, दंपत्ति ने अपने पीछे दो नाबालिक को छोड़ कर गये हैं, और उनका आगे का जीवन पड़ा हुआ है, मृतक के आश्रितों को उचित मुआब्जा दिये जाने की मांग को लेकर उनके परिजन, जमशेदपुर विश्वकर्मा समाज के लोग एवं भाजपा के नेतागन सीतारामडेरा थाना पहुंचे। परिजनों एवं भाजपा नेताओं की माने तो मृतक के आश्रितों को उचित मुआब्जा मिलना चाहिये ताकि उनके आश्रितों को उचित शिक्षा दीक्षा मिल सके साथ ही उनका जीवन सरलता से चल सके।

झामुमो ने दिशोम गुरु शिबु सोरेन की मनाई 82वां जयंती

सरिया : सरिया में रविवार को दिशोम गुरु शिबू सोरेन की 82 में जयंती झामुमो कार्यकताओं ने पार्टी कार्यालय में उत्साह के साथ मनाया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि पार्टी के विधानसभा नेता त्रिभुवन मंडल उपस्थित थे। कार्यक्रम के पूर्व लोगों ने दीप प्रज्ज्वलित किया। वहीं दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि त्रिभुवन मंडल ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रणेता तथा झारखंड निर्माण मैं अग्रिम भूमिका निभाने वाले शिबू सोरेन की वाराणसी जयंती पूरे झारखंड राज्य में मनाई जा रही है। उनके निधन के पश्चात शिबू सोरेन की पहली जयंती कार्यक्रम है। इन्होंने झारखंड निर्माण में कई आंदोलन किए। झारखंड अलग राज्य गठन के बाद इसे सवारने का काम भी इन्होंने किया। इतिहास के पन्नों में उनकी कृति स्वर्णाक्षरों में लिखी जानी चाहिए। वहीं अन्य लोगों ने भी अपने-अपने वक्तव्य दिए तथा शिबू सोरेन के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष अशोक मंडल तथा संचालन पूर्व अध्यक्ष कृष्ण मुरारी पांडेय ने किया। मौके पर अलीमुद्दीन अंसारी,सोनाराम मुर्मू, पंकज कुमार यादव,मनी मंडल, किशुन राणा,मुकेश साव मुरली मंडल, जगन्नाथ मंडल, ब्रह्मदेव पासवान, रफीक अंसारी,उपेंद्र मरांडी,कुदुस राय, बुधन सोरेन, विजय मंडल, काशी मंडल, रामजी मंडल, राजकुमार पासवान, मनोज यादव, निर्मल पंडित सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित होकर शिबू सोरेन की जयंती मनाए।

सुवर्ण वर्णिक समाज के शिविर में 438 यूनिट रक्त का किया संग्रह

जमशेदपुर : सुवर्ण वर्णिक समाज, जमशेदपुर के बाराद्वारी सामुदायिक भवन परिसर में रविवार को समाज के प्रदेश, जिला व समस्त शाखा कमेटी के तत्वाधान में व ब्लड बैंक जमशेदपुर के सौजन्य से स्वर्गीय रतन टाटा जी के स्मृति पर आयोजित 18वां मेघा रक्तदान शिविर में 438 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी व समाज के प्रदेश अध्यक्ष संजय पोद्दार के द्वारा श्री श्री मां बाघेश्वरी व रतन टाटा जी के तस्वीर पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर में आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी व जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरजू राय ने कहा कि रक्तदान महादान है। उन्होंने समाज को हर संभव मदद व सहयोग का आश्वासन दिया। शिविर में समाज के प्रदेश, जिला व शाखा समिति के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ चंद्र, प्रदेश अध्यक्ष संजय पोद्दार, प्रदेश महासचिव दीपक दत्ता, सुनारी थाना प्रभारी मधुसूदन दे, रवींद्रनाथ दे, जिला अध्यक्ष रवि माझी, मौसमी सिंह, संजय दत्त, सनोज चंद्र, समीर दत्त, डॉ केएल पाल, रुही दास, निर्मल चंद्र समेत जिला व शाखा के सभी पदाधिकारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लोक संग लालित्य का आलोक

डॉ मयंक मुरारी

भारतवर्ष की आत्मा उसकी धर्म और संस्कृति में बसती है। बिना इसके राष्ट्र-जीवन को कोई कल्पना नहीं है। राष्ट्र-जीवन का प्राण तीर्थ, पर्व, ऋतु राग, उत्सव में बसता है। तीर्थ देश का लघु रूप है तो पर्व काल का प्रवाह है। ऋतु राग है, तो उत्सव उस राग का रस है। सूर्य का आगमन भगवान् विष्णु का पहला चरण है, तो दोपहर दूसरा और सांध्य वेला तीसरा पग है। यहाँ नदियाँ माता का आशीष हैं तो पहाड़ पिता का पुण्य है। हमारे पूर्वजों ने देश की दुर्गम और अलंघ्य पर्वत-श्रृंखलाओं में तीर्थयात्राओं के लिए कई स्थलों को जाग्रत एवं तपस्थल का रूप दिया। भगवान् राम राज्याभिषेक के पूर्व तीर्थाटन करते हैं तो पांडव भी तीर्थयात्रा करते हैं। पंडित विद्या निवास मिश्र जी कहते है कि जीवन में सनातन की खोज ही भारतीय का लक्ष्य रहा और सनातन के तत्त्वों को तीर्थ, पर्व, उत्सव, और यात्राओं ने प्रगाढ़ किया है। लोक और लोक के स्वर में वे कहते हैं -अधिकतर लोग, जो यह समझते हैं कि भारतीय चिंतनधारा इहलोक की उपेक्षा करती है, केवल परलोक की बात करती है, वह बिलकुल गलत है। वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। प्रत्येक कर्मकांड में लोक दो दृष्टियों से महत्त्वपूर्ण है। एक तो लोक में जो वस्तुएँ सुंदर हैं, मांगलिक हैं उनका उपयोग होता है। सात नदियों का जल या सात कुओं का जल, सात स्थानों की मिट्टी, सात ओषधियाँ, पाँच पेड़ों के पल्लव, धरती पर उगनेवाले कुश, गाँव के कुम्हार के बनाए दीये और बरतन, गाँव के बढ़ई के गढ़े पीठासन, गाँव के शिल्पी के द्वारा तैयार की हुई वस्तुएँ, ऋतु के फल फूल ये सब उपयोग में लाए जाते हैं। बिना उनके कोई अनुष्ठान नहीं पूरा होता है। भारत में आज ललित निबन्ध की जो विधा हिन्दी में सुपरिचित और लोकप्रिय है उसकी पहचान हजारी प्रसाद द्विवेदी, विद्या निवास मिश्र, कुबेरनाथ राय आदि की दी हुई है। हांलांकि बालकृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण जैसे साहित्यकार से ललित निबंध की यात्रा शुरू हुई।संस्कृत के ललित निबन्धकारों ऋषीकेश भट्टाचार्य और भट्टमथुरानाथ शास्त्री आदि के निबन्ध संस्कृत पत्रिकाओं बीसवीं सदी के प्रथम चरण में छप चुके थे। किन्तु लालित्य और शैली की प्रभाविता के साथ-साथ परिमाण की विपुलता को भी यदि कसौटी माना जाए तो विद्यानिवास मिश्र जी इस पंक्ति में निर्विवाद रूप से अग्रणी ठहरते हैं। उनके ललित निबन्धों के संग्रहों की संख्या 25-30से भी अधिक हो गई है। किसी विषय विशेष को लेकर उनके ललित शैली में लिखे निबन्ध अलग हैं, जैसे जयदेव के गीतिकाव्य गीत गोविन्द को आधार बनाकर लिखा गया। विद्यानिवास जी के ललित निबंधों में भी भाव तरंगों के थपेडों के साथ कभी संस्कृत कवियों की सूक्तियों की फुहारें आ जाती हैं, कभी पौराणिक और सांस्कृतिक परम्पराओं के साथ लोकमानस की एकात्मता की बयार। उनकी बहुश्रुतता कभी-कभी भावात्मक या व्यक्तिव्यंजक निबन्ध में भी किसी उत्कृष्ट विचार विशेष को या अनछुए तथ्य को स्थापित करती दिखलाई देती है। इसलिए भावात्मक निबंध में कभी-कभी वैचारिक निबंध की-सी छटा आ जाती है। दूसरी ओर उनके वैचारिक निबंधों में कहीं-कहीं ललित निबंध की शैली आद्योपांत चलती हुई लगती है। उनके निबंधों में इन दोनों परिभाषाओं का संवाद या संसृष्टि निरन्तर पाई जाती है। फागुन दुइ रे दिना शीर्षक निबन्ध संकलन में वे बसन्त ऋतु के पर्वों पर लिखते हुए जब शिवरात्रि के बारे में सोचते हैं, तो कहते हैं। शिव हमारी गाथाओं में बडे यायावर हैं। बस जब मन में आया, बैल पर बोझा लादा, पार्वती के संग निकल पडे, बौराह वेष में। लोग ऐसे शिव को पहचान नहीं पाते। ऐसे यायावर विरूपिए को कौन शिव मानेगा? वह भी कभी-कभी हाथ में खप्पर लिए। ऐसा भिखमंगा क्या शिव है? साथ ही कह उठते हैं, हाँ, यह जो भीख माँग रहा है, वह अहंकार की भीख है। लाओ, अपना अहंकार इसमें डाल दो। उसे सब जगह भीख नहीं मिलती। कभी-कभी वह बहुत ऐश्वर्य देता है और पार्वती बिगड़ती है क्या अपात्र को आप देते हैं।

सूडोकु नवताल- 7672

★☆☆☆☆ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7671 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

सोमनाथ : भारत के अमिट स्वाभिमान का गौरवशाली प्रतीक

विनय राठौर हिन्दुस्तानी

सोमनाथ, यह केवल एक तीर्थस्थल नहीं है, यह भारत की गौरवशाली धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का अद्वितीय प्रतीक है। यह वह भूमि है, जहां भारत का स्वाभिमान मंदिर के शिखर पर लहराती पताका में प्रतिबिंबित होता है। यह वह स्थान है, जहां कण-कण में भारतीयों की आस्था और जीवटता की महक महसूस होती है। यह वह देवालय है, जो विध्वंस और पुनर्निर्माण की श्रृंखलाबद्ध घटनाओं की गवाही देता है। यह वह शहर है, जो बताता है कि कैसे शांत, अहिंसक और धमार्नुरागी जनता की समृद्धि और वैभव मतांध लुटेरों की बर्बर मानसिकता का शिकार बनीं। साथ ही, सोमनाथ यह भी बताता है कि सृजन और निर्माण की प्रकृति के आगे विध्वंस सचमुच बहुत बौना है। सोमनाथ के गौरव को पुनर्प्रतिष्ठित करने के लिए देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री सरदार पटेल और स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रसिद्ध साहित्यकार कन्हैयालाल मुंशी ने उल्लेखनीय योगदान दिया। सरदार पटेल ने गुलामी से मुक्ति के बाद स्वतंत्र भारत के स्वाभिमान और जन आस्था को मजबूत करने के लिए सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का भगीरथ कार्य किया। बाद में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकास भी, विरासत भी मंत्र के साथ सोमनाथ तीर्थस्थल को पूरी भव्यता के साथ विकसित करने का बीड़ा उठाया।

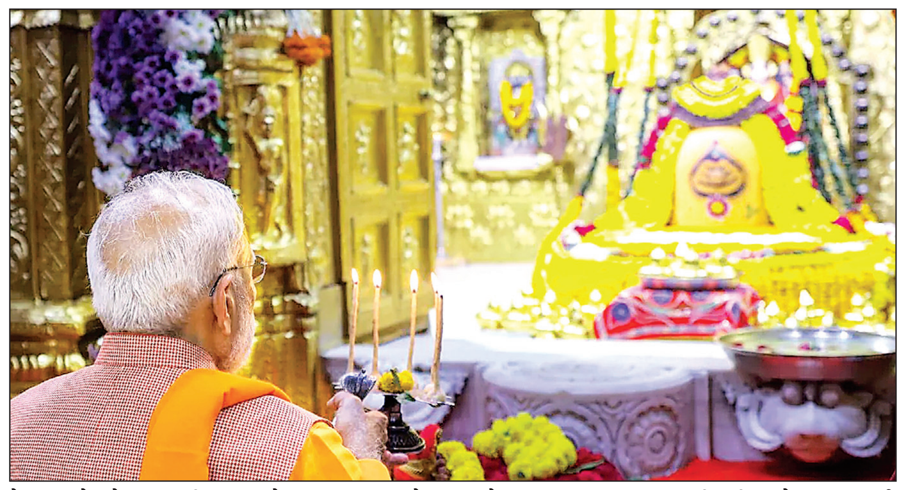

भारत के पश्चिमी छोर पर स्थित गुजरात के तटीय शहर सोमनाथ का वैभवशाली अतीत इतिहास में सुनहरे अक्षरों में अंकित है।

सनातन धर्म में वर्णित 12 ज्योतिलिंगों में से प्रथम ज्योतिर्लिंग के रूप में सोमनाथ दुनिया भर में फैले करोड़ों हिन्दुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार स्वयं चंद्रदेव ने सोमनाथ मंदिर की स्थापना की थी। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की महिमा ऋग्वेद, महाभारत, श्रीमद्भावत और स्कन्द पुराण में भी वर्णित है।

वह साल था 1026, जब एक विदेशी आक्रांता महमूद गजनवी ने पहली बार सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण किया। आज साल 2026 में उस घटना को एक हजार वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। सोमनाथ मंदिर का हजार वर्षों का इतिहास विध्वंस, लूट और रक्तपात की अनेक घटनाओं के साथ-साथ स्वाभिमान और गौरव से भरे सृजन और पुनर्निर्माण की गौरवशाली गाथा कहता है। यह समझना जरूरी है कि सोमनाथ मंदिर पर महमूद गजनवी के आक्रमण का मकसद केवल बेशुमार धन-दौलत को लूटना नहीं था। गजनवी का उद्देश्य भारत के एक महान धार्मिक और सभ्यागत प्रतीक को नष्ट करना था। यही वजह है कि उसने मंदिर को ध्वस्त करने और पवित्र ज्योतिर्लिंग को खंडित करने के साथ-साथ पूरे नगर को तबाह कर दिया था। यह प्रयास था लोगों को भयभीत करने का, यह इरादा था लोगों की आस्था को डांवाडोल करने का, यह कट्टरता से भरा ऐसा कृत्य था, जो दूसरों की आस्था को नीचा दिखाकर स्वयं के श्रेष्ठ होने का दंभ भरता था। मंदिर को लूटना तो बस बहाना भर था, असल मकसद था काफिरों (हिन्दुओं) और उनके प्रतीकों को नष्ट करना। काफिरों की हत्या करने और सोमनाथ मंदिर एवं मूर्तियों को ध्वस्त करने के लिए गजनवी को गाजी और मूर्तिभंजक जैसी उपाधियां दी गईं।

लेकिन, गजनवी शायद भारत को जानता ही नहीं था। वह भारतीयों की आस्था, स्वाभिमान, जीवटता, मिजाज और गर्वित प्रकृति से अनजान था। उसने मंदिर को तोड़ कर सनातन को अपमानित करने की कोशिश की, तो हम भारतीयों ने उसी स्थान पर फिर से नया मंदिर खड़ा कर दिया। यह हमें जीवन का एक मूल्यवान सबक सिखाता है कि कैसे गिरकर दोबारा खड़ा हुआ जाए, कैसे सबकुछ गंवाने के बाद बजाय हिम्मत हारने के फिर से सृजन किया जाए। यह सिलसिला केवल गजनवी तक ही सीमित नहीं रहा। उसके बाद और भी कई आक्रांता आए। उन सभी ने सोमनाथ तीर्थ का विध्वंस कर भारतीयता को चोट पहुंचाने की कोशिश की। भारत की आत्मा पर घाव देने का प्रयास किया। भारत के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने का अधम कृत्य किया। इन सभी के मंसूबे हमारे गौरवशाली प्रतीकों को नष्ट करना था, ताकि हम भारतीय स्वयं को लाचार और अपमानित महसूस कर सकें।

लेकिन, यह भारत भूमि है। यहां समय-समय पर ऐसी विभूतियों ने जन्म लिया है, जिन्होंने भारत माता के गौरव को शिखर पर प्रस्थापित करने का कार्य किया है।

गुजरात के लिए यह गर्व की बात है कि उसके दो-दो सपूतों ने मातृभूमि के गौरव और सनातन के पुनर्जागरण के भगीरथ कार्य में सर्वोच्च योगदान दिया है। लौह पुरुष सरदार पटेल ने जहां सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का ऐतिहासिक कार्य कर अपने मजबूत मनोबल और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया, तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राम मंदिर के निर्माण और सोमनाथ के आधुनिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया। भारत के आत्म गौरव और स्वाभिमान के प्रतीकों को नष्ट करने की कट्टवादी सोच के जवाब में सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण कराया। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने इस मंदिर को और भी भव्यता प्रदान करने के साथ इसके दायरे को पूजा-अर्चना से बढ़ाकर सामाजिक दायित्व, रोजगार, पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास से जोड़ दिया। सोमनाथ का मंदिर हो या अयोध्या का श्री राम मंदिर, दोनों यह संदेश देते हैं कि सत्य को दबाया नहीं जा सकता, विश्वास का विध्वंस नहीं हो सकता, आस्था कभी मर नहीं सकती और सांस्कृतिक चेतना एवं राष्ट्रीय स्वाभिमान खंडित तो हो सकता है, लेकिन खत्म कभी नहीं हो सकता। यह भारत का अपना विचार है। यह हम भारतीयों की सोच है। वास्तव में सोमनाथ जैसे प्रतीकों को केवल मंदिर कहना पर्याप्त नहीं होगा। ये भारत की आध्यात्मिक शक्ति के शक्तिशाली केंद्र हैं। ये हमारी आत्मा से जुड़े हुए वे प्रतीक हैं, जिनसे हमारी पहचान है। हम अपने जीवन को बेहतर बनाने, अपने ज्ञान को समृद्ध करने, जीवन की ऊर्जा प्राप्त करने, नैतिकता की शिक्षा ग्रहण करने, धन-धान्य से लेकर उत्तम मानव जीवन का आशीष पाने के लिए इन्हीं प्रतीकों की शरण में जाते हैं, और प्रार्थना करते हैं। भारत के इसी सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय स्वाभिमान को पुनर्स्थापित करने के लिए सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की पहल की। सरदार पटेल के नेतृत्व में पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर 1951 में अपनी पूरी भव्यता के साथ आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। आज यह मंदिर भारत के अडिग स्वाभिमान के साथ ही सरदार पटेल के दृढ़ संकल्प का प्रतीक बनकर करोड़ों लोगों को प्रेरणा दे रहा है। मंदिर के उद्घाटन समारोह में देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मौजूद रहे। आज सोमनाथ मंदिर शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतरीन यात्री सुविधाओं के साथ अपनी अलौकिक छटा बिखेर रहा है। बीते वर्षों में हुए विकास कार्यों ने मंदिर परिसर का कायापलट कर दिया है। इस बदलाव का श्रेय जाता है प्रधानमंत्री मोदी को, जो श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं। मोदी ने भारत के ह्यअमृत कालह्न के लिए जो पंच प्रण दिए, उनमें से एक अपनी ह्यविरासत पर गर्वह्न करना भी है। उन्होंने सोमनाथ तीर्थस्थल में श्रद्धालुओं के लिए सर्वोत्तम सुविधाएं और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने का विजन दिया। आज सोमनाथ भारत के सबसे बेहतरीन सुविधा वाले तीर्थ स्थलों में से एक के रूप में उभरा है। यह विकास और विरासत का अद्वितीय दृष्टांत बन गया है। जब आस्था के साथ-साथ सुविधाएं और सहूलियतें भी जुड़ जाएं, तो यह भक्तों के लिए सबसे बड़ा उपहार बन जाता है। सोमनाथ के अलौकिक दर्शन और आधुनिक विकास का अनुभव करने के लिए साल 2020 में लगभग 98 लाख श्रद्धालु यहां पहुंचे, बाद में साल 2024 तक हर वर्ष यह संख्या 92 से 97 लाख तक बनी रही। परिवहन और कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए 828 करोड़ रुपए की लागत से जेतपुर-सोमनाथ हाईवे बनाया गया। अहमदाबाद से सोमनाथ के लिए साबरमती-वेरावल वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन शुरू की गई और पुराने केशोद एयरपोर्ट का नवीनीकरण उसे फिर से शुरू कर दिया गया है।

केन्द्र से टकराने की सतही राजनीति

हृदयनारायण दीक्षित

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संवैधानिक संकट पैदा कर दिया है। वे केन्द्रीय जांच एजेंसियों से भिड़ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यहां तृणमूल कांग्रेस के रणनीतिकार के आवास व कार्यालय पर छापा मारा। बताया गया कि एक घोटाले की जांच के लिए यह कार्यवाही की गई है, लेकिन जांच व कार्यवाही के समय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मौके पर पहुंच गईं। वे अपने साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भी ले गईं। दोनों पक्षों के बीच तीखी बातचीत हुई। आरोप-प्रत्यारोप लगे। प्रवर्तन निदेशालय ने बताया कि यह छापा कोयला तस्करी से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े हुए हैं। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने छापे मारने की आड़ में उनके चुनावी रणनीति सम्बन्धी रिकार्ड को जब्त किया। प्रत्याशियों की सूची भी छीन ली गई है। इस आलेख के लिखे जाने तक तृणमूल कांग्रेस के लगभग दो दर्जन सांसद राजधानी दिल्ली में गृह मंत्रालय के बाहर धरना दे रहे हैं। केन्द्रीय जांच एजेंसी के सामने राज्य पुलिस को खड़ा कर देना गंभीर संवैधानिक संकट पैदा कर सकता है। सबसे खास बात है कि मुख्यमंत्री होने के बावजूद ममता ने घोषणा की कि प्रवर्तन निदेशालय के छापे के जवाब में पश्चिम बंगाल में भाजपा के कार्यालयों पर छापेमारी की जाए तो क्या होगा। वे संविधान की परवाह नहीं करतीं। केन्द्र से टकराव लेना और स्वयं को केन्द्र द्वारा पीड़ित बताना ममता की राजनीति का हिस्सा है। पश्चिम बंगाल में जब तब केन्द्र और राज्य के बीच टकराव की घटनाएं होती ही रहती हैं। जनता ऐसी घटनाओं व ममता से ऊब गई है। तृणमूल कांग्रेस की स्थिति कमजोर हो रही है। उम्र और परिस्थितियां ममता बनर्जी की सरकार बनाने में सक्षम नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुत पहले ही बंगाल विधानसभा चुनाव को जीतने की महत्वाकांक्षा प्रकट कर दी थी। इसी क्रम में गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल का तीन दिवसीय दौरा किया था। उन्होंने तृणमूल के कुशासन की ओर जनता का ध्यान खींचा और राजग की शक्ति का गुरु मंत्र भाजपा के नेताओं को दिया। शाह ने कहा कि भय, भ्रष्टाचार, कुशासन और विदेशी घुसपैठ की राजनीति के स्थान पर विकास, विरासत और गरीब कल्याण की मजबूत सरकार बनाने का संकल्प बंगाल की जनता में दिखाई पड़ रहा है। ममता बनर्जी साल 2021 का विधानसभा चुनाव जीती भी थीं। भाजपा भी पूरे आत्मविश्वास के साथ चुनाव लड़ी और नेता विरोधी दल का पद हथियाने में सफल रही। साल 2021 की तुलना में राजनीतिक माहौल बदल चुका है। राजग का विस्तार हो रहा है। विदेशी घुसपैठ को लेकर ममता विपक्ष के आरोपों के घेरे में हैं। पड़ोसी बांग्लादेश में हिन्दुओं के विरुद्ध हुई हिंसा से विश्व आहत है। पश्चिम बंगाल के हिन्दू मतदाता भी बांग्लादेश की घटनाओं से आक्रोश में हैं।

पिछले विधानसभा के चुनाव में ममता पर अल्पसंख्यकवादी होने के आरोप लगे थे। अब वे स्वयं को हिन्दू सिद्ध करने के लिए प्रयासरत हैं। पिछले चुनाव में उन्होंने मंच से ही चंडी पाठ किया था। इस बार की चुनौती बड़ी है। 2021 की तुलना में राष्ट्रवाद का विचार काफी सशक्त हो गया है। ममता द्वारा चुनाव के पहले दुर्गा आंगन और सिलीगुड़ी में महाकाल मंदिर निर्माण की घोषणा के संकेत भी दिए गए हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेता और विधायक हुमायूं कबीर ने बाबरी मस्जिद की नींव रखी। यहां प्रत्येक शुक्रवार को भारी संख्या में लोग आते हैं। एकत्रीकरण बढ़ता जा रहा है। यद्यपि ममता बनर्जी के विधायक हुमायूं कबीर को पार्टी से निलंबित कर दिया गया है, तो भी स्थानीय नागरिक काफी डरे सहमे हुए हैं। बाबर भारतीय मुसलमान नहीं था। वह विदेशी हमलावर था। उसी की सहायता और मार्गदर्शन में बाबर के सिपहसालार सैयद मीर बाकी ने 1528 में अयोध्या का श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ध्वस्त कर दिया था। दीर्घकाल तक चले आंदोलन से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण हुआ। दिव्य और भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर बन चुका है। लाखों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। अयोध्या में की गई खुदाई की पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग की रिपोर्ट में 3500 साल ईसापूर्व का वर्णन है। रिपोर्ट के अनुसार ईसापूर्व 3500 वर्ष से 1000 ईसापूर्व तक अयोध्या एक बस्ती है। एएसआई के अनुसार यहां एक दिव्य और भव्य मंदिर पहले से था। रिपोर्ट में 500 ईस्वी तक मंदिर के अस्तित्व के साक्ष्य हैं। मंदिर गिराकर मस्जिद बनाने के पाप को सुधारा जा चुका है। क्या देश बाबर को भूल सकता है? श्रीराम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन और इसी विचार परिवार के अन्य संगठन भारतीय जनमानस का दिल जीतने में कामयाब हुए हैं। अब स्वयं को हिन्दू बताना लज्जा का विषय नहीं है।

ममता बनर्जी बहुत पहले से अल्पसंख्यकवादी हैं। वे और इंडी गठबंधन के अधिकांश नेता स्वयं को हिन्दू सिद्ध करने में जुटे हुए हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति के संकेत सुस्पष्ट हैं। ममता पश्चिम बंगाल में बहुत कमजोर स्थिति में हैं। अभी चुनाव के लिए कुछ महीने बचे हैं। पश्चिम बंगाल की उथल-पुथल को देश देख रहा है।

दरअसल, ममता बनर्जी को जनता के बीच तृणमूल कांग्रेस विरोधी भावनाएं सुस्पष्ट दिखाई दे रही हैं। ममता के मन में विधानसभा चुनाव को लेकर उत्साह है। वे हिन्दू ध्रुवीकरण की रणनीति पर अग्रसर हैं, लेकिन चुनाव में ध्रुवीकरण का लाभ उनको नहीं मिलेगा। ममता बनर्जी की राज्य सरकार के कार्यकाल में सत्ता संरक्षित लूट के मामले लगातार बढ़े हैं। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज व संदेशखाली के महिला उत्पीड़न के मामले सर्वविदित हैं। ममता के राज्य में अल्पसंख्यक तुष्टीकरण नया नहीं है। बेरोजगारी बढ़ी है। लोग गांव छोडकर पलायन कर रहे हैं और विकास का कहीं कोई नाम नहीं है। विपक्षी भाजपा कार्यकताओं का उत्पीड़न जारी है। भारतीय संविधान में केन्द्र व राज्यों के बीच विषयों की एक सूची है। इस सूची के अनुसार पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आती है और सीबीआई ईडी केन्द्रीय प्राधिकार में होते हैं। दोनों को आमने-सामने खड़ा कर देना संविधान का उल्लंघन है। दोनों परस्पर पूरक हैं लेकिन ममता बनर्जी ने देश के संघीय ढांचे का ध्यान नहीं रखा। ऐसा कई बार हुआ है। वे विकल्प नहीं छोड़तीं और केन्द्रीय सत्ता को दोष दिया करती हैं। संविधान के अनुच्छेद 355 में वाह्य आक्रमण और आंतरिक अशांति से राज्य की संरक्षा करने का संघ का कर्तव्य है। ये भी है कि वाह्य आक्रमण और आंतरिक अशांति की सुरक्षा के साथ प्रत्येक राज्य की सरकार का इस संविधान के अपबंधों के अनुसार चलाया जाना सुनिश्चित करें। लेकिन ममता बनर्जी संविधान की मूल भावना का उल्लंघन कर रही हैं। उन्हें याद कराना पड़ेगा कि मुख्यमंत्री के सम्माननीय पद पर बैठने के समय संविधान पालन की शपथ ली जाती है। वे सम्माननीय मुख्यमंत्री हैं। उन्हें संविधान विरोधी कार्य नहीं करना चाहिए लेकिन उनका एक स्वभाव है। वे बहुधा गुस्से में आ जाती हैं। उन्होंने भाजपा को चुनौती दी है कि वह तृणमूल कांग्रेस को लोकतांत्रिक तरीके से हराकर दिखाएं। वे चुनौती की भाषा बोलती हैं।

संघर्ष, सत्ता और आदिवासी अस्मिता की ऐतिहासिक यात्रा के प्रवर्तक दिशोम गुरु

भीष्म सिंह

आदिवासी अधिकारों, जल-जंगल-जमीन और सामाजिक न्याय की बात जब भी होती है, तो दिशोम गुरु शिबू सोरेन का नाम स्वतः ही संघर्ष और स्वाभिमान के प्रतीक के रूप में सामने आता है। उनका जीवन केवल एक राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि हाशिए पर खड़े समाज को अधिकार और पहचान दिलाने की ऐतिहासिक लड़ाई की कहानी है। उनके अवतरण दिवस के अवसर पर उनके राजनीतिक और सामाजिक योगदान को न सिर्फ याद करना बाल के उसे आत्मसात करना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। शिबू सोरेन उन नेताओं में रहे हैं, जिन्होंने राजनीति को सत्ता के गलियारों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे गांव, जंगल और खेत तक पहुंचाया। आदिवासी समाज पर होने वाले शोषण, विस्थापन और अन्याय के खिलाफ उन्होंने जो संघर्ष शुरू किया, वही आगे चलकर झारखंड मुक्ति आंदोलन की नींव बना।

शिबू सोरेन का ज्ञआंदोलन से विधानसभा तक का सफर आंदोलन से निकला हुआ है।

वे 1977 में पहली बार तत्कालीन बिहार (अब झारखंड क्षेत्र) से विधानसभा सदस्य (विधायक) चुने गए। यह वह दौर था जब आदिवासी समाज की आवाज मुख्यधारा की राजनीति में लगभग अनुपस्थित थी। विधायक बनने के बाद उन्होंने विधानसभा में जमीन, खनन और आदिवासी अधिकारों के मुद्दे को मजबूती से उठाया।

शिबू सोरेन 1980 में पहली बार लोकसभा सांसद बने। इसके बाद वे 1989, 1991, 1996, 2004 और 2009 में भी संसद पहुंचे। संसद में उन्होंने हमेशा आदिवासी हित, वनाधिकार, विस्थापन, खनन नीति और क्षेत्रीय असंतुलन के मुद्दे को मुकरता से उठाया। उन्होंने बार-बार यह सवाल उठाया कि प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध क्षेत्र के लोग ही सबसे अधिक गरीब क्यों और कैसे हैं?

साल 2004 में यूपीए सरकार के गठन के बाद शिबू सोरेन केंद्रीय कोयला मंत्री बने। यह जिम्मेदारी झारखंड जैसे खनिज-समृद्ध राज्य के लिए बेहद अहम थी। मंत्री के रूप में उन्होंने खनन क्षेत्रों में स्थानीय हितों और अधिकारों की बात उठाई।

शिबू सोरेन वर्ष 2005, 2008/ 9 एवं 2010 में कुल मिलाकरतीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने। हालांकि राजनीतिक अस्थिरता के कारण उनके कार्यकाल लंबे नहीं रहे, लेकिन वे सदैव आदिवासी हितों को केंद्र में रखने की बात करते रहे। मुख्यमंत्री के रूप में उनकी पहचान एक संघर्षशील नेता की बनी रही।

झारखंड राज्य के निर्माण में शिबू सोरेन का सबसे बड़ा योगदान रहा। दशकों के आंदोलन, जनसभाओं, संघर्ष और बलिदानों के बाद 15 नवंबर 2000 को झारखंड राज्य अस्तित्व में आया। यह केवल एक नया राज्य नहीं था, बल्कि आदिवासी समाज के आत्मसम्मान की ऐतिहासिक जीत थी। उनका राजनीतिक जीवन विवादों और उतार-चढ़ाव से भी गुजरा, लेकिन आलोचनाओं के बावजूद आदिवासी अधिकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता कभी कमजोर नहीं पड़ी। उन्होंने यह साबित किया कि हाशिए के समाज की राजनीति करना आसान नहीं, लेकिन आवश्यक है।

एक व्यक्ति नहीं, एक विचार

शिबू सोरेन सिर्फ एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचार थे। लोग उन्हें केवल नेता नहीं, बल्कि दिशोम गुरु कहते हैं जो कि उन्होंने समाज का मार्गदर्शन करते हुए इसकी सार्थकता भी स्थापित की। उन्होंने आदिवासी समाज को यह विश्वास दिलाया कि उसकी पहचान, संस्कृति और अधिकार भी लोकतंत्र के केंद्र में हो सकते हैं। जन्मदिवस के अवसर पर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को हार्दिक शुभकामनाएँ। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए संघर्ष, स्वाभिमान और सामाजिक न्याय की प्रेरणा बना रहेगा।

दैनिक पंचांग

12 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

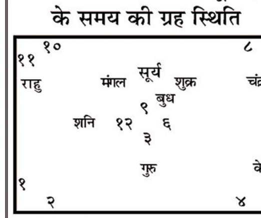

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	06.57 बजे से
चंद्र	तुला में	कुंभ	08.43 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	10.16 बजे से
बुध	धनु में	मेष	11.46 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	13.27 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	15.25 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	17.38 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	19.54 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	22.06 बजे से
		तुला	00.17 बजे से
		वृश्चिक	02.32 ब.से
		धनु	04.48 बजे से

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

सोमवार 2026 वर्ष का 12 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** माघ (दक्षिण भारत में पौष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 12.43 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** स्वाती 21.06 बजे को समाप्त। **योग** धृति 18.12 बजे को समाप्त। **करण** गर 12.43 बजे तदनन्तर वणिज 02.00 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 21° 41' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872587 **जूलियन दिन** 2461052.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रज्जब **तारीख** 22 **विशेष** स्वामी विवेकानंद जयंती, राष्ट्रीय युवा दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

रांची पुलिस का छापा दो गिरफ्तार

साहिबगंज/उधवा : रांची के पुंदाग ओपी अंतर्गत न्यू पुंदाग सेल सिटी रोड स्थित श्रेष्ठ ज्वेलर्स में 18 जुलाई 2025 की रात को ही करोड़ों की चोरी मामले में पिथोरिया थाना की पुलिस शनिवार को राधानगर थाना पहुंची। पिथोरिया थाना की पुलिस टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से थाना क्षेत्रों में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान बाग पिंजरा गांव से आसराउल शेख तथा तासु टोला से तसरुद्दीन शेख उर्फ तासु शेख के घर पर दबिश देकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। जानकारी के अनुसार रांची के पुंदाग ओपी अंतर्गत न्यू पुंदाग सेल सिटी रोड स्थित श्रेष्ठ ज्वेलर्स में 18 जुलाई 2025 की रात को करीब 7-8 अज्ञात अपराधियों ने ज्वेलर्स की दुकान का शटर काटकर उसमें प्रवेश किया और सोना चांदी के गहनों नगद राशि समेत बगल की कपड़े की दुकान से भी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सीसीटीवी कैमरा को तोड़ने और लॉकर को काटने का भी प्रयास किया गया था। परन्तु सफलता नहीं मिलने पर शोकेस से सामान लूटकर अपराधी फरार हो गया था। हालांकि घटना को अंजाम देने के बाद अपराधियों ने मौके पर गैस कटर, ऑक्सीजन सिलेंडर और औजार छोड़ गए थे। वही विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा था। वही तकनीकी जांच के दौरान पता चला था कि अपराधी साहेबगंज जिले के राधानगर थाना क्षेत्र के रहने वाले है। वही वहां की पुलिस टीम ने राधानगर थाना पुलिस के सहयोग से अलग अलग जगहों में छापेमारी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के बाद अपने साथ पिथोरिया थाना लेकर चली गई।

आर्म्स एक्ट में फरार चल रहे एक वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

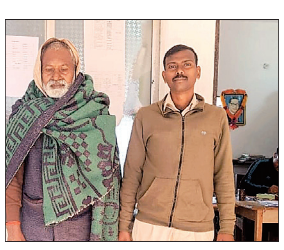

साहिबगंज : जिला के राधानगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र अंतर्गत चौकीढाब गांव में छापेमारी कर आर्म्स एक्ट के एक गैर जमानतीय वारंटी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी को शनिवार को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र अंतर्गत चौकीढाब निवासी रमेश ठाकुर के विरुद्ध जीआर 780/15 के तहत आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है। आरोपी लंबे समय से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। इस दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी अपने घर में छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही राधानगर थाना पुलिस ने टीम गठित कर उक्त स्थान पर छापेमारी की और आरोपी को धर दबोचा।

गांव में पंचों के बीच महिला के साथ मारपीट

डोमचांच : नवलशाही थाना क्षेत्र के कुंडीधनवार मे पंचायती के दौरान महिला के साथ मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। जिसे लेकर पीड़िता रूबी देवी पति जोगेंद्र सिंह, ग्राम कुंडीधनवार निवासी ने नवलशाही थाना मे आवेदन दी है। जिसमे आरोप लगाई है की गाँव मे हीं मुखिया और पंच जनप्रतिनिधि लोगों के बीच जमीनी विवाद को लेकर पंचायती हो ररी थी इसी बीच संतोष सिंह पिता स्व अमृत सिंह, श्याम सिंह पिता संतोष सिंह, चंद्रावती देवी पति संतोष सिंह, मुरारी सिंह पिता नथन सिंह व अन्य लोगों के द्वारा मारपीट कर माथाफोड़ दिया जिससे वे बेहोश होकर निचे गिर गई।

पाकुड़ में गोसाईपुर गांव से सोहराय पर्व का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी पाकुड़ एवं अंचलाधिकारी कुमार अरविन्द बेदिया सहित अन्य पदाधिकारी पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत गोसाईपुर गाँव पहुँचे। इस अवसर पर ग्रामीणों द्वारा सभी पदाधिकारियों का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भव्य स्वागत किया गया। इसके पश्चात सभी पदाधिकारियों ने दिशोम गुरु झारखंड के महानायक स्वर्गीय श्री शिबू सोरेन जी की जयंती के अवसर पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। जयंती के अवसर पर गरीब एवं असहाय लोगों के बीच कंबल का वितरण भी किया गया। गोसाईपुर गाँव में ग्रामीणों द्वारा घर-घर की दीवारों पर बनाई गई पारंपरिक सोहराय पेंटिंग का उपायुक्त ने निरीक्षण किया तथा उनकी कलात्मक अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक चेतना की सराहना की। इसी गाँव से इस वर्ष सोहराय पर्व का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि झारखंड के महानायक स्वर्गीय गुरु शिबू सोरेन जी की जयंती आज श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। उन्होंने कहा कि गुरुजी द्वारा बताए गए मार्ग, त्याग और बलिदान को स्मरण करते हुए सभी ने नमन किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि आज से सोहराय महोत्सव की शुरूआत हो गई है, जबकि कल 12 जनवरी से बाजार समिति परिसर में जिला स्तरीय सोहराय महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।सोहराय पर्व झारखंड के प्रत्येक गाँव में मनाया जाने वाला अत्यंत महत्वपूर्ण पारंपरिक पर्व है, जिसमें स्वच्छता, पशुधन और प्रकृति की पूजा की जाती है। इसी उद्देश्य के साथ आज इस पर्व की शुरूआत की गई है। उपायुक्त ने कहा कि इस वर्ष यह समझने का प्रयास किया जा रहा है कि गाँवों में सोहराय पर्व किस प्रकार उल्लास, आनंद और सामूहिक सहभागिता के साथ मनाया जाता है। ग्रामीण पारंपरिक परिधान, पारंपरिक खान-पान तथा देवी-देवताओं और प्रकृति की पूजा के माध्यम से अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखते हैं। इस अवसर पर स्वयं कार्यक्रम में शामिल होकर ग्रामीण जीवन और संस्कृति को नजदीक से देखने का अवसर मिला। उपायुक्त श्री मनीष कुमार ने गाँववासियों एवं विशेष रूप से अनुमंडल पदाधिकारी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने रीति-रिवाजों और परंपराओं को संरक्षित करते हुए एक नई मिसाल कायम की है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि जिला प्रशासन द्वारा 12 से 14 तारीख तक सोहराय महापर्व भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न स्थानों से कलाकारों की सहभागिता होगी तथा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष भी सोहराय महोत्सव अत्यंत सफल रहा था और इस वर्ष भी पारंपरिक पूजा-पाठ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाएगी।

पुलिस लाइन परिसर में नवनिर्मित चिल्ड्रन पार्क का उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने किया उद्घाटन

- बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं मनोरंजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी द्वारा पुलिस लाइन परिसर में नवनिर्मित चिल्ड्रन पार्क का विधिवत उद्घाटन किया गया। यह पार्क पुलिस कर्मियों के बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ एवं आनंददायक वातावरण प्रदान करेगा। उद्घाटन अवसर पर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास के लिए ऐसे रचनात्मक एवं मनोरंजनात्मक स्थलों का होना अत्यंत आवश्यक है। चिल्ड्रन पार्क बच्चों को खेल-कूद के साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर परियोजना निदेशक, आईटीडीए, अपर समाहर्ता, विशेष कार्य पदाधिकारी, डीएसपी अजय आर्यन एवं नगर परिषद के प्रशासक अमरेन्द्र कुमार चौधरी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे। उपस्थित पदाधिकारियों ने पार्क की सुविधाओं का अवलोकन किया तथा इसे बच्चों के लिए एक उपयोगी और सुरक्षित स्थान बताया।

सड़क सुरक्षा माह 2026 का शुभारंभ एलईडी वैन को दिखाई गई हरी झंडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अवसर पर साहिबगंज जिले में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत सड़क सुरक्षा जागरूकता एलईडी वैन को जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस एलईडी वैन के माध्यम से जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों, पंचायतों के हाटझबाजार, चौक-चौराहों, रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैंडों पर ऑडियो-विजुअल माध्यम से यातायात नियमों की जानकारी स्थानीय भाषा में प्रसारित की जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक सड़क सुरक्षा का संदेश प्रभावी रूप से पहुंच सके।जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि 01 से 31 जनवरी 2026 तक जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरी, खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना तथा नागरिकों को यातायात नियमों के पालन के प्रति प्रेरित करना है। जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह ने कहा कि यह अभियान लोगों को जीवन के प्रति अधिक जिम्मेदार बनने का संदेश देता है और सड़क सुरक्षा रथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार भ्रमण करेगा। इस अवसर पर एम.भी.आई कुमार उत्कर्ष, अभिषेक मुंडा, सड़क सुरक्षा योद्धा ओम प्रकाश पंडित , रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

मनरेगा के नाम बदलने के विरोध में कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निर्देशानुसार रामगढ़ कांग्रेस कमिटी ने गांधी चौक के समीप एक दिवसीय उपवास एवं प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता रामगढ़ जिला समन्वयक संजय साव ने की। कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने एक स्वर में कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण गरीबों के लिए रोजगार, सम्मान और आजीविका की गारंटी है। केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा का नाम बदलने का प्रयास गरीब विरोधी मानसिकता का परिचय है, जिसे कांग्रेस पार्टी किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेगी।

कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रत्याशी बजरंग महतो और कार्यकारी अध्यक्ष पंकज तिवारी ने कहा कि बीते दिनों कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा थाना चौक स्थित गांधी जी के प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किया गया था, और गांधी जी के विचारों को कुचलने का प्रयास किया गया था। लेकिन कांग्रेस पार्टी हमेशा देश के निर्माण में योगदान दिए हर महापुरुषों के सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं करती है। विधायक ममता देवी ने कहा कि बहुत जल्दी जिला प्रशासन या उनकी विधायक मद से महात्मा गांधी का आदमकद प्रतिमा का स्थापना किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से बजरंग महतो, पंकज तिवारी, सीपी संतन, अरुण कुमार सिन्हा, खोगेंद्र साव, राजेंद्र चौधरी, दिनेश मुंडा, संतोष सोनी, सागर महतो, एहसानुल्लाह अंसारी, आशिफ इकबाल, रूपेंद्र महतो, जाकिर अख्तर, राजू वर्मा, टिंकू खान, आजाद सिंह, गरीबा भुइया, मो अब्बास, लखेश्वर कुमार, प्रभात कुमार, कुलेश्वर बेदिया, कार्तिक राम, संतोष नायक, किशोर रजक, गुलाम सरवर, पिंटू अंसारी, मो तस्लीम, नसीम खान, पवन महतो, शमशुद खान, राजेश कुमार यादव ने भाग लिया।

दो दिवसीय कवि सम्मेलन का रंगारंग समापन कवियों को गंगा की धरती में मिला सम्मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : साहित्य की दुनिया राष्ट्रीय साहित्यिक मंच का दो दिवसीय राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का रंगारंग समापन रविवार को हुआ। दूसरे व अंतिम दिन तीन सत्रों में विभिन्न राज्यों के कवि और कवित्री ने श्रृंगार रस, वीर रस, हास्य रस सहित कई प्रस्तुति दिया। वही साहित्य की दुनिया राष्ट्रीय साहित्य मंच की ओर से विभिन्न प्रदेशों से आए कवि कवित्री व जिला के कवियों को मोमेंटो अंग वस्त्र सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। जिसमें जिला में बेहतर करने के लिए विशेष सम्मान जितेंद्र कुमार हजारी व डॉ सूयानंद प्रसाद को अंग वस्त्र मोमेंटो व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। वही ऑनलाइन प्रतियोगिता के विजेता हुए कवियों को बिहारी लाल सम्मान जिसमे बिंदु श्रीवास्तव सिमडेगा, गौरी तिवारी भागलपुर, शिल्पा पीहू साहिबगंज, ज्योति सिन्हा वैशाली, रंजना लता समस्तीपुर को किया गया। सुभद्रा कुमारी चौहान सम्मान से मोहिनी राजभर अयोध्या उत्तर प्रदेश, अभय कुमार व अमन कुमार होली साहिबगंज, मिताली श्रीवास्तव वर्मा भिलाई, पंडित रामचंद्र शुक्ल सम्मान से डॉ पूर्णिमा भागलपुर, आशा झा सखी भोपाल, नंद किशोर साहू दरभंगा, साहित्य श्री सम्मान से अभय पाण्डेय वशिष्ठ नागपुर, विनीता धाकड़ रायसेन मध्य प्रदेश, अनिरुद्ध प्रभाष, विजय भारती, सुनीता झा बेगूसराय, नवीन चंद्र ठाकुर दुमका, संगीता गुप्ता पटना बिहार, आस्था नीर, अयोध्या यूपी, प्रो सुबोध कुमार झा, अनंग मोहन मुखर्जी रांची, अंकुर कुमार साहिबगंज, कुमार धनंजय सुमन, बिहपुर, पूजा कुमारी जेएनवी साहिबगंज, खुशबू कुमारी, नृत्य में पोखरिया विद्यालय व अन्य को सम्मानित किया गया।

"मनरेगा बचाओ संग्राम" को लेकर कांग्रेस कमिटी ने सामूहिक उपवास व विरोध प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निर्देशानुसार साहेबगंज जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में "मनरेगा बचाओ संग्राम"अभियान के अंतर्गत साहेबगंज शहर के गांधी चौक स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष सामुहिक उपवास एवं विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अत्यंत श्रद्धापूर्ण वातावरण में हुई,जब जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने जिला कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके पश्चात गांधी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए साहेबगंज जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा सामूहिक उपवास कर केंद्र एवं राज्य सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों के खिलाफ शांतिपूर्ण परंतु सशक्त विरोध दर्ज कराया गया। यह आंदोलन केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना को कमजोर करने, मजदूरों की मजदूरी में देरी, कार्य दिवसों में कटौती तथा भुगतान में अनियमितता के विरोध में आयोजित किया गया। कांग्रेस पार्टी ने स्पष्ट किया कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं,बल्कि ग्रामीण गरीबों के रोजगार, सम्मान और आजीविका की गारंटी है। वही जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने संबोधित करते हुए कहा कि "महात्मा गांधी के सपनों का भारत तभी बनेगा, जब देश के अंतिम व्यक्ति तक रोजगार, सम्मान और अधिकार पहुँचेगा। मनरेगा को कमजोर करने का अर्थ है गरीबों की थाली से निवाला छीनना।कांग्रेस पार्टी इस अन्याय के खिलाफ चुप नहीं बैठेगी। जब तक मजदूरों को उनका हक नहीं मिलेगा, हमारा आंदोलन जारी रहेगा – सड़क से लेकर सदन तक।ह्व उन्होंने आगे कहा कि साहेबगंज जिला कांग्रेस कमिटी जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और किसी भी कीमत पर मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला एवं प्रखंड स्तर के कांग्रेस पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई, पंचायत प्रतिनिधि एवं सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।सभी ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि गरीब मजदूर और ग्रामीण जनता के अधिकारों की रक्षा हेतु संघर्ष लगातार जारी रहेगा। उपवास में अनुकूल मिश्रा, मुर्शाद अली, मो कलीमुद्दीन, बासुकीनाथ यादव, सरफराज आलम, सुनील पासवान, सतीश पासवान, मंगल पासवान, सहित सैकडों कांग्रेसजन मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

असहाय और लाचार लोगों के बीच मुखिया ने बांटे कंबल

पाकुड़ : जिले के हिरणपुर प्रखंड के कमालघाटी पंचायत के मुखिया सुनील टुडू ने रविवार को निसहाय गरीब लोगों के बीच सैकड़ों कंबल का वितरण किया। मौके पर मुखिया ने बताया कि प्रखंड कार्यालय से प्राप्त कंबलों को पंचायत क्षेत्र के चिन्हित लाभुकों के बीच पारदर्शी तरीके से वितरित किया गया है। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहता है कि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे। उसके लिए वह स्वयं पंचायत क्षेत्र का भ्रमण कर ऐसे लाचार और असहाय लोगों की पहचान कराती हैं जिन्हें ठंड के मौसम में सबसे अधिक सहायता की आवश्यकता होती है। वहीं समाजसेवी सिराजुल हक (सेंटु) ने कहा कड़ाके ठंड में अगर गरीब निसहाय लोगों को सिर ढकने के लिए मिल जाती है। बहुत ऐसे लोग है जिनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रहने से वे किस तरह ठंड में जिंदगी के गुजर बसर करते हैं वह उनके नजदीक रहने वाले ही बता सकते हैं। पंचायत सचिव निशार आलम ने बताया कि उनके पंचायत के सभी वार्डों में गरीब निसहाय लोगों के बीच कंबल का वितरण किया जा रहा है। लगभग 50 से अधिक कंबल का वितरण किया गया है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन का प्रतिमा का हुआ अनावरण, विधायक एवं पूर्व विधायक हुए शामिल

साहिबगंज : जिला के बोरियो में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के जन्मदिवस पर शिबू सोरेन जनजातीय डिग्री महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर दिशोम गुरु शिबू सोरेन का प्रतिमा का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में बोरियो विधायक धनंजय सोरेन, पूर्व विधायक लॉबिन हेंब्रम, झामुमो जिलाध्यक्ष अरुण सिंह, सांसद प्रतिनिधि संजीव श्यामू बास्की शामिल हुए। सर्वप्रथम अतिथियों का स्वागत फूल माला पहनाकर किया गया। वही विधायक धनंजय सोरेन एवं पूर्व विधायक लोबिन हेंब्रम ने संबोधित करते हुए कहा कि कॉलेज परिसर में दिशोम गुरु शिबू सोरेन का प्रतिमा का अनावरण होने पर कॉलेज के लिए गौरव की बात है। कॉलेज के सम्मान की बात है। वही अतिथियों ने प्रतिमा के अनावरण के पश्चात माल्यार्पण कर नमन किया। इस मौके पर प्राचार्य बीएन ठाकुर, प्रो. नजरुल इस्लाम, इंटर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. कुलेश ठाकुर, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष जेठा मरांडी, सचिव गफ्फार अंसारी, रिजवान अंसारी, शकील अहमद, फरहाद अंसारी, रवि साह, भोला साह, नीतू कुमारी, मनोहर अंसारी सहित अन्य कॉलेज के स्टाफ मौजूद थे।

तेज रफ्तार टोटो पलटने से एक व्यक्ति बुरी तरह घायल, रेफर

साहिबगंज : गंगा थाना क्षेत्र के अंतर्गत लाल बथानी दियारा के पास टोटो पलट जाने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं घायल की पहचान बिहार के रहने वाले पीरपैंती थाना क्षेत्र के बाखरपुर निवासी स्वर्गीय बलदेव मंडल के 30 वर्षीय पुत्र अशोक कुमार मंडल के रूप में हुई है। घायल को स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों के द्वारा इलाज किया गया। घायल के परिजनों के द्वारा बताया गया कि किसी काम को लेकर लाल बथानी आने के क्रम में लाल बथानी से कुछ दूर पहले टोटो पलट जाने से घायल हो गया। चिकित्सकों के द्वारा बताया गया कि कमर की हड्डी टूट चुकी है और बेहतर इलाज के लिए उक्त घायल को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

'नशामुक्त भारत' अभियान को मिली नई गति, व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

साहिबगंज : 'नशामुक्त भारत' के संकल्प को सशक्त बनाने की दिशा में साहेबगंज जिले में जन–जागरूकता गतिविधियों ने नई गति पकड़ ली है। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश–सह–अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के कुशल मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। डालसा के सचिव विश्वनाथ भगत ने जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की डॉन योजना–2025 के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में नशामुक्त भारत अभियान के तहत मंडल कारा, पंचायतों सहित विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहाँ सभी उपस्थित लोगों ने एकजुट होकर नशामुक्ति की शपथ ली।प्रतिभागियों ने यह संकल्प लिया कि वे न केवल अपने परिवार, मित्रों और समुदाय को, बल्कि पूरे समाज को नशामुक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे, क्योंकि परिवर्तन की शुरूआत स्वयं से होती है। इस अवसर पर सभी ने अपने जिले तथा राज्य झारखंड को नशामुक्त बनाने का दृढ़ निश्चय व्यक्त किया। शपथ के दौरान यह भी कहा गया– "मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि अपने देश को नशामुक्त बनाने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार हर संभव प्रयास करूँगा/करूँगी।" भगत ने बताया कि यह जागरूकता सप्ताह 12 जनवरी 2026 तक चलेगा, जिसके दौरान सामुदायिक सहभागिता को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। अभियान में लीगल एड डिफेंस काउंसिल, पारा लीगल वालंटियर्स (न्याय मित्र) एवं अन्य स्वयंसेवी कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नशे की प्रारंभिक रोकथाम, परामर्श (काउंसलिंग) तथा पुनर्वास के प्रति जन–जागरूकता फैलाना है, ताकि विशेष रूप से हाशिए पर खड़े युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।

बीते सप्ताह तेल-तिलहन के दाम तेजी के साथ बंद, जाड़े और मांग

सूरजमुखी, सोयाबीन डीगम और पाम तेल के आयात में कमी से अन्य तेलों के दाम प्रभावित हुए

नई दिल्ली ।

ठंड के मौसम और शादी-विवाह के सीजन में तेल-तिलहन की मांग बढ़ी। बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूत बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे। सोयाबीन और सरसों का दाम अंतर घटकर 8-10 रुपये प्रे ति किलो हो गया। सोयाबीन तेल सस्ता और मांग में बढ़त, जबकि महंगे सरसों तेलकी खपत कमजोर रही। सूरजमुखी, सोयाबीन डीगम और पाम तेल के आयात की घट-बढ़ से बाजार प्रभावित। पिछले साल आयात लागत से कम दाम पर हुआ, अब आयात कम होने से आपूर्ति सीमित। हल्के तेलों की मांग जाड़े में अधिक, बिनौला तेल के दाम सुधरे। सरसों के दाम एमएसपी से ऊपर, लेकिन खपत सीमित रही। बीते सप्ताह सरसों दाना 15 रुपये के सुधार के साथ 6,940-6,990 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,410-2,510 रुपये और 2,410-2,555 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 100-100 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 5,110-5,160 रुपये और 4,810-4,860 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 300 रुपये के सुधार के साथ 13,950 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 300 रुपये के सुधार के साथ 13,550 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 350 रुपये के सुधार के साथ 10,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह सुस्त कामकाज के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतों में स्थिरता का रुख दिखा। मूंगफली तिलहन 6,575-6,950 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 15,800 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,530-2,830 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 125 रुपये के सुधार के साथ 11,550 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 250 रुपये के सुधार के साथ 13,400 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 200 रुपये के सुधार के साथ 12,350 रुपये प्रति क्विंटल /

भारतीय आईटी दिग्गज एजेंटिक एआई में आगे

व्यावसायिक वृद्धि के लिए अपना रहे नए मॉडल

नई दिल्ली ।

भारतीय आईटी कंपनियां व्यावसायिक वृद्धि और नवाचार के लिए एजेंटिक एआई को अपनाने में सबसे आगे हैं। थॉटवर्क्स द्वारा किए गए हालिया सर्वेक्षण में सामने आया कि भारत में 48 प्रतिशत कंपनियां एजेंटिक एआई को अपनी प्राथमिकता मानती हैं। यह पश्चिमी देशों से काफी अलग है, जहां पारंपरिक दक्षता बढ़ाने पर ही ज़्यादा ध्यान दिया जा रहा है। अमेरिका में यह आंकड़ा 28 प्रतिशत और ऑस्ट्रेलिया में केवल 23 प्रतिशत है। एजेंटिक एआई ऐसे स्वायत्त सिस्टम होते हैं, जो स्वतंत्र रूप से काम कर सकते हैं, तर्क कर सकते हैं और बदलती परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल सकते हैं। भारतीय कंपनियों का यह रुझान दिखाता है

कि वे केवल एआई टूल्स का इस्तेमाल नहीं कर रहे, बल्कि एआई-आधारित कारोबारी मॉडल अपनाने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि भारत में 93 प्रतिशत प्रतिभागी मानते हैं कि सबसे प्रभावशाली एआई पहल वे हैं जो कर्मचारियों के कौशल और काम की गति बढ़ाती हैं।

वहीं 86 प्रतिशत प्रतिभागियों का मानना है कि एआई कर्मचारियों की जगह नहीं ले रहा, बल्कि उन्हें और सशक्त बना रहा है।

एसबीआई ने एटीएम ट्रांजेक्शन चार्ज बढ़ाए, सैलरी अकाउंट

दूसरे बैंक के एटीएम पर हर महीने 5 फ्री ट्रांजेक्शन की सुविधा पहले की तरह जारी

नई दिल्ली ।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपने एटीएम ट्रांजेक्शन चार्जेस में बदलाव किया है। यह संशोधन इंटरचेंज फीस बढ़ने के कारण किया गया है। नए नियमों का असर मुख्य रूप से उन ग्राहकों पर पड़ेगा जो एसबीआई खाते के बावजूद दूसरे बैंकों के एटीएम का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। पर्सनल सेगमेंट के साधारण सेविंग्स अकाउंट (बीएसबीडी, केसीसी और सैलरी पैकेज को छोड़कर) में दूसरे बैंक के एटीएम पर हर महीने 5 फ्री ट्रांजेक्शन (फाइनेंशियल और नॉन-फाइनेंशियल) की सुविधा पहले की तरह जारी रहेगी। हालांकि, फ्री लिमिट के बाद कैश विड्रॉल पर चार्ज बढ़ाकर 23 रुपये के साथ जीएसटी कर दिया गया है, जो पहले 21 रुपये के साथ जीएसटी था। वहीं बैलेंस चेक या मिनी स्टेटमेंट जैसे नॉन-फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन पर अब 11 रुपये के साथ जीएसटी देना होगा, पहले यह 10 रुपये के साथ जीएसटी था। अब तक सैलरी पैकेज सेविंग्स अकाउंट पर दूसरे बैंक के एटीएम से अनलिमिटेड फ्री ट्रांजेक्शन की सुविधा मिलती थी। लेकिन नए नियमों के तहत

इसे घटाकर 10 फ्री ट्रांजेक्शन प्रति माह कर दिया गया है। फ्री लिमिट खत्म होने के बाद कैश विड्रॉल पर 23 रुपये के साथ और नॉन-फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन पर 11 रुपये के साथ जीएसटी देना होगा। बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) अकाउंट होल्डर्स के लिए चार्ज में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके अलावा एसबीआई डेबिट कार्ड से एसबीआई के अपने एटीएम या एडीडब्ल्यूएम पर ट्रांजेक्शन पहले की तरह मुफ्त रहेंगे। योनो के जरिए कार्डलेस कैश विड्रॉल भी अनलिमिटेड फ्री रहेगा। एसबीआई ने ग्राहकों को अतिरिक्त चार्ज से बचने के लिए यूपीआई, योनो ऐप और डिजिटल ट्रांजेक्शन का अधिक इस्तेमाल करने की सलाह दी है। बैंक का कहना है कि बढ़ती लागत के चलते यह बदलाव जरूरी था।

पिछले एक साल में तांबे की कीमत 60 फीसदी उछली

तांबे की बढ़ती मांग और सप्लाई की कमी से कीमतों में ऐतिहासिक उछाल

नई दिल्ली ।

2026 की शुरुआत में तांबे की कीमतों ने निवेशकों को चौंका दिया है। पिछले एक साल में तांबे की कीमत लगभग 60 फीसदी तक बढ़ चुकी है और यह तेजी की मुख्य वजह बढ़ती मांग और आपूर्ति की कमी है। लंदन मेटल एक्सचेंज का इंडेक्स मार्च 2022 के बाद अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच चुका है। तांबा अब सिर्फ घरेलू तारों या विद्युत उपकरणों तक सीमित नहीं है,

बल्कि इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), डेटा सेंटर्स और ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स में भी इसकी उपयोगिता तेजी से बढ़ी है। 6 जनवरी 2026 को कॉमेक्स स्पॉट मार्केट में तांबे की कीमत 6.069 डॉलर प्रति पाउंड तक पहुंच गई,

जबकि भारत में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर तांबे की कीमत 1,392.95 रुपये प्रति किलो के शिखर पर पहुंची थी। हालांकि, 10 जनवरी को कीमत में थोड़ी गिरावट आई, जो 5.849 डॉलर प्रति पाउंड और 1,278.95 रुपये प्रति किलो पर आ गई। विशेषज्ञों के मुताबिक, तांबे की कीमतों में वृद्धि का मुख्य कारण बढ़ती डिमांड और सप्लाई का असंतुलन है। इलेक्ट्रिक वाहन, डेटा सेंटर्स और डिफेंस सेक्टर में तांबे की खपत तेजी से बढ़ी है, जबकि मौसम की मार, हड़तालें और उत्पादन की चुनौतियों ने आपूर्ति को प्रभावित किया है। इसके अलावा, डॉलर में कमजोरी और ब्याज दरों में नरमी ने भी निवेशकों को जोखिम लेने के लिए प्रेरित किया है। अंतरराष्ट्रीय कॉपर स्टडी ग्रुप के अनुसार, 2026 में तांबे की वैश्विक आपूर्ति में करीब 1.5 लाख टन की कमी हो सकती है। इस स्थिति में, जब तक स्टॉक कम रहेगा और मांग बनी रहेगी, तांबे की कीमतों में उतार-चढ़ाव के साथ तेजी जारी रहने की संभावना है।

पिछले सप्ताह सोना और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव रहा

सप्ताहभर में सोना 3,114 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी लगभग 15,686 रुपए महंगी

नई दिल्ली ।

बीते एक सप्ताह में चांदी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। 2 जनवरी को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 5 मार्च एक्सपायरी वाली चांदी का भाव 2,36,316 रुपए प्रति किलोग्राम था। कारोबारी हफ्ते के दौरान चांदी ने तेज़ उछाल मारा और 2,59,692 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। हालांकि, सप्ताह के अंत में मुनाफावसूली के चलते शुक्रवार को इसका बंद भाव 2,52,002 प्रति किलोग्राम रहा। पूरे हफ्ते में चांदी लगभग 15,686 रुपए महंगी हुई। अभी भी यह अपने रिकॉर्ड स्तर से करीब 7,690 नीचे है, जिसे कुछ निवेशक खरीदारी का अवसर मान रहे हैं। वहीं सोने की कीमतों में भी हल्की तेजी देखने को मिली। 2 जनवरी को 24 कैरेट सोने का भाव 1,35,761 प्रति 10 ग्राम था, जबकि शुक्रवार को एमसीएक्स पर 5 फरवरी एक्सपायरी वाले सोने का भाव 1,38,875 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। सप्ताहभर में सोना लगभग 3,114 रुपए प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ। हालांकि, सोना अब भी अपने लाइफटाइम हाई 1,40,465 रुपए प्रति 10 ग्राम से लगभग 1,590 रुपए कम है। इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार घरेलू सोने के भाव इस प्रकार हैं: 24 कैरेट का भाव 1,37,120 रुपए, 22 कैरेट 1,33,830, 20 कैरेट 1,22,040 रुपए, 18 कैरेट 1,11,070 रुपए और 14 कैरेट के दाम 88,440 रुपए। बीते सप्ताह में चांदी और सोने दोनों में तेजी रही, हालांकि दोनों अभी अपने उच्चतम स्तर से नीचे कारोबार कर रहे हैं। निवेशक इस अवसर को खरीदारी के लिए अनुकूल मान सकते हैं, लेकिन ज्वेलरी खरीदते समय जीएसटी और मेकिंग चार्ज का ध्यान रखना आवश्यक है।

जीएसटी सुधारों ने आंशिक-हाइब्रिड एसयूवी को आकर्षक बनाया

नई दिल्ली ।

वोल्वो कार इंडिया के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि जीएसटी 2.0 ने लक्जरी वाहन खंड को सुव्यवस्थित किया है। कर संरचना में तर्कसंगत बदलाव के कारण आंशिक-हाइब्रिड एसयूवी ग्राहकों के लिए और अधिक आकर्षक हो गई हैं। प्रमुख मॉडल एक्ससी90 और एक्ससी60 की मासिक बिक्री में सुधार हुआ और दो अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि वोल्वो पूरी तरह इलेक्ट्रिक भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है। वर्तमान में भारत में बेची जाने वाली हर चार कारों में लगभग एक इलेक्ट्रिक वाहन है। 2026 में कंपनी और अधिक आक्रामक ईवी पेशकश करने की तैयारी कर रही है।

कंपनी ने 2025 में अपने इंटरनल कंबशन इंजन (आईसीई) पोर्टफोलियो को आगे बढ़ाया। आंशिक-हाइब्रिड और आईसीई कारों की मजबूत मांग ने वोल्वो की बिक्री को स्थिर आधार प्रदान किया।

डीमार्ट का तीसरी तिमाही में मुनाफा 18 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख सुपरमार्केट चेन डीमार्ट ने दिसंबर 2025 में खत्म हुई तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए। कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 18.28 फीसदी बढ़कर 855.78 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल यह 723.54 करोड़ रुपये था। कुल रेवेन्यू 18,100.88 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल 15,972.55 करोड़ रुपये था। इस दौरान कंपनी के कुल खर्च 16,942.62 करोड़ रुपये तक बढ़ गए, जो पिछले साल 15,001.64 करोड़ रुपये थे। बोर्ड ने अंशुल असावा को 1 अप्रैल 2026 से सीईओ और एमडी बनाने की मंजूरी दी। मौजूदा सीईओ इग्नेशियस नवील नोरोन्हा 31 जनवरी 2026 को पद छोड़ेंगे।

सिग्नेचर ग्लोबल की बिक्री में 27 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने रविवार को बताया कि दिसंबर तिमाही में उसकी बिक्री बुकिंग में 27 फीसदी की गिरावट आई। त्योहारी सीजन के बावजूद, इस दौरान कंपनी ने केवल 2,020 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचीं, जबकि पिछले साल समान तिमाही में 2,770 करोड़ रुपये की बिक्री हुई थी। कंपनी ने 408 इकाइयां बेचीं, जो पिछले साल की इसी अवधि के 1,518 इकाइयों से कम हैं। हालांकि, सिग्नेचर ग्लोबल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनके प्रीमियम प्रोजेक्ट सर्वम को ग्राहकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है, खासकर द्वारका एक्सप्रेसवे पर स्थित 'डीएक्सपी एस्टेट' में। सिग्नेचर ग्लोबल ने 2025-26 के पहले नौ महीनों में स्वस्थ प्रदर्शन का दावा किया, लेकिन बिक्री में गिरावट का कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया।

ईपीएफ खाते में नाम या जन्मतिथि गलत? सुधार करना बेहद आसान

सुविधा उन्हीं सदस्यों को जिनका यूएएन 1 अक्टूबर 2017 से पहले एक्टिव हुआ

नई दिल्ली ।

अगर आपके कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) खाते में नाम की स्पेलिंग गलत है, जन्मतिथि मैच नहीं कर रही या वैवाहिक स्थिति में गड़बड़ी है, तो भविष्य में पीएफ निकालते समय परेशानी हो सकती है। हालांकि अब घबराने की जरूरत नहीं है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने प्रोफाइल सुधार की प्रक्रिया को काफी सरल बना दिया है। सही शर्तें पूरी होने पर कुछ ही स्टेप्स में आपका ईपीएफ रिकॉर्ड अपडेट हो सकता है। ईपीएफओ के नियमों के अनुसार मेंबर अपनी ईपीएफ प्रोफाइल में नाम, जन्मतिथि, वैवाहिक स्थिति, माता-पिता का नाम, जॉइनिंग डेट, लीविंग डेट और नेशनलिटी जैसी जानकारियों में सुधार कर सकते हैं। अलग-अलग परिस्थितियों के लिए ईपीएफओ ने स्पष्ट प्रक्रिया तय की है। कुछ शर्तें पूरी होने पर बिना किसी दस्तावेज के भी बदलाव किया जा सकता है। इसमें नाम, नेशनलिटी, माता-पिता का नाम, वैवाहिक स्थिति, जॉइनिंग डेट और लीविंग डेट शामिल हैं। यह सुविधा उन्हीं सदस्यों को मिलती है जिनका यूएएन 1 अक्टूबर 2017 से पहले एक्टिव हुआ हो और आधार से सत्यापित हो। अगर यूएएन 1 अक्टूबर 2017 से पहले एक्टिव है, तो बदलाव के लिए जॉइंट डिक्लेरेशन पर नियोक्ता की मंजूरी जरूरी होगी। वहीं, अगर यूएएन आधार से लिंक नहीं है या यूएएन मौजूद नहीं है, तो फिजिकल जॉइंट डिक्लेरेशन भरकर नियोक्ता के जरिए ईपीएफओ को भेजना होगा। अगर पुरानी कंपनी बंद हो चुकी है, तो जॉइंट डिक्लेरेशन पर किसी अधिकृत अधिकारी जैसे गजटेड ऑफिसर, नोटरी पब्लिक, सांसद, पोस्ट मास्टर या ग्राम पंचायत प्रमुख के हस्ताक्षर जरूरी होंगे। इसके बाद आवश्यक दस्तावेज ईपीएफओ ऑफिस में जमा कराने होंगे।

कंपनियों के नतीजों, वैश्विक कारकों से तय होगी बाजार की दिशा

– वैश्विक बाजारों, डॉलर की स्थिति, कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह 2.5 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर घरेलू स्तर पर कंपनियों के तिमाही परिणामों और वैश्विक कारकों पर होगी। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले हफ्ते में निवेशकों का मूड इन नतीजों के आधार पर तय होगा। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे आने शुरू हो गए हैं।

सोमवार 12 जनवरी को एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टीसीएस अपने तिमाही परिणाम जारी करेंगे। इसके बाद 15 जनवरी को इंफोसिस और 16 जनवरी को टेक महिंद्रा के वित्तीय आंकड़े सामने आएंगे। टेक्नोलॉजी कंपनियों के नतीजे निवेशकों को इस सेक्टर की रिकवरी और मुनाफे के रुझानों के बारे में संकेत देंगे। बैंकों के तिमाही नतीजे भी निवेशकों के लिए अहम होंगे। 17 जनवरी को एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के नतीजे आने वाले हैं।

इसके अलावा सप्ताह के दौरान अन्य प्रमुख बैंकों के नतीजे भी जारी होंगे। बैंकिंग सेक्टर के आंकड़े आर्थिक गतिविधियों और ऋण की मांग का स्पष्ट संकेत देंगे।

निवेशकों की नजर केवल घरेलू नतीजों पर ही नहीं, बल्कि वैश्विक बाजारों, डॉलर की स्थिति, कच्चे तेल की कीमतों और ब्याज दरों पर भी होगी। ये कारक बाजार के रुझान को प्रभावित कर सकते हैं और निवेशकों की रणनीतियों में बदलाव ला सकते हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस हफ्ते का बाजार प्रदर्शन मुख्य रूप से तिमाही नतीजों और वैश्विक परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। निवेशक सतर्कता के साथ कंपनियों के नतीजों और आर्थिक संकेतकों पर ध्यान दे रहे हैं।

महानगरों से बाहर व्यक्तिगत परिवहन की मांग हो रही मजबूत

नई दिल्ली।

साल 2025 में यात्री वाहनों की बिक्री वृद्धि ग्रामीण बाजारों में कहीं अधिक मजबूत रही। जहां शहरी क्षेत्रों में यात्री वाहनों की बिक्री 8 प्रतिशत बढ़ी, वहीं ग्रामीण इलाकों में यह वृद्धि 12 प्रतिशत दर्ज की गई। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि ग्रामीण भारत अब देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर की विकास कहानी में अहम भूमिका निभा रहा है। वाहन डीलरों के संगठन फाडा (फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन) के यह आंकड़े इस बात की ओर इशारा करते हैं कि महानगरों से बाहर व्यक्तिगत परिवहन की मांग लगातार मजबूत हो रही है। फाडा के मुताबिक, 2025 के दौरान ग्रामीण बाजारों में कुल 44.7 लाख यात्री वाहन बिके, जबकि 2024 में यह संख्या 41 लाख थी। इसके साथ ही वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों की हिस्सेदारी में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिली। कुल यात्री वाहन बिक्री का लगभग 33 प्रतिशत हिस्सा सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों का रहा। सीएनजी वाहनों की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत से बढ़कर 21 प्रतिशत हो गई, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 2.4 प्रतिशत से बढ़कर 4 प्रतिशत तक पहुंच गई। हालांकि हाइब्रिड वाहनों की हिस्सेदारी में हल्की गिरावट आई और यह 8.7 प्रतिशत से घटकर 8.2 प्रतिशत रह गई। दूसरी ओर पारंपरिक ईंधन वाले वाहनों की हिस्सेदारी में कमी देखी गई। पेट्रोल से चलने वाले वाहनों की बिक्री हिस्सेदारी 2024 के 52 प्रतिशत से घटकर 2025 में 49 प्रतिशत रह गई, जबकि डीजल वाहनों की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत पर स्थिर बनी रही।

यह रुझान साफ तौर पर दिखाता है कि उपभोक्ता धीरे-धीरे वैकल्पिक और किफायती ईंधन विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। दिसंबर महीने में भी वाहन बिक्री की रफ्तार बनी रही। सालाना आधार पर दिसंबर में यात्री वाहनों की बिक्री में 26.64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। खासतौर पर ग्रामीण बाजारों में दिसंबर के दौरान बिक्री 32.40 प्रतिशत तक बढ़ गई। दिसंबर 2024 में जहां 2,99,799 वाहन बिके थे, वहीं दिसंबर 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 3,79,671 यूनिट हो गया। फाडा के अध्यक्ष सीएस विघ्नेश्वर के अनुसार, इस मजबूत प्रदर्शन के पीछे कई कारक रहे। उन्होंने बताया कि अच्छी फसल पैदावार, अनुकूल मॉनसून और सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य ने ग्रामीण आय को सहारा दिया। इसके अलावा जीएसटी में कटौती, आयकर में राहत और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दरों में कमी से भी ग्रामीण उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता बढ़ी। कुल मिलाकर 2025 में भारत की कुल खुदरा वाहन बिक्री 2.82 करोड़ इकाई रही।

दोपहिया वाहनों की बिक्री में 7.24 प्रतिशत, यात्री वाहनों में 9.70 प्रतिशत, वाणिज्यिक वाहनों में 6.71 प्रतिशत और ट्रैक्टरों की बिक्री में 11.52 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। दिसंबर 2025 में उद्योग ने 20.3 लाख वाहनों की खुदरा बिक्री की, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 14.63 प्रतिशत अधिक रही।

इस सप्ताह दो कंपनियां अपने निवेशकों को देंगी बोनस शेयर

जिन निवेशकों के नाम रिकॉर्ड में होंगे, वही इस बोनस इश्यू के हकदार होंगे

नई दिल्ली ।

इस हफ्ते शेयर दो कंपनियां अपने निवेशकों को बोनस शेयर देने पर विचार कर रही हैं। ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एआईआईएल) ने अपने शेयरधारकों को 4:1 के अनुपात में बोनस शेयर देने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि जिन निवेशकों के पास 1 शेयर है, उन्हें 4 अतिरिक्त बोनस शेयर मिलेंगे। कंपनी ने इसके लिए 13 जनवरी 2026 को एक्स डेट और रिकॉर्ड डेट तय की है। इस दिन तक जिन निवेशकों के नाम रिकॉर्ड में होंगे, वही इस बोनस इश्यू के हकदार होंगे। ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में सक्रिय है और यह कदम निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। वहीं एग्रोकेमिकल सेक्टर की कंपनी बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड भी अगले हफ्ते बोनस शेयर जारी करेगी। कंपनी ने 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर देने का निर्णय लिया है। यानी जिन निवेशकों के पास 2 शेयर हैं, उन्हें 1 अतिरिक्त शेयर मिलेगा। इसके लिए कंपनी ने 16 जनवरी 2026 को एक्स डेट और रिकॉर्ड डेट घोषित की है।

एनएसई आईपीओ को राहत, सेबी से मिल सकता है एनओसी

2016 से अटका आईपीओ अब अंतिम चरण में, 8-9 महीनों में हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के आईपीओ को लेकर एक अहम और सकारात्मक खबर सामने आई है। देश के बाजार नियामक सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) से एनएसई को इसी महीने नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) मिलने की संभावना है। यह जानकारी सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने चेन्नई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। सेबी के चेयरमैन ने कहा कि महीने के अंत से पहले एनएसई को मंजूरी मिल सकती है। इसके बाद आईपीओ की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना पूरी तरह से एनएसई पर निर्भर करेगा। एनओसी मिलने से एनएसई के लिए शेयर बाजार में लिस्ट होने का रास्ता साफ हो जाएगा। एनएसई का आईपीओ वर्ष 2016 से लंबित है। को-लोकेशन और डार्क फाइबर एक्सेस से जुड़े नियामकीय और कानूनी मामलों के चलते आईपीओ प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई। एनएसई ने 2016 में डीआरएचपी दाखिल किया था और इसके बाद कई बार सेबी से एनओसी के लिए संपर्क किया। सीईओ के अनुसार, एनओसी मिलने के बाद एक्सचेंज को लिस्ट होने में करीब 8 से 9 महीने का समय लग सकता है। उल्लेखनीय है कि एनएसई के पास पहले से ही लगभग 1.72 लाख शेयरहोल्डर्स हैं और कंपनी में किसी प्रमोटर की हिस्सेदारी नहीं है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गोलघर का किया निरीक्षण

लाइट एंड साउंड और लेजर शो नियमित करने के दिए निर्देश

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को राजधानी स्थित गोलघर परिसर का निरीक्षण किया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को कई निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोलघर परिसर में लाइट एंड साउंड व लेजर शो को नियमित रूप से कराएं। मुख्यमंत्री ने गोलघर परिसर, गोलघर पार्क, गोलघर की संरचना और लाइट एंड साउंड सिस्टम का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोलघर एक ऐतिहासिक धरोहर है। बड़ी संख्या में लोग इसे देखने आते हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि गोलघर परिसर का सौंदर्यीकरण एवं इसके रखरखाव को अच्छे ढंग से कराएं ताकि देखने में यह मनोरम लगे। वर्ष 2013 में यहां शुरू कराए गए लाइट एंड साउंड व लेजर शो के नियमित रूप से होने से यहां आने वाले लोगों को गोलघर की महत्ता के बारे में जानकारी होगी। यहां लगे डिस्प्ले बोर्ड पर इसे लगातार दिखाएं। गोलघर वास्तुकला का एक अद्भुत नमूना है। इसलिए इसकी संरचना के रखरखाव का विशेष रूप से ख्याल रखें ताकि इसे बेहतर तरीके से संरक्षित किया जा सके।मुख्यमंत्री के गोलघर भ्रमण के दौरान जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, मुख्यमंत्री के सचिव डा. चंद्रशेखर सिंह व डीएम त्यागराजन एसएम सहित कई अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मुजफ्फरपुर के विकास को लगेंगे पंख, जिला परिषद की 200 एकड़ भूमि पर चालू होगा काम

मुजफ्फरपुर। जिला परिषद की करीब दो सौ एकड़ भूमि पर जिले में विकास कार्य किए जाएंगे। साथ ही रोजगार सृजन का भी अवसर उत्पन्न किया जाएगा। उक्त बातें बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता के दौरान कहीं। उन्होंने पंचायती राज विभाग की जिला एवं प्रखंड स्तरीय समीक्षा बैठक भी की। इसमें विभागीय संयुक्त सचिव शम्स जावेद अंसारी, जिला परिषद के पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी (डीपीआरओ) सहित जिले के सभी 16 प्रखंडों के प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न योजनाओं का अपडेट लिया गया।मंत्री ने कहा कि जिला परिषद की भूमि को दुकानों एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए लीज पर देने के साथ-साथ माल एवं आवासीय परिसरों के निर्माण के लिए भी चिन्हित किया जाएगा, जिससे स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, रिक्त भूमि का स्पष्ट प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किए जाने पर मंत्री दीपक प्रकाश ने गंभीर नाराजगी जताते हुए एक सप्ताह के भीतर विस्तृत विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। पंचायत सरकार भवन निर्माण की समीक्षा में बताया गया कि जिले के 16 प्रखंडों में कुल 94 पंचायत सरकार भवनों का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि 113 पंचायतों में भवन निर्माण कार्य प्रगति पर है। कुल 166 भवनों के निर्माण की स्वीकृति दी जा चुकी है, जिनमें से 13 भवनों के लिए भूमि चयन की प्रक्रिया अभी लंबित है। मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं होने की स्थिति में संबंधित पदाधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के तहत शेष बचे कार्यों को पूरा करने एवं भुगतान को 31 मार्च तक पूरा करने का निर्देश दिया गया। वहीं, छठी एवं पंद्रहवीं वित्त आयोग से संबंधित योजनाओं में उपयोगिता प्रमाण पत्र समर्पित करने की धीमी प्रगति पर मंत्री ने असंतोष व्यक्त करते हुए इसमें तेजी लाने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट कन्या विवाह मंडप निर्माण योजना की समीक्षा में बताया गया कि प्रथम चरण में 23 पंचायतों में भूमि जांच के लिए अंचल पदाधिकारियों को पत्र भेजे गए हैं। मंत्री ने भूमि जांच प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराने हेतु आवश्यक समन्वय का निर्देश दिया। साथ ही विभाग में स्वीकृति हेतु लंबित 20 पंचायतों में मंडप निर्माण को जल्द मंजूरी देने का आदेश भी दिया गया। ग्राम कचहरी में कम मामलों के पंजीकरण पर मंत्री ने साहेबगंज प्रखंड विकास पदाधिकारी को कड़े निर्देश दिए।

दीव में गूंजा बिहार का नाम

सेपक टाकरा में पुरुष चैंपियन, महिला टीम टॉप-3 में

पटना। 5 से 10 जनवरी तक दीव में आयोजित द्वितीय खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 में बिहार की सेपक टाकरा टीमों ने शानदार प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन किया।

प्रतियोगिता में बिहार की पुरुष सेपक टाकरा टीम ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया, जबकि महिला टीम ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल तीसरा स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि की जानकारी देते हुए बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्रण शंकरण ने बताया कि बिहार की पुरुष सेपक टाकरा टीम ने क्वाड इवेंट में स्वर्ण पदक और टीम इवेंट में रजत पदक जीतकर ओवरऑल चैंपियंस का खिताब हासिल किया। वहीं, बिहार की महिला सेपक टाकरा टीम ने टीम इवेंट में रजत पदक जीतते हुए ओवरऑल तीसरा स्थान प्राप्त किया। रविंद्रण शंकरण ने कहा कि यह सफलता बिहार के लिए गर्व और खुशी का विषय है। इस उपलब्धि से न केवल सेपक टाकरा खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि राज्य के अन्य खिलाड़ियों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा मिलेगी। द्वितीय खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 में कुल आठ खेलों को शामिल किया गया था, जिनमें दो प्रदर्शनी खेल भी रहे। प्रदर्शनी खेलों में बीच मलखंभ और टग ऑफ वार शामिल थे, जबकि प्रतियोगिता खेलों में बीच फुटबॉल, बीच वॉलीबॉल, बीच कबड्डी, बीच सेपक टाकरा, बीच पेंचक सिलाट और ओपन वाटर स्विमिंग शामिल रहे।

वांटेड अपराधी का एनकाउंटर

पटना। बाढ़ पुलिस ने ऑपरेशन लंगड़ा के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए वांछित अपराधी प्रहलाद कुमार को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि वांछित अपराधी प्रहलाद कुमार गांव में छिपा हुआ है। इसके बाद पुलिस टीम ने पूरे इलाके को घेरकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। खुद को घिरता देख अपराधी ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी कार्रवाई की। घटना के बाद घायल प्रहलाद कुमार को पुलिस सुरक्षा में बाढ़ अनुमंडल अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए पीएमसीएच (पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल) रेफर कर दिया गया।

संक्षिप्त डायरी

ज्वेलरी शॉप से चोरी मामले में 3 चोर गिरफ्तार

आरा। ज्वेलरी शॉप से चोरी के मामले में पुलिस ने तीन चोर को गिरफ्तार किया है। 75 ग्राम सोने के गहने बरामद हुए हैं। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 3 लाख रुपए है। घटना गोपाली चौक डाबर गली की है। गिरफ्तार आरोपियों में नवादा थाना क्षेत्र के अनाइठ वार्ड संख्या-43 निवासी शंकर कुमार, अंकित कुमार और अमित कुमार शामिल है। शंकर कुमार पहले ज्वेलरी शॉप में ही काम करता था। एक महीना पहले मालिक ने उसे हटा दिया था। इसी रंजिश में अपने साथियों के साथ मिलकर साजिश रची। जानकारी के अनुसार, टाउन थाना क्षेत्र के धरहरा निवासी मुन्ना कुमार शिव मार्केट में आभूषण कारीगरी की दुकान चलाते हैं। आठ जनवरी की रात करीब नौ बजे रोज की तरह दुकान बंद करके कर्मचारियों के साथ अपने-अपने घर चले गए थे। इसके बाद रात करीब साढ़े ग्यारह बजे चोरों ने मार्केट का गेट और दुकान का शटर खोलकर लगभग 80 ग्राम हॉलमार्क सोने के जेवरात चुरा लिए। चोरों ने वारदात को बेहद शातिराना तरीके से अंजाम दिया। पहचान छिपाने के लिए पर्दे से अपना चेहरा ढक रखा था और चोरी से पहले सीसीटीवी कैमरे का तार भी काट दिया था। अगले दिन सुबह जब दुकान के कर्मचारी पहुंचे तो जेवरात गायब मिले। इसके बाद दुकानदार मुन्ना कुमार ने टाउन थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। अपने एक पूर्व कारीगर पर संदेह जताया। पुलिस ने जांच के दौरान पहले अनाइठ निवासी शंकर कुमार को उठाया। उसकी निशानदेही पर उसके दो अन्य सहयोगियों अंकित कुमार और अमित कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया गया। इंस्पेक्टर देवराज राय ने बताया कि शंकर कुमार के घर से चोरी किए गए 75 ग्राम सोने के जेवर बरामद किए गए हैं। एक अन्य आरोपी की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

जेपी गंगा पथ से हटेंगी फैब्रिकेटेड दुकानें

पटना। जेपी गंगा पथ पर लग रही दुकानों का आवंटन खरमास बाद होना था, लेकिन अब इसे हटाया जा रहा है। सीएम हाउस से इन फैब्रिकेटेड दुकानों के डिजाइन को चेंज करने का निर्देश दिया गया है। अब पटना स्मार्ट सिटी के बोर्ड की बैठक में नए डिजाइन को फाइनल किया जाएगा। सभी बोर्ड के मेंबर मिलकर नए डिजाइनिंग के प्रस्ताव को मंजूरी देंगे, जिसमें पटना मेयर, डीएम, नगर आयुक्त, चेयरमैन सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं। पहले 500 दुकानें बननी थी, लेकिन अब नए डिजाइन से जो दुकानें बनेगी, उनकी संख्या कम या ज्यादा भी हो सकती है। फिलहाल, इन दुकानों को गंगा पथ से हटाकर गर्दनीबाग में शिफ्ट किया जा रहा है। इन दुकानों के डिजाइन को अचानक निरीक्षण के दौरान बड़े अधिकारियों ने खारिज कर दिया है। बताया गया है कि पहले लगाए गए स्टॉल में कई खामियां पाई गई हैं। इससे स्टॉल संचालकों के साथ ही ग्राहकों को काफी दिक्कत होती। ऐसे में डिजाइन को बदलने का निर्णय लेना पड़ा। अब जयपुर और इंदौर के तर्ज पर नए डिजाइन को तैयार किया जाएगा। इन बने हुए फैब्रिकेटेड दुकानों को लेने के लिए जीविका दीदियों ने लेटर लिखकर प्रस्ताव दिया है। हालांकि, पटना स्मार्ट सिटी यह दुकान जीविका को देगी, किसी अन्य विभाग को आवंटित करेगी या फिर खुद ही इससे रेवेन्यू जेनरेट करेगी।

घने कोहरे में दो ट्रक की भिड़ंत, चालक गंभीर रूप से घायल

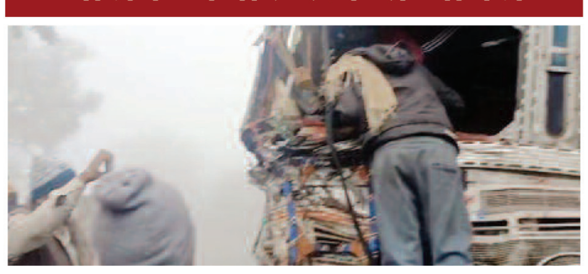

मुजफ्फरपुर। जिले में घने कोहरे के बीच शनिवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें दो ट्रक आमने-सामने भिड़ गए। इस हादसे में एक ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक गंभीर रूप से जख्मी होकर ट्रक की केबिन में फंस गया। दुर्घटना देवरिया थाना क्षेत्र के देवरियाझपारू स्टेट हाईवे के बिशनपुर सरैया चौक के पास हुई। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए और अफरातफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पारू की ओर से एक ट्रक आ रही थी, जबकि दूसरी ओर देवरिया से पारू की ओर ट्रक जा रही थी। घने कोहरे के कारण दोनों ट्रक आमने-सामने टकरा गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक फंस गया। टक्कर की आवाज सुनकर स्थानीय ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही देवरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल चालक को ट्रक से बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। इस दौरान सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन कुछ समय के लिए प्रभावित रहा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त ट्रक को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। देवरिया थाना प्रभारी मनोज कुमार साह ने बताया कि हादसा घने कोहरे के कारण हुआ। दोनों ट्रक आमने-सामने टकराए, जिसमें एक चालक घायल हुआ। घायल चालक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया और सड़क से क्षतिग्रस्त ट्रक हटाने की कार्रवाई जारी है।

राम नाम को लेकर चिराग पासवान ने किसपर साधा निशाना? राहुल गांधी की नीति पर क्या बोले

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सोमवार को पटना में आयोजित प्रेस वार्ता में विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष, खासकर कांग्रेस, ने जनता को झूठ बोलकर डराने की परंपरा शुरू की है। जो योजनाएं आम लोगों के हित में हैं, उन्हें नुकसानदेह बताकर भ्रम फैलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने 15 दिनों तक बेवजह हंगामा किया, लेकिन अगर वास्तव में कोई गड़बड़ी होती तो बिहार की जनता सड़कों पर उतरकर विरोध करती, जो नहीं हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि विपक्ष भ्रम फैला रहा है। उन्होंने मनरेगा को लेकर कांग्रेस पर राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में मनरेगा सिर्फ भ्रष्टाचार का अड्डा बनकर रह गया है और गरीब मजदूरों को उनका वाजिब हक नहीं मिला। अब जब केंद्र सरकार इस भ्रष्टाचार पर प्रहार कर रही है, तो कांग्रेस बेचैन हो रही है। उन्होंने कहा कि योजना के ढांचे में बदलाव से गरीब मजदूरों को फायदा मिलेगा। 125 दिन का रोजगार देना, मॉनिटरिंग शुरू करना और महिलाओं को आर्थिक मदद देना गलत कैसे हो सकता है? महिलाओं को पहले 10 हजार और फिर 1.90 लाख रुपये देकर स्वरोजगार से जोड़ना एक सकारात्मक कदम है, लेकिन इस पर भी विपक्ष सवाल उठा रहा है। चिराग पासवान ने कहा कि कांग्रेस भावनात्मक मुद्दे उठाकर लोगों को गुमराह कर रही है। महात्मा गांधी के नाम को लेकर बेवजह विवाद खड़ा किया जा रहा है, जबकि समय-समय पर योजनाओं के स्वरूप में बदलाव होते रहे हैं। उन्होंने कहा कि राम नाम से इन्हें आपत्ति क्यों है, यह किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश में धर्म के आधार पर अत्याचार हो रहा है, लेकिन इस पर विपक्ष चुप्पी साधे हुए है। आगामी चुनावों को लेकर चिराग पासवान ने कहा कि पहले असम और फिर बंगाल में एनडीए अपनी जीत सुनिश्चित करेगा। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार की योजनाओं का ही असर है कि गठबंधन लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने बताया कि पार्टी संगठन में भी बदलाव किए जाएंगे और विधायकों की भूमिका को लेकर चर्चा होगी। आने वाले पांच साल को उन्होंने स्वर्णिम काल बताया और कहा कि चुनाव में जाने से पहले सभी जिम्मेदारियों को पूरा किया जाएगा। खगड़िया रेप मामले पर चिराग पासवान ने कहा कि यह घटना बेहद शर्मनाक है और वे खुद को शर्मिंदा महसूस करते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाई जाएगी और समय रहते न्याय होगा। सांसद निधि के खर्च को लेकर उठे सवालों पर उन्होंने कहा कि एनडीए को ऐसी किसी जरूरत नहीं है और विपक्ष बेवजह मुद्दे उछाल रहा है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि राजद और कांग्रेस के विधायकों में भारी असंतोष है। उन्होंने कहा कि जब कोई पार्टी हार के बाद उसकी जिम्मेदारी नहीं लेती, तो कार्यकताओं में निराशा पैदा होती है। उन्होंने तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि सदन की कार्यवाही के दौरान उनका गायब रहना दुर्भाग्यपूर्ण है। परिवार के साथ समय बिताना गलत नहीं है, लेकिन जब सदन चल रहा हो, उस वक्त ऐसे दौरों से बचना चाहिए। जनप्रतिनिधियों की पहली जिम्मेदारी जनता और सदन के प्रति होती है।

थर्ड डिग्री टार्चर के आरोपों और अन्य मामलों को लेकर माले का न्याय मार्च

समस्तीपुर। जिले के ताजपुर थाना क्षेत्र में मनीष पोद्दार के साथ थर्ड डिग्री टार्चर के आरोपों को लेकर भाकपा माले ने व्यापक विरोध दर्ज कराया। आरोपी पुलिस-थानाध्यक्ष को बर्खास्त करने, अंचल के राजस्व कर्मचारी द्वारा घूस लेते हुए वायरल वीडियो की जांच और कार्रवाई तथा बंगरा थाना क्षेत्र में कथित जहरीली शराब से हुई पिता-पुत्र की मौत की उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर न्याय मार्च निकाला गया। शनिवार को बड़ी संख्या में भाकपा माले कार्यकर्ता बाजार क्षेत्र के अस्पताल चौक पर एकत्रित हुए। झंडे, बैनर और मांगों से संबंधित तख्तियां लेकर कार्यकताओं ने अस्पताल चौक से न्याय मार्च शुरू किया, जो बाजार की मुख्य सड़कों से होते हुए पुनः अस्पताल चौक पहुंचा। यहां मार्च सभा में तब्दील हो गया, जिसकी अध्यक्षता भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने की। सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले जिला कमिटी सदस्य सह खेग्रामस के जिला सचिव जीबछ पासवान ने कहा कि ताजपुर पुलिस ने संदेह के आधार पर दुकान कर्मी मनीष पोद्दार, उसकी पत्नी और पिता को उठाकर हाजत में बंद किया। उन्होंने आरोप लगाया कि हिरासत के दौरान मनीष पोद्दार के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया और पांच दिनों तक कानून को ताक पर रखकर रखा गया। भाकपा माले जिला कमिटी सदस्य सह खेग्रामस के जिला अध्यक्ष उपेंद्र राय ने ताजपुर अंचल के राजस्व कर्मचारी रॉबिन ज्योति का घूस लेते हुए वायरल वीडियो का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस मामले में कार्रवाई की बजाय कथित तौर पर आरोपी को बचाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे भाकपा माले अन्याय मानती है और इसके खिलाफ जिलाधिकारी के समक्ष धरना-प्रदर्शन की घोषणा करती है। सभा में भाकपा माले प्रखंड सदस्य सह किसान महासभा के प्रखंड अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह और खेग्रामस के प्रखंड सचिव प्रभात रंजन गुप्ता ने बंगरा थाना क्षेत्र के बहादुरनगर में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से पिता-पुत्र की मौत का मुद्दा उठाया।

बिहार बजट पेश करने की तैयारी में जुटी नीतीश सरकार, इन चीजों पर फोकस, 2020 से अब तक का गणित देखें

पटना। नीतीश सरकार ने 2026-27 के लिए बजट की तैयारी शुरू कर दी है। नए वित्तीय वर्ष के जमा खर्च के लिए फरवरी माह के तीसरे सप्ताह बजट पेश करने की तैयारी चल रही है। हालांकि, सत्र के तारीखों की घोषणा अब तक नहीं हुई है। वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि बिहार निरंतर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उर्जा, तकनीक, उद्योग समेत कई क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। बिहार नई अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। बिहार को विकसित राज्यों की श्रेणी में लाने के लक्ष्य पर काम किया जा रहा है। सरकार की प्राथमिकता रोजगार सृजन है। इस पर मंथन शुरू हो गया है। इस बार का बजट बिहार के विकास की दृष्टिकोण से काफी अहम होगा। इधर, वित्त विभाग की ओर से सभी विभागों को पत्र भेज दिया गया है। इसमें तीसरे अनुपूरक बजट के लिए 19 जनवरी तक प्रस्ताव देने के लिए कहा गया है। बिहर सरकार इस सत्र में वर्ष 2025-26 के लिए तीसरे अनुपूरक बजट लाने की भी तैयारी कर रही है। इसके लिए सभी विभागों से प्रस्ताव मांगा गया है। जिन योजनाओं की खर्च बढ़ाने की जरूरत है, उनमें राशि आवंटित की जाएगी। राशि का प्रावधान अनुपूरक बजट के जरिए ही किया जाएगा। 2025-26 के लिए दो अनुपूरक बजट पेश किया गया है। पहला अनुपूरक बजट (57946) बिहार विधानसभा चुनाव से पहले और दूसरा नई सरकार बनने के बाद। शीत कालीन सत्र में नीतीश सरकार ने 91717 करोड़ का द्वितीय अनुपूरक बजट पेश किया था। इस बार कैसा होगा बिहार का बजट? इस सवाल पर भाजपा प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि एनडीए सरकार का लक्ष्य गांव, गरीब, किसान, छात्र और युवाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। सरकार ने आगामी पांच साल में एक करोड़ नौकरी और रोजगार का लक्ष्य रखा है। बिहार को अधिक से अधिक उद्योग लगे। राज्य विकसित राज्यों की श्रेणी में आए। सरकार का फोकस इस पर ही है। वहीं राजद का कहना है कि सरकार के खजाने को लुटाने की साजिश है और राज्य के खजाने की फिजुलखर्ची की जा रही है। इस तरह की फिजुलखर्ची के कारण ही बिहार पर 3 लाख करोड़ से ऊपर का कर्जा है। जिसके कारण प्रति व्यक्ति पर 25 हजार रुपये का कर्जा है। महिलाओं को दो लाख की राशि दिए जाने पर दो लाख 70 हजार करोड़ रुपये अतिरिक्त आर्थिक बोझ सरकार को वहन करना होगा, वहीं वेतन मद का एक लाख 05 हजार रुपये देना पड़ेगा। दोनों मिलाकर 3:45 लाख करोड़ रुपए की आवश्यकता पड़ेगी ,जबकि बिहार का कुल बजट तीन लाख करोड रुपये का ही है। वहीं राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति यादव ने आगे कहा कि सरकार खजाने की खर्चे पर श्वेत पत्र जारी करे और सच्चाई से बिहार की जनता को जानकारी दें। आंकड़ें बताते हैं कि पिछले पांच वर्षों में बिहार के बजट का आकार तेजी से बढ़ा है। वर्ष 2020-21 में जहां बजट करीब 2.11 लाख करोड़ रुपये था, वहीं 2025-26 में यह बढ़कर 3.16 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया है। यानी पांच साल में बजट में 50 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। सरकार इसे विकास की रफ्तार तेज होने का संकेत बता रही है। कोरोना काल के दौरान और उसके बाद पेश किए गए बजटों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया।

विघ्नहर्ता गणेश को ऐसे मनाएं

विघ्नहर्ता विनायक भगवान गणेश की पूजा यदि सच्चे मन से की जाए तो हर समस्या का समाधान संभव है। बुधवार भगवान गणेश का दिन होता है। बुधवार को गणेश की पूजा करें तो संतान, शिक्षा और भाग्य समृद्ध होता है। गणपति की उपासना से कुंडली के अशुभ योग भी खत्म हो जाते हैं। इसीलिए कलयुग में उन्हें विघ्नविनाशक के रूप में पूजा जाता है। श्रीगणेश जी की बुधवार को पूजा करने का विधान हमारे धर्मग्रंथों में मौजूद है।

बुधवार को प्रात:काल में स्नानादि से निवृत होकर ताम्र पत्र के श्री गणेश यन्त्र को नमक, नींबू से अच्छे से साफ करें। यंत्र को शुद्ध जल से धोने के बाद पूजा स्थल पर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख कर के आसान पर विराजमान हो कर सामने श्री गणेश यन्त्र की स्थापना करें। आसान पर बैठने के बाद दांयी हथेली में जल ले कर आसान व भूमि पर जल छिड़कते हुए नीचे लिखे मंत्र को पढ़ें....

ऊं अपवित्र: पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोपि वा।
य: स्मरेत पुण्डरीकाक्षं स बाह्यभ्यन्तर: शुचि:।।

अब गणेश यंत्र को शुद्ध जल चढ़ाते हुए मंत्र बोले

गंगे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति ।
नर्मदे सिन्धु कावेरि जलऽस्मिन्सन्निधिं कुरु।।

यदि आप इस मंत्र की आराधना सच्चे मन से करते हैं तो आपकी मनोकामना जरूर पूरी होती है।

जैन मुनि को केश-लोचन करना अनिवार्य होता है

हाल ही में गुजरात 12वीं बोर्ड में 99.99 प्रतिशत हासिल करने वाले वर्शिल शाह जैन, जैन संत बन गए हैं। वर्शिल महज 17 साल के हैं और गुजरात के ही पालड़ी के रहने वाले हैं। दर्शिल अब जैन मुनि सुवीर्य रत्न विजयजी महाराज के नाम से जाने जाएंगे। पिछले वर्षों में गौर किया जाए तो युवाओं द्वारा संन्यास लेने की सिलसिला काफी बड़ा है। जैन धर्म के अनुयायियों के लिए भले ही यह पूरा घटनाक्रम सकारात्मक हो, लेकिन जैन धर्म के इतिहास पर नजर डालें तो पाएंगे कि जैन धर्म में संन्यास लेने वाले अनुयायी को मुनि की उपाधि दी जाती है। संन्यास लेने के बाद जैन मुनि को निर्ग्रन्थ भी कहा जाता है। मुनि शब्द पुरुषों के लिए तो आर्यिका शब्द स्त्री संन्यासियों को संबोधित किया जाता है। प्रत्येक जैन मुनि को केश-लोच करना अनिवार्य होता है।

तो क्या इतना प्राचीन है जैन धर्म

जैन धर्म ग्रंथों के अनुसार यह धर्म अनादि और सनातन है। यदि आर्यों के भारत आने के बाद से भी देखा जाये तो ऋषभदेव और अरिष्टनेमि को लेकर जैन धर्म की परंपरा वेदों तक पहुंचती है। पुराणों में वर्णित है महाभारत के युद्ध के समय इस संप्रदाय के प्रमुख नेमिनाथ थे, जो जैन धर्म में मान्य तीर्थंकर हैं। आठवीं सदी में 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ हुए, जिनका जन्म काशी में हुआ था। काशी के पास ही 11वें तीर्थंकर श्रेयांसनाथ का जन्म हुआ था। इन्हीं के नाम पर सारनाथ का नाम प्रचलित है। जैन धर्म में श्रमण संप्रदाय का पहला संगठन पार्श्वनाथ ने किया था। ये श्रमण वैदिक परंपरा के विरुद्ध थे। महावीर तथा बुद्ध के काल में ये श्रमण कुछ बौद्ध तथा कुछ जैन हो गए थे। इन दोनों ने अलग-अलग अपनी शाखाएं बना लीं। भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे, जिनका जन्म लगभग ई.पू. 599 में हुआ और जिन्होंने 72 वर्ष की आयु में देहत्यागी। महावीर स्वामी ने शरीर त्यागने से पहले जैन धर्म की नींव काफी मजबूत कर दी थी। अहिंसा को उन्होंने जैन धर्म में अच्छी तरह स्थापित कर दिया था। सांसारिकता पर विजयी होने के कारण वे जिन (जयी) कहलाए। उन्हीं के समय से इस संप्रदाय का नाम जैन हो गया।

क्या आप भी भगवान को फूल चढ़ाते हैं

राजा राम मोहन राय के बगीचे में बड़े ही सुंदर फूलों के पेड़ लगे थे। एक व्यक्ति था जो हर रोज वहां आता और उनसे पूछे बिना ही पूजा के लिए फूल तोड़ कर ले जाता। यह सिलसिला लगातार कई दिनों तक चलता रहा। रोज की तरह ही एक दिन उस व्यक्ति ने फूल तोड़ने के लिए अपनी चादर उतारी और पेड़ पर लटका कर फूल तोड़ने लगा। उसी समय राजा राम मोहन राय के आदेशानुसार एक सेवक ने उस व्यक्ति की वह चादर उठा ली और राजा राम मोहन राय को दे दी।

फूल तोड़ने के बाद जब वह व्यक्ति अपनी चादर लेने के लिए उस पेड़ के पास गया, जहां उसने उसे लटकाई थी, तो वहां चादर न देख वह हैरान रह गया और सोचने लगा कि आखिर उसकी चादर गई कहां? वह गुस्से से आग-बबूला हो गया। कुछ देर बाद राजा राम मोहन राय आए और उन्होंने उस व्यक्ति को उसकी चादर लौटाते हुए कहा, 'अब तो खुश हैं आप, आपको आपकी चादर वापस मिल गई।

उस व्यक्ति ने गुस्से में ही जवाब दिया, खुश? इसमें खुश होने वाली कौन-सी बात है, मुझे अपनी ही वस्तु मिली है।''

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति से पूछा, आप रोज फूल तोड़कर कहां ले जाते हैं?

उस व्यक्ति ने जवाब दिया, मैं ये फूल तोड़कर मंदिर में ले जाता हूं। भगवान को खुश करने के लिए उनको ये फूल अर्पित करता हूं।

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति का यह जवाब सुनकर कहा, पहली बात तो यह कि आप बिना पूछे ही फूल तोड़कर ले जाते हैं। चलो कोई बात नहीं, लेकिन आप भगवान की दी हुई वस्तु भगवान को अर्पित करते हैं, तो इससे भगवान खुश होते हैं क्या?

उस व्यक्ति ने कहा, क्यों नहीं, भगवान को फूल ही तो पसंद हैं, भगवान को फूलों से खुशी मिलती है।

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति से कहा, तो आपको चादर मिलने पर खुशी क्यों नहीं हुई?

राजा राम मोहन राय की यह बात सुनकर वह व्यक्ति सोच में पड़ गया और राजा राम मोहन राय बिना कुछ और कहे लौट गए।

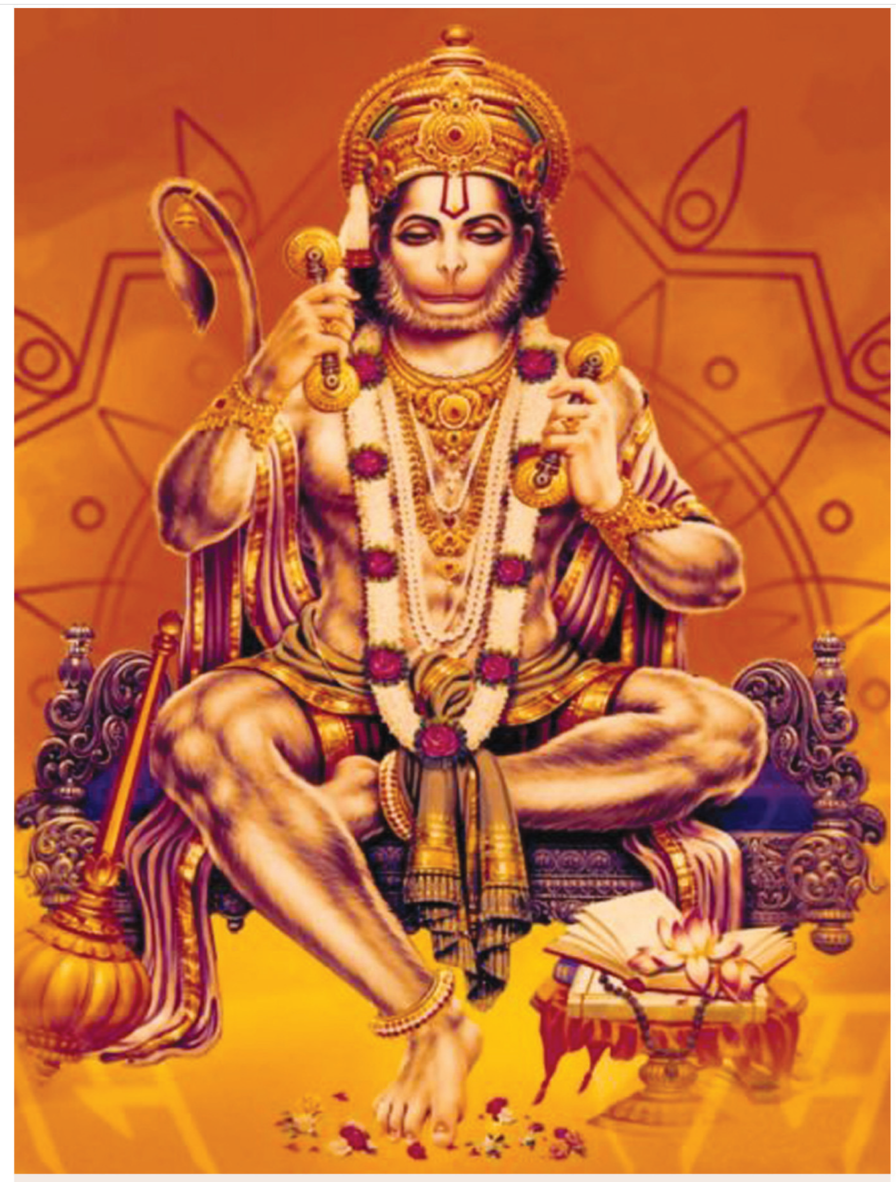

फलदायी होती हैं हनुमान चालीसा की ये चौपाइयां

हनुमानजी की स्तुति हनुमान चालीसा से हम सभी परिचित हैं। हनुमान चालीसा की रचना गोस्वामी तुलसीदास जी ने की थी। हिंदू धर्म ग्रंथों में उल्लेखित है कि बाल्यकाल में जब हनुमानजी ने सूर्य को मुंह में रख लिया तब सूर्य को मुक्त कराने के लिए देवराज इंद्र ने हनुमानजी पर शस्त्र से प्रहार किया। इसके बाद हनुमान जी मूर्छित हो गए। हनुमानजी के मूर्छित होने की बात जब वायु देव को पता चली तो काफी नाराज हुए। लेकिन जब सभी देवताओं को पता चला कि हनुमानजी भगवान शिव के रुद्र अवतार हैं, तब सभी देवताओं ने हनुमानजी को कई शक्तियां दीं। देवताओं ने जिन मंत्रों और हनुमानजी की विशेषताओं को बताते हुए उन्हें शक्ति प्रदान की थी, उन्हीं मंत्रों के सार को गोस्वामी तुलसीदास ने हनुमान चालीसा में वर्णित किया है। हनुमान चालीसा में मंत्र नहीं हैं लेकिन हनुमानजी की पराक्रम की विशेषताएं बताई गईं हैं। हनुमान चालीसा में ही ऐसी 5 चौपाईयां हैं, जिनका यदि नियमित सच्चे मन से वाचन किया जाए तो यह परम फलदायी सिद्ध होती हैं। हनुमान चालीसा का वाचन मंगलवार या शनिवार करना शुभ होता है। ध्यान रखें हनुमान चालीसा की इन चौपाइयों को पढ़ते समय उच्चारण की त्रुटि न करें।

भूत-पिशाच निकट नहीं आवे। महावीर जब नाम सुनावे।।

उपाय- यदि व्यक्ति को किसी भी प्रकार का भय सताता है तो नित्य रोज प्रातः और सायंकाल में 108 बार इस चौपाई का जाप किया जाये तो सभी प्रकार के भय से मुक्ति मिलती है।

नासै रोग हरै सब पीरा। जपत निरंतर हनुमत बल बीरा।।

उपाय- यदि व्यक्ति बीमारियों से घिरा रहता है तो निरंतर सुबह-शाम 108 बार जप करके तथा मंगलवार को हनुमान जी की मूर्ति के सामने पूरी हनुमान चालीसा के पाठ से रोगों की पीड़ा खत्म हो जाती है।

अष्ट-सिद्धि नवनिधि के दाता। अस बर दीन जानकी माता।।

उपाय- यदि जीवन में व्यक्ति को शक्तियों की प्राप्ति करनी है ताकि जीवन निर्वाह में मुश्किलों का कम सामना करना पड़े तो नित्य रोज, ब्रह्म मुहूर्त में आधा घंटा इन पंक्तियों के जप से लाभ प्राप्त हो सकता है।

विद्यावान गुनी अति चातुर। रामकाज करीबे को आतुर।।

उपाय- यदि किसी व्यक्ति को विद्या और धन चाहिए तो इन पंक्तियों के जप से हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त हो जाता है। प्रतिदिन 108 बार ध्यानपूर्वक जप करने से व्यक्ति के धन सम्बंधित दुःख दूर हो जाते हैं।

भीम रूप धरि असुर संहारे। रामचंद्रजी के काज संवारे।।

उपाय- यदि कोई व्यक्ति शत्रुओं से परेशान हैं या व्यक्ति के कार्य नहीं बन पा रहे हैं तो हनुमान चालीसा की इस चौपाई का कम से कम 108 बार जप करना चाहिए।

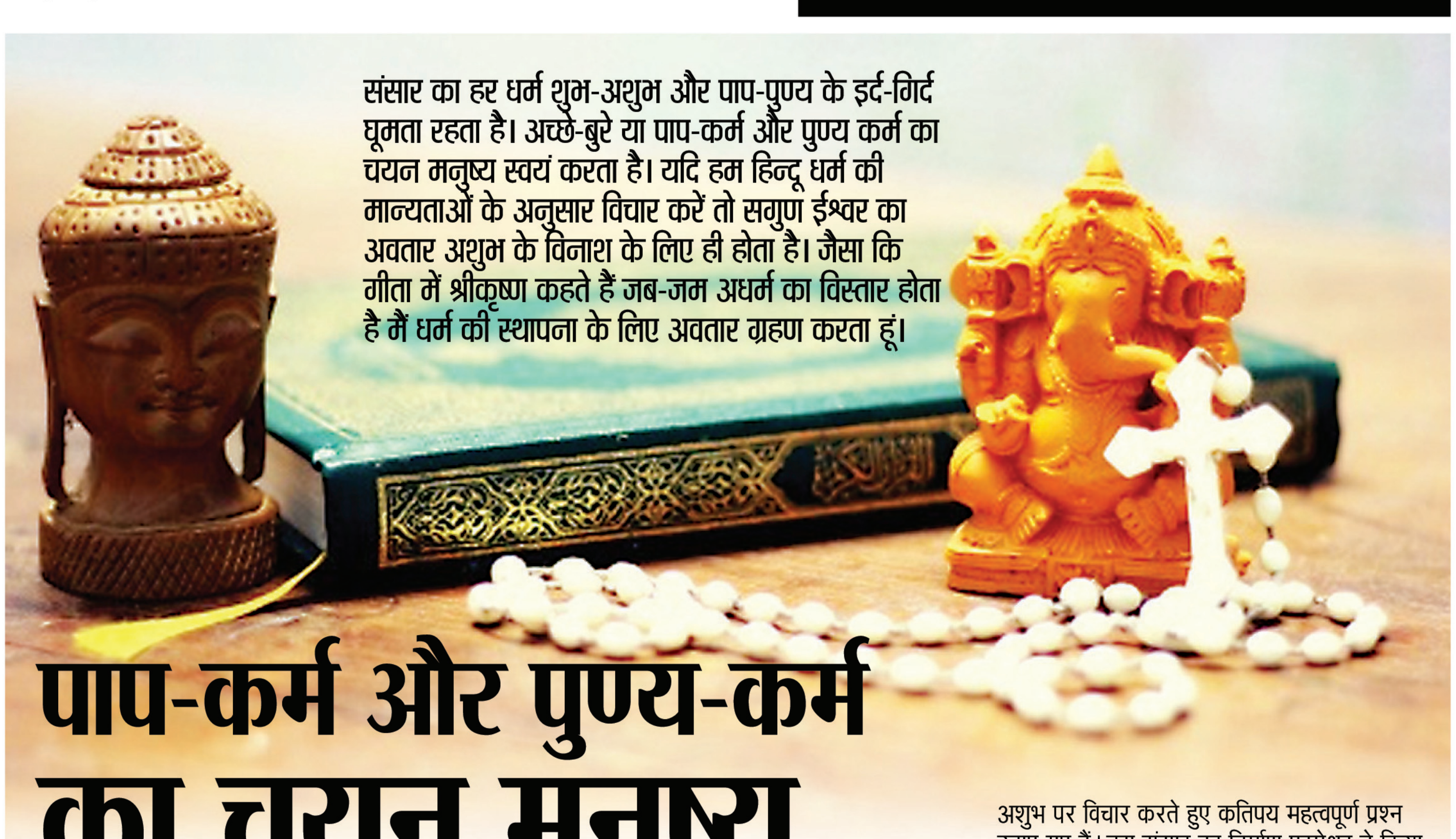

संसार का हर धर्म शुभ-अशुभ और पाप-पुण्य के इर्द-गिर्द घूमता रहता है। अच्छे-बुरे या पाप-कर्म और पुण्य कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है। यदि हम हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार विचार करें तो सगुण ईश्वर का अवतार अशुभ के विनाश के लिए ही होता है। जैसा कि गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं जब-जम अधर्म का विस्तार होता है मैं धर्म की स्थापना के लिए अवतार ग्रहण करता हूं।

पाप-कर्म और पुण्य-कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है

शुभ और अशुभ व पुण्य और पाप की समस्या कर्म-फल-सिध्दांत पर आधारित हैं। जीव यदि अशुभ कर्मों की ओर प्रेरित होता है तो इसके पीछे उसकी अल्पज्ञता, अज्ञान होता है। संसार का हर धर्म शुभ-अशुभ और पाप-पुण्य के इर्द-गिर्द घूमता रहता है। ईसाई धर्म में ईश-चिंतन के संदर्भ में उक्त विचारधारा प्राप्त होती है। ईश्वर परम शुभ है। अत: उस पर पाप या अशुभ का आरोपण नहीं किया जा सकता। बाइबिल में काम-वासना को पाप या अशुभ की संज्ञा दी गई है और उसका शैतान कहा गया है। ईसाई नीतिशास्त्र में पाप या अशुभ पर विचार करते हुए कतिपय महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए गए हैं। इस संसार का निर्माण परमेश्वर ने किया, किन्तु संसार में सर्वत्र पाप ही पाप है। यदि ईश्वर ने सृष्टि की रचना की और ईश्वर शुभ और सर्वशक्तिमान है तो सृष्टि में शुभ ही शुभ होना चाहिए। ईसाई धर्म के अनुसार ईश्वर ने मनुष्य को कर्म की स्वतंत्रता प्रदान की है। अत- अच्छे-बुरे या पाप-कर्म और पुण्य कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है। यदि हम हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार विचार करें तो सगुण ईश्वर का अवतार अशुभ के विनाश के लिए ही होता है। जैसा कि गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं जब-जम अधर्म का विस्तार होता है मैं धर्म की स्थापना के लिए अवतार ग्रहण करता हूं। बाइबिल में ईसा मसीह को पुत्रेश्वर कहा गया है। परमेश्वर के पुत्र के रूप में ईसा मसीह संसार के पापों को दूर करने के लिये-ही धरती पर आए थे।

मालवा की वैष्णो देवी नीमच की भादवा माता

गुप्त नवरात्र शुरू हो गए हैं। इस मौके पर हम आपको एक ऐसे शक्तिपीठ के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि उनकी कृपा से शहर में कोई भूखा नहीं सोता। किसी के पास पैसे की तंगी नहीं रहती है। लोक कथाओं के अनुसार, हरसिद्धि मंदिर में उज्जैन के राजा रहे विक्रमादित्य की आराध्य देवी का वास है। शिवपुराण के अनुसार दक्ष प्रजापति के हवन कुंड में माता के सती हो जाने के बाद भगवान भोलेनाथ सती को उठाकर ब्रह्मांड में ले गए थे। इस दौरान माता सती के अंग जिन स्थानों पर गिरे, वहां शक्तिपीठ स्थापित हो गए। कहा जाता है इस स्थान पर माता के दाहिने हाथ की कोहनी गिरी थी और इसी कारण से यह स्थान भी एक शक्तिपीठ बन गया है। स्कंद पुराण के अनुसार, देवी को चंड एवं मुंड नामक राक्षस के वध के लिए भगवान शिव से सिद्धि मिली थी, इसीलिए वह हरसिद्धि कहलाई। गर्भगृह में एक शिला पर श्रीयंत्र उत्कीर्ण है, जो शक्ति का प्रतीक है। यहां माता लक्ष्मी, महासरस्वती के साथ ही अन्नपूर्णा माता विराजमान हैं। यह स्थान उज्जैन के प्राचीन देवी स्थानों में अपना विशेष महत्व रखता है। वर्तमान में मंदिर के पुनर्निर्माण का श्रेय मराठों को जाता है। मंदिर के सामने मराठा वास्तुकला के अनुसार दीप स्तंभ स्थापित किए गए हैं, जिनमें 1001 दिये बने हुए हैं। दक्षिण में बनी एक बावड़ी पर 1447 संवत का एक शिलालेख भी उत्कीर्ण है। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित शेषनारायण गोस्वामी ने बताया कि गर्भगृह में सबसे ऊपर विराजमान हैं मां अन्नपूर्णा, जिनकी वजह से उज्जैनी में हमेशा भंडारे चलते रहते हैं। कहा जाता है कि उनकी कृपा से उज्जैन में कोई भूखा नहीं सोता है। बीच में मां लक्ष्मी के स्वरुप में है, जिनकी वजह से किसी को भी लक्ष्मी की कमी नहीं आती। सबसे नीचे विराजित हैं महाकाली।

डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस को मिली पहली जीत, दिल्ली कैपिटल्स को हराया

नवी मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस (एमआई) ने यहां महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट मुकाबले (डब्ल्यूपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स को 50 रनो से हराकर अच्छी वापसी की है। मुंबई इंडियंस इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अपने पहले ही मैच में हार गयी थी। इस मैच में जीत से टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है जबकि दिल्ली कैपिटल्स अपना दूसरा मुकाबाल जीतकर सबसे नीचे है। मुंबई इंडियंस की टीम ने कैपिटल्स के खिलाफ 4 विकेट के नुकसान पर 195 रन बनाए। अमेलिया केर अपना खाता भी नहीं खोल पायी। जी कमलिनी ने नैट साइवर-ब्रंट के साथ 32 गेंदों में 49 रन की बनाकर टीम को संभाला। कमलिनी 16 रन बनाकर पेवेलियन लौट। , इसके बाद साइवर-ब्रंट ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिए 66 रन बनाकर टीम को 117 रन तक पहुंचाया। साइवर-ब्रंट ने 70 रन बनाये। हरमनप्रीत ने नाबाद 74 रन जबकि निकोला ने 21 रन बनाये।

कैपिटल्स की ओर से नंदिनी शर्मा ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले, जबकि चिनेल हेनरी और श्री चरणी ने 1-1 विकेट हासिल लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स की टीम 19 ओवरों में 145 रन ही बना पायी। टीम ने लिजेली ली का विकेट शुरुआत में ही खो दिया। ली ने 10 रन बनाये। इसके बाद शेफाली वर्मा ने भी केवल 8 रन बनाकर ही आउट हो गयीं। चिनेल हेनरी ने निकी प्रसाद के साथ छठे विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने का प्रयास किया पर असफल रहीं। चिनेल हेनरी ने सबसे अधिक 56 रन बनाए, जबकि निकी प्रसाद ने 12 रन की बनाये। मुम्बई की ओर से निकोला कैरी और अमेलिया केर ने 3-3 विकेट।

मलेशिया ओपन: वर्ल्ड नंबर 1 शी चोट के कारण बाहर, थाईलैंड के विटिडसर्न बने चैंपियन

कुआलालम्पुर (एजेंसी)। चीन के वर्ल्ड नंबर 1 शी यूकी रविवार को थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न के खिलाफ मलेशिया ओपन फाइनल के दौरान पीठ की चोट के कारण रिटायर हो गए। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन शी दर्द में खेल रहे थे, लेकिन पहला गेम 21-23 से हारने के बाद उन्होंने मैच छोड़ दिया। मैच के बाद उन्होंने कुनलावुत की तारीफ की।

उन्होंने कहा, 'कुनलावुत हमेशा से बहुत मजबूत खिलाड़ी रहे हैं और अभी दुनिया के टॉप खिलाड़ियों में से एक हैं। उनके खिलाफ खेलना हमेशा एक सीखने वाला अनुभव होता है, खासकर इस तरह के फाइनल स्टेज पर।' महिला सिंगल्स फाइनल में, दक्षिण कोरिया की ओलंपिक चैंपियन एन से-यंग ने चीन की वांग झेई को 21-15, 24-22 से हराया।

वांग ने कहा कि दूसरे गेम में उनके पास मैच पलटने के मौके थे, लेकिन अहम पलों में वह चूक गईं। उन्होंने कहा, 'जब मैं पिछड़ रही थी, तो मुझे बेहतर टैक्टिकल जवाब देने चाहिए थे। मुझे उम्मीद है कि अगली बार मैं बेहतर प्रदर्शन करूंगी।' चीन ने लियू शेंगशु और टैन निंग, और फेंग यानझे और हुआंग डोंगपिंग के जरिए महिला डबल्स और मिक्स्ड डबल्स के खिताब जीते। लियू और टैन ने महिला डबल्स फाइनल में दक्षिण कोरिया की बाएक हा-ना और ली सो-ही को 21-18, 21-12 से हराया, जबकि फेंग और हुआंग ने मिक्स्ड डबल्स फाइनल में अपने ही देश के जियांग झेनबांग और वेई याक्सिन को 21-19, 21-19 से हराया। पुरुष डबल्स में, दक्षिण कोरिया के किम वोन हो और सियो सेउंग जे ने मलेशिया के आरोन चिया टेंग फोंग और सोह वूई यिक को 21-15, 12-21, 21-18 से हराया।

52 साल के हुए द्रविड़ को जन्मदिन पर मिली बधाइयां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के भरोसेमंद बल्लेबाज राहुल द्रविड़ रविवार 11 जनवरी को 52 साल पूरे हो गए। द्रविड को इस अवसर पर क्रिकेट जगत के साथ ही प्रशंसकों ने भी शुभकामनाएं दी हैं। खेल हस्तियों और संगठनों ने उनके खेल करियर की उपलब्धियों, भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान और उनके शांत स्वभाव की प्रशंसा की है।

द्रविड़ अपनी शानदार बल्लेबाजी के कारण कठिन हालातों में भी भारतीय टीम की ढ़ाल बनकर सामने आये। वह टीम के कप्तान भी रहे। वह हमेशा ही एक शांत क्रिकेटर रहे। खेल से संन्यास के बाद कोच और कमेंटेटर के तौर पर भी वह खासे सफल रहे। आईपीएल में भी वह कई टीमों से जुड़े रहे हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार द्रविड़ अपने शुरुआती दिनों में क्रिकेट नहीं बल्कि हॉकी पसंद करते थे। प्लेयर बनने का था. वह स्कूल में हॉकी खेला करते थे। स्कूल टीम में वह सेंटर-हाफ के तौर पर खेलते थे। द्रविड़ राज्य की जूनियर टीम में भी रहे थे। एक दिन कोच ने अचानक ही उन्हें सेंटर-हाफ से हटाकर राइट-हाफ में खेलने भेज दिया। तब उन्हें लगा कि उनके खेल का स्तर अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, ÷हॉकी टीम में पोजीशन बदलने के बाद मेरे पास क्रिकेट में जाने का विकल्प था।.÷ इसी कारण उनका ध्यान क्रिकेट की ओर आ गया। इसके बाद उन्हें हॉकी से ज्यादा क्रिकेट में आनंद आने लगा और वह क्रिकेट में ही रम गये। जूनियर लेवल पर धीरे-धीरे उनकी पहचान बनने लगी। इसी दौरान नाम कोच केकी तारापोर की उनकी प्रतिभा का पहचाना और यहीं से उनका खेल में आगे बढ़ने का सफर शुरु हो गया। उन्हें 1990 में पहली बार कर्नाटक राज्य टीम में शामिल किया गया। घरेलू क्रिकेट में डेब्यू के बाद द्रविड़ को छह साल बाद भारतीय टीम में जगह मिल गयी। द्रविड़ ने अप्रैल, 1996 में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय में डेब्यू का मौका मिला। जिसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। द्रविड़ ने भारतीय टीम के दिग्गज खिलाड़ियों में जगह बनाने के साथ ही भारत के लिए 164 टेस्ट, 344 एकदिवसीय और 1 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलते हुए 52.31 की औसत से 13288 रन बनाए। उन्होंने 63 अर्धशतक और 36 शतक लगाये। टेस्ट में द्रविड़ के नाम 5 दोहरे शतक भी है। वहीं एकदिवसीय में द्रविड़ ने 10889 रन बनाए हैं। इस फॉर्मेट में उनके नाम 83 अर्धशतक और 12 शतक है। उनके खेल की सबसे बड़ी खूबी ये रही कि वह एक भरोसेमंद बल्लेबाज रहे हैं जब भी टीम संकटों में घिरी द्रविड़ ने उसे संभाला। कई शीर्ष गेंदबाज भी उनके सामने विफल रहे। इसी कारण उन्हें भारत की दीवार भी कहा जाता रहा है।

एशेज ट्रॉफी की कीमत सिर्फ 7.99 पाउंड: क्यों सबसे खास है क्रिकेट की यह जंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिडनी में इंग्लैंड को हराकर ऑस्ट्रेलिया ने एक बार फिर एशेज पर कब्जा बरकरार रखा और क्रिकेट की सबसे पुरानी व प्रतिष्ठित प्रतिद्वंद्विता को नया अध्याय दे दिया। एशेज को सिर्फ एक द्विपक्षीय सीरीज़ कहना इसकी महत्ता को कम करके आंकना होगा। यह मुकाबला डेढ़ सौ साल से भी अधिक पुरानी परंपरा, राष्ट्रीय सम्मान और खिलाड़ियों की शारीरिक व मानसिक सहनशक्ति की अंतिम परीक्षा माना जाता है। हैरानी की बात यह है कि जिस ट्रॉफी के लिए इतनी कड़ी जंग होती है, उसकी वास्तविक कीमत महज़ 7.99 पाउंड, यानी लगभग 968 रुपये आंकी गई है, फिर भी इसकी प्रतिष्ठा किसी विश्व कप या आईसीसी ट्रॉफी से कम नहीं मानी जाती।

एशेज ट्रॉफी दरअसल एक छोटा सा कलश है, जिसे 1882 में इंग्लैंड की ऑस्ट्रेलिया से ऐतिहासिक हार के बाद प्रतीकात्मक रूप से बनाया गया था। मान्यता है कि इसमें जली हुई बेल्स की राख रखी गई है। आज विजेता टीम को जो ट्रॉफी सौंपी जाती है, वह मूल कप प्रतिकृति होती है, जबकि असली कलश लंदन के लॉर्ड्स म्यूज़ियम में सुरक्षित है। क्रिकेट इतिहासकारों और बोर्ड से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इसकी भौतिक कीमत बेहद मामूली है, लेकिन इसका भावनात्मक और ऐतिहासिक मूल्य अनमोल है।

इस बात का दिलचस्प खुलासा इंग्लैंड के महान तेज़ गेंदबाज़ जिमी एंडरसन ने अपनी आत्मकथा ÷फाइंडिंग दा ऐज÷ में किया है। एंडरसन ने 2009 की एशेज जीत के बाद का एक किस्सा साझा करते हुए बताया कि जश्न के दौरान जब वे और ग्रैम स्वान ट्रॉफी थामे हुए थे, तो उन्हें उसके नीचे कुछ चिपका हुआ महसूस हुआ। ट्रॉफी को पलटने पर पता चला कि उस पर अब भी प्राइज़ टैग लगा था, जिस पर 7.99 पाउंड लिखा हुआ था। जल्दबाज़ी में टैग हटाना तक भूल जाना इस बात का प्रतीक था कि एशेज जीतने की खुशी में खिलाड़ी हर छोटी-बड़ी चीज़ से बेखबर हो जाते हैं।

एशेज ट्रॉफी की कम कीमत अक्सर लोगों को चौंकाती है, लेकिन यही इसकी खूबी भी है। इस ट्रॉफी के लिए खिलाड़ी अपना करियर, शरीर और मानसिक संतुलन तक दांव पर लगा देते हैं। महीनों की थकान, चोटों का दर्द और अपार दबाव झेलने के बाद इसे जीतना ही असली पुरस्कार है। यही कारण है कि 7.99 पाउंड की यह ट्रॉफी भावनात्मक और ऐतिहासिक मायनों में क्रिकेट की सबसे महंगी और सबसे कठिन उपलब्धि मानी जाती है।

टॉप सीड एलिना स्वितोलिना ने ऑकलैंड का खिताब जीता

वेलिंगटन। टॉप-सीड एलिना स्वितोलिना ने रविवार को अपना 19वां WTA खिताब जीता, उन्होंने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में ACB क्लासिक फाइनल में चीन की वांग शिन्यू को 6-3, 7-6(8) से हराया। 31 साल की यूक्रेनी खिलाड़ी ने सभी चार ब्रेक पॉइंट बचाए, पहले सर्व के 74 प्रतिशत पॉइंट जीते, और मैच का एकमात्र ब्रेक 4-2 पर वांग की सर्विस तोड़कर हासिल किया, जिसके बाद उन्होंने दूसरे सेट का टाईब्रेक जीता। स्वितोलिना ने 2025 के आखिर में चोट के कारण चार मैचों की हार का सिलसिला खत्म करते हुए WTA 250 इवेंट में लगातार पांच मैच जीते। एक घंटे और 42 मिनट तक चले मैच के बाद कोर्ट पर स्वितोलिना ने कहा, 'एक और खिताब जीतना वाकई बहुत अच्छा लग रहा है, खासकर मेरे लिए साल के बहुत अच्छे अंत के बाद।' सातवीं वरीयता प्राप्त 24 साल की वांग ने शनिवार को सेमीफाइनल में फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला को हराकर अपने करियर का दूसरा फाइनल खेला। वह इससे पहले पिछले जून में बर्लिन में घास के कोर्ट पर WTA फाइनल में पहुंची थीं, जहां उन्हें चेक खिलाड़ी मार्केटा वोंद्रोसोवा से हार का सामना करना पड़ा था।

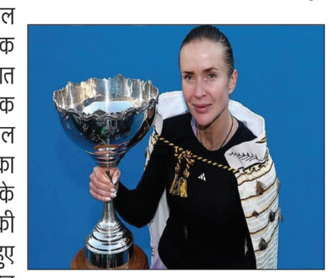

फीफा विश्व कप ट्रॉफी दिल्ली पहुंची, वर्ल्ड टूर के तहत तीन दिन भारत में रहेगी

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 की असली ट्रॉफी शनिवार को अपने वर्ल्ड टूर के तहत भारत पहुंची, जो यहां तीन दिनों तक रहेगी। इस दौरान यह ट्रॉफी दो दिनों तक दिल्ली में रहेगी और उसके बाद इसे असम के गुवाहाटी ले जाया जाएगा। फीफा विश्व कप की शुरुआत 11 जून को होगी। विश्व कप ट्रॉफी लगभग 12 साल के बाद भारत आई है। इस ट्रॉफी टूर का आयोजन वैश्विक पेय कंपनी कोका-कोला कर रही है, जो फीफा विश्व कप की आधिकारिक भागीदार है। यहां आयोजित एक समारोह में ब्राजील के पूर्व विश्व कप विजेता खिलाड़ी और फीफा दिग्गज गिलबर्टो सिल्वा तथा केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया की उपस्थिति में इस असली ट्रॉफी का अनावरण किया गया। इस अवसर पर मंडाविया ने कहा कि यह ट्रॉफी देश के युवाओं को फुटबॉल के खेल के प्रति प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में खेल एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बनकर उभरा है। हम एक दशक के भीतर, यानी 2036 तक भारत को दुनिया के शीर्ष दस खेल राष्ट्रों में शामिल करने के लिए काम कर रहे हैं। कोका-कोला इंडिया और दक्षिण पश्चिम एशिया के अध्यक्ष संकेत रे ने कहा कि खेल राष्ट्र निर्माण का एक बहुत मजबूत और शक्तिशाली स्तंभ बनकर उभरा है। उन्होंने कहा, इसकी वजह विकसित भारत 2047 के साथ निकटता से जुड़ी है, जहां युवा भारत विश्व मंच पर नेतृत्व करने, प्रतिस्पर्धा करने और उत्कृष्टता हासिल करने के लिए तैयार है। फीफा विश्व कप के साथ कोका-कोला का जुड़ाव खेलों और युवाओं पर इस राष्ट्रीय ध्यान को साकार करता है। उन्होंने बताया कि कोका-कोला 1978 से फीफा विश्व कप का आधिकारिक भागीदार रहा है और दुनिया भर में नियमित रूप से इसका प्रचार कर रहा है।

विराट कोहली सबसे तेज 28000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने, सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा

वडोदरा। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के दौरान इंटरनेशनल क्रिकेट में सभी फॉर्मेट में 28,000 रन बनाने वाले सबसे तेज खिलाड़ी बन गए और सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। अपने 624वें इनिंग में खेलते हुए कोहली ने न्यूजीलैंड के लेग-स्पिनर आदित्य अशोक की गेंद पर चौका लगाकर यह मुकाम हासिल किया। तेंदुलकर ने यह मुकाम अपने 644वें इनिंग में हासिल किया था, जबकि श्रीलंकाई दिग्गज कुमार संगकारा, जो 28000 रन क्लब में तीसरे खिलाड़ी हैं ने यह उपलब्धि अपने 666वें इनिंग में हासिल की थी। इस 37 साल के बल्लेबाज ने इस मैच से पहले इंटरनेशनल क्रिकेट में सभी फॉर्मेट में 27975 रन के साथ उतरे थे। तेंदुलकर ने 782 इनिंग में 34357 रन बनाए जबकि संगकारा ने 666 इनिंग में 28016 रन बनाए। फरवरी 2023 में कोहली 25000 रन बनाने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बने थे। उन्होंने यह मुकाम 549 इनिंग में हासिल किया था जो तेंदुलकर से 28 इनिंग पहले था। अक्टूबर 2023 में कोहली 26000 रन बनाने वाले सबसे तेज खिलाड़ी बने। एक साल बाद सितंबर 2024 में उन्होंने अपने 594वें इनिंग में 27000 रन पूरे किए।

टी20 फॉर्मेट में भारत अलग चुनौती पेश करता है, वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचना तय

-क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ ने टीम इंडिया की घरेलू परिस्थितियों में मजबूती की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और दिग्गज क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ ने टीम इंडिया की घरेलू परिस्थितियों में मजबूती और गहराई की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भारत जैसी टीम को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता और आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उसका सेमीफाइनल तक पहुंचना तय माना जा सकता है।

स्मिथ ने कहा कि घरेलू मैदानों पर खेला जाने वाला यह विश्व कप भारत को अतिरिक्त बढ़त देगा और टीम ट्रॉफी जीतने की प्रबल दावेदार है। हाल ही में भले ही दक्षिण अफ्रीका ने भारत को उसके घर में टेस्ट सीरीज हराई हो, लेकिन स्मिथ के मुताबिक टी20 फॉर्मेट में भारत अलग चुनौती पेश करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय टी20 टीम में आक्रामकता, गहराई और मैच जिताने की क्षमता है। स्मिथ ने यह कहा कि टेस्ट और टी20 क्रिकेट की परिस्थितियां और मांगें अलग होती हैं, इसलिए टेस्ट सीरीज के नतीजों को टी20 वर्ल्ड कप से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ग्रीम स्मिथ ने भारतीय क्रिकेट में चल रहे बदलाव के दौर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में टीम एक नए फेज से गुजर रही है, जहां सीनियर खिलाड़ियों और नई पीढ़ी के बीच संतुलन बनाने की कोशिश हो रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह ट्रांजिशन कितनी तेजी और मजबूती से आगे बढ़ता है। हालांकि, स्मिथ का मानना है कि भारत की टैलेंट पूल इतनी मजबूत है कि किसी भी स्थिति में टीम प्रतिस्पर्धी बनी रहती है। उन्होंने कहा कि अगर भारत टॉप-4 में नहीं पहुंचता है तो यह उनके लिए हैरानी की बात होगी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत में अब एक महीने से भी कम समय बचा है और स्मिथ पहले से ही एक रोमांचक फाइनल की कल्पना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी ख्वाहिश है कि दक्षिण अफ्रीका फाइनल में भारत को हराकर खिताब जीते। स्मिथ के मुताबिक अगर टीम सही कॉम्बिनेशन के साथ उतरती है और मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज भारतीय परिस्थितियों में स्पिन के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो दक्षिण अफ्रीका को इतिहास रचने का सुनहरा मौका होगा।

मोलेइरो के शानदार प्रदर्शन की बदौलत विलारियल ने ला लिगा में एलवेस को हराया

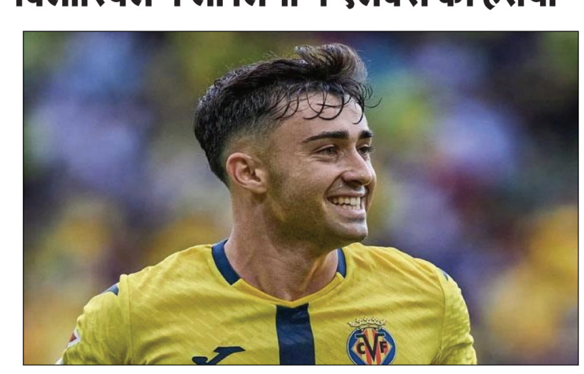

बार्सिलोना। अल्बर्टो मोलेइरो के शानदार खेल से विलरियाल ने ला लिगा (स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग) मैच में एलवेस को 3-1 से हराकर लीग तालिका में तीसरे स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। कैनरी द्वीप समूह के इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने मध्यांतर के बाद मैच का पहला और मौजूदा सत्र का अपना आठवां गोल दागा। अनुभवी स्ट्राइकर गेरार्ड मोरेनो ने 55वें मिनट में घरेलू टीम की बढ़त दोगुनी कर दी। मोलेइरो ने इसके बाद टीम के तीसरे गोल की नींव रखी, जब उन्होंने दो डिफेंडरों के बीच से सटीक पास निकालकर जॉर्जिया के स्ट्राइकर जॉर्जेस मिकाउताद्जे के लिए मौका बनाया। मिकाउताद्जे ने गोल कर टीम को 3-0 से आगे कर दिया। एलवेस की ओर से टोनी मार्टिनेज ने 85वें मिनट में गोल कर हार के अंतर कम किया। इस जीत के बाद विलारियाल में तालिका पर शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना से आठ अंक और दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड से चार अंक कम हैं। वहीं, वह चौथे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से तीन अंक आगे है। अन्य मैचों में गिरोना ने शनिवार को ओसासुना को 1-0 से हराया। तालिका में निचले स्थान पर काबिज रियाल ओविएदो ने रियाल बेटिस को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया।

एस 20 मैच में लगी आग के बाद भी चलता रहा मैच

जोहांसबर्ग। यहां खेले जार हे एसए 20 के 19वें मैच के दौरान भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गयी हालांकि राहत की बात ये रही कि किसी की जान नहीं गयी। ये मामला पर्ल रॉयल्स और प्रीटोरिया कैपिटल्स के बीच हुए मैच का है। जा इय मैच के दौरन ही स्टेडियम की पार्किंग में आग लगने से स्टेडियम में बैठे प्रशंसक डर गये। आग पर किसी प्रकार से बचाव दल ने नियंत्रण कर हालात संभाले। आग के बाद भी मैच जारी रहा। इस मैच में प्रीटोरिया कैपिटल्स की टीम ने 21 रनों से जीत हासिल की। प्रीटोरिया कैपिटल्स की टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 138 रन बनाये। सबसे अधिक 42 रन शेरफन रदरफोर्ड ने बनाये। वहीं वहीं शाई होप ने 22 रन बनाये। रॉयल्स की तरफ से हारिस विल्जोन, डेन लॉरेंस और सिकंदर रजा ने दो-दो विकेट लिए जबकि नकोबानी मोकोएना ने एक विकेट लिया। इसके बाद 139 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पर्ल रॉयल्स की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर केवल 117 रन ही बना पायी। रॉयल्स की ओ से कप्तान डेविड मिलर ने सबसे अधिक 45 रन जबकि रुबिन हार्मेन ने 35 रन बनाए पर ये दोनो टीम को जीत तक नहीं पहुंचा पाये। वहीं गेंदबाजी में कैपिटल्स की ओर से केशव महाराज ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

मेदवेदेव ने मिशेलसेन को हराकर ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के फाइनल में जगह बनायी

ब्रिस्बेन। रुस के टेनिस स्टार दानिल मेदवेदेव ने अमेरिका के एलेक्स मिशेलसेन को 6-4, 6-2 से हराकर ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के फाइनल में पवेश किया है। मेदवेदेव को हालांकि जीत के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। इसी के साथ ही मेदवेदेव ने अपने करियर में 41वें टूर-लेवल फाइनल में जगह बनायी है। मेदवेदेव ने एलेक्स के खिलाफ मुकाबले में हालांकि 27 गलतियां कीं पर उन्होंने दूसरे सेट में सभी चार ब्रेक अंकों को बचा लिया। इसी के साथ ही उन्होंने सबसे ज़्यादा फाइनल खेलने वाले अलेक्जेंडर ज़्वेरेव की बराबरी की। रुसी खिलाड़ी ने इस पर खुशी जतायी कि वह कई अवसरों पर एलेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहे। साथ ही कहा कि इसी कारण उन्हें जीत मिली। अब उनका मुकाबल फाइनल में अमेरिका के ही ब्रैंडन नाकाशिमा से होगा। इससे पहले नाकाशिमा ने एक अन्य मुकाबले में अलेक्जेंडर कोवासेविच को 7-6(4), 6-4 से हराकर अपने चौथे एटीपी टूर के फाइनल में स्थान बनया। साल 2022 में सैन डिएगो में अपने घर पर पहला खिताब जीतने के बाद यह उनका पहला फाइनल है। इस सप्ताह ब्रिस्बेन में अपने चार मैचों में वह एक भी सेट नहीं हारे है जिससे उनका मुकाबला फाइनल के लिए बढ़ा हुआ है।

न्यूजीलैंड सीरीज़ से बढ़ी हलचल, क्या 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक खेलेंगे विराट और रोहित

नई दिल्ली(एजेंसी)। विराट कोहली और रोहित शर्मा के न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज़ के लिए टीम इंडिया से जुड़ते ही भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर 2027 वनडे वर्ल्ड कप को लेकर चर्चाएं तेज़ हो गई हैं। जिस तरह से दोनों सीनियर बल्लेबाज़ हाल के महीनों में फिटनेस, फॉर्म और मैदान पर भूख के साथ नज़र आए हैं, उससे यह साफ संकेत मिलता है कि उनका भविष्य पूरी तरह उनके अपने फैसले पर निर्भर है। अक्टूबर से दिसंबर के बीच रोहित और विराट ने जिस प्रतिबद्धता के साथ क्रिकेट खेला है, उसने यह दिखा दिया है कि खेल अभी भी उनकी प्राथमिकता बना हुआ है। दोनों खिलाड़ियों ने न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खुद को साबित किया है, बल्कि बीसीसीआई की गाइडलाइंस के मुताबिक घरेलू क्रिकेट में भी हिस्सा लिया है। अगर उनके मन में 2027 वर्ल्ड कप का लक्ष्य न होता, तो ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम के खिलाफ द्विपक्षीय वनडे सीरीज़ खेलने का शायद ही कोई ठोस कारण होता। विराट कोहली और रोहित शर्मा ऐसे मुकाम पर हैं, जहां उन्हें किसी को कुछ साबित करने की ज़रूरत नहीं है। ऐसे में केवल औपचारिक वनडे मुकाबले खेलने का कोई अर्थ नहीं बनता, जब तक कि आगे कोई बड़ा लक्ष्य न हो।

फिलहाल दोनों का फॉर्म और फिटनेस उनकी सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आई है। रोहित शर्मा पहले से कहीं ज्यादा फिट दिख रहे हैं, जबकि विराट कोहली की फिटनेस हमेशा से ही उनकी पहचान रही है। अहम बात यह है कि दोनों रन बना रहे हैं, बड़े स्कोर खड़े कर रहे हैं और मैच पर अपनी पकड़ दिखा रहे हैं। आत्मविश्वास और अनुभव के इस मेल ने उन्हें एक बार फिर भारतीय वनडे टीम का मजबूत स्तंभ बना दिया है। अब सवाल सिर्फ इतना है कि क्या वे 50 ओवर के फॉर्मेट में आगे भी खेलना चाहते हैं और क्या 2027 वर्ल्ड कप को आखिरी बड़ी चुनौती के रूप में देखते हैं। विराट कोहली 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीत चुके हैं, लेकिन रोहित शर्मा के शानदार करियर में यह ट्रॉफी अब तक नहीं जुड़ पाई है। ऐसे में 2027 का वर्ल्ड कप रोहित के लिए एक परफेक्ट फिनाले साबित हो सकता है। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का भी मानना है कि दक्षिण अफ्रीका जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अनुभव और क्लास की जरूरत होगी, जो विराट और रोहित दोनों के पास भरपूर है।

यह भी हकीकत है कि वर्ल्ड कप से ठीक एक साल पहले टीम में बड़े बदलाव करना आसान नहीं होता। इसी वजह से तमाम संकेत यही इशारा कर रहे हैं कि विराट कोहली और रोहित शर्मा 2027 वर्ल्ड कप में भारतीय जर्सी में नजर आ सकते हैं। अगर ऐसा होता है, तो यह टूर्नामेंट भारतीय क्रिकेट के लिए किसी मेगा ब्लॉकबस्टर से कम नहीं होगा। फिलहाल, क्रिकेट प्रेमियों के लिए सबसे बेहतर यही है कि वे न्यूजीलैंड के खिलाफ इन दोनों दिग्गजों की बल्लेबाज़ी का भरपूर आनंद लें।

देश के 8 राज्य शीतलहर की चपेट में, अलर्ट जारी कहा- अभी और बढ़ेगी ठंड, 17 तक राहत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत के बड़े हिस्से में कड़ाके की ठंड, कोहरे और शीतलहर का कहर लगातार जारी है। बर्फीली हवाओं के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, जबकि पर्वतीय राज्यों में पारा शून्य से नीचे बना हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी 17 जनवरी तक उत्तर और पश्चिम भारत के राज्यों में शीतलहर और घने कोहरे की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

देश की राजधानी दिल्ली में शनिवार की सुबह इस सीजन की सबसे सर्द सुबह दर्ज की गई। गिरते तापमान और ठिठुरन को देखते हुए मौसम विभाग ने दिल्ली में अगले दो दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। शनिवार रविवार रात को न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिससे पूरी राजधानी ठिठुरती नजर आई। आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान महज 4.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.7 डिग्री कम है। पिछले महज चार दिनों के भीतर ही न्यूनतम तापमान में लगभग चार डिग्री की गिरावट आई है।

दिल्ली के साथ-साथ राजस्थान और बिहार के कई जिलों में कोल्ड डे (शीत दिवस) जैसी स्थिति बनी रही। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखंड और ओडिशा में भी शीतलहर ने लोगों को घरों में कैद रहने पर मजबूर कर दिया है। वहीं उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में पाला पड़ने से मुश्किलें और बढ़ गई हैं। पालम जैसे इलाकों में सुबह के वक्त दृश्यता का स्तर गिरकर मात्र 50 मीटर रह गया था, हालांकि दिन में धूप निकलने के बाद अधिकतम तापमान 20.2 डिग्री तक पहुंचा, जिससे मामूली राहत महसूस की गई। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, रविवार को पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, चंडीगढ़, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में शीत दिवस की स्थिति रहने के आसार हैं। विशेषकर पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 12 से 17 जनवरी के बीच कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी दी गई है। अब तक दिल्ली में बादलों और कोहरे की चादर के कारण धूप नहीं निकल रही थी, जिससे दिन का तापमान कम था। लेकिन अब बादलों के हटने और आसमान साफ होने के साथ ही न्यूनतम तापमान में तेज गिरावट दर्ज की जा रही है, जो शीतलहर के खतरे को बढ़ा रहा है। अगले एक हफ्ते तक उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में ठंड से राहत मिलने की उम्मीद कम ही नजर आ रही है।

सरकार के आदेश के बाद एक्स ने 600 अकाउंट और 3500 पोस्ट किए डिलीट

प्लेटफॉर्म ने दिया आश्वासन अश्लील सामग्री पोस्ट करने की नहीं देगा इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के आदेश के बाद सोशल मीडिया एक्स ने कई यूजर्स पर एक्शन लिया है। एक्स ने 600 अकाउंट को डिलीट कर दिया है। साथ ही एक्स ने अपने प्लेटफॉर्म से 3500 से ज्यादा पोस्ट भी हटाए हैं। केंद्र सरकार ने एक्स पर मौजूद अश्लील सामग्री पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद एक्स ने यह कदम उठाया। एक्स ने सरकार को आश्वासन दिया कि वह इस प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री पोस्ट करने की इजाजत नहीं देगा और नियमों का पालन करेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय सूचना प्रोद्योगिकी मंत्रालय ने एक्स के खिलाफ चेतावनी जारी की थी, जिसके एक हफ्ते बाद की ये कार्रवाई सामने आई है। केंद्रीय मंत्रालय ने ग्रोक पर एआई के दुरुपयोग और महिलाओं को अशोभनीय रूप से बदनाम करने के लिए अपमानजनक या अश्लील तरीके से उनकी तस्वीरें या वीडियो बनाने और साझा का आरोप लगाया है। मंत्रालय ने एक्स को चेतावनी दी थी कि 72 घंटे में पालन न करने पर कंपनी को कानूनी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। बता दें एलन मस्क के प्लेटफार्म एक्स के एआई चैटबाट ग्रोक की ओर से महिलाओं और बच्चों की अश्लील तस्वीरें बनाने का आरोप है। इसे लेकर दुनिया भर की सरकारों ने चिंता जताई और ग्रोक की आलोचना की। इस सूची में भारत के अलावा फ्रांस, ब्राजील, मलेशिया और यूरोपियन यूनियन का नाम शामिल है। गैर-लाभकारी समूह एआई फोरेंसिक ने कहा कि उसने 25 दिसंबर से एक जनवरी के बीच ग्रोक द्वारा बनाई गई 20,000 तस्वीरों का विश्लेषण किया और पाया कि दो फीसदी में बिकनी या पारदर्शी कपड़ों में 18 या उससे कम उम्र के व्यक्ति को दर्शाया गया है।

जम्मू-कश्मीर में ड्रोन से गिराई हथियारों की खेप, बीएसएफ ने की पाकिस्तानी साजिश नाकाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान से आए एक ड्रोन ने जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले की सीमा के नजदीक गांव में हथियार और गोला बारूद की खेप गिराई। खुफिया जानकारी मिलने पर बीएसएफ और जम्मू पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप की एक जॉइंट टीम ने इस साजिश को बेनकाब कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीम ने शुक्रवार रात को राजपुरा इलाके के पालूरा गांव में सर्च ऑपरेशन चलाया। मौके से एक पैकेट बरामद हुआ, जिसमें एक चीनी एचई ग्रेनेड, 9एमएम कार्ट्रिज के 16 राउंड, एक मैगजीन के साथ एक ग्लॉक पिस्टल और दो मैगजीन के साथ एक स्टार पिस्टल बरामद की। पुलिस ने बताया कि आने वाले गणतंत्र दिवस 26 जनवरी समारोह को बाधित करने के लिए आतंकवादियों की किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह रिकवरी की गई है। इससे पहले 21 नवंबर को सांबा की घगवाल तहसील में इंटरनेशनल बॉर्डर के पास एक गांव के ऊपर एक पाकिस्तानी ड्रोन देखा गया था, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने नशीले पदार्थों, हथियारों या दूसरे सामान की एयरड्रॉपिंग के शक में सर्च ऑपरेशन चलाया था। बता दें इस ऑपरेशन को अंजाम देने से पहले 27 अक्टूबर को बीएसएफ ने जम्मू जिले के रणबीर सिंह पुरा में सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। पाकिस्तानी ड्रोन से गिराए गए दो बैग बरामद किए गए, जिनमें पांच किलोग्राम से ज्यादा हेरोइन थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 25 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

ओडिशा की भाजपा सरकार ने किसानों के साथ धोखा किया : नवीन पटनायक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष और ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर किसानों के साथ धोखा करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राज्य में धान खरीद की व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है, जिससे किसान भारी संकट में हैं और खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। नवीन पटनायक ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी करते हुए कहा, कि किसानों को अपनी उपज सरकारी मंडियों में बेचने के लिए इन ठंडी रातों को खुले आसमान के नीचे बिताने को मजबूर होना पड़ रहा है। कड़ाके की ठंड में किसान अपनी मेहनत की फसल की रखवाली कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी सुध लेने को तैयार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि धान खरीद में भारी अव्यवस्था के कारण किसान निराश और असहाय हो गए हैं। बीजद अध्यक्ष ने कहा कि हालात इतने खराब हो चुके हैं कि किसान अब राष्ट्रीय राजमार्गों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार से धान की सुचारू खरीद की मांग कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया, आखिर सरकार किसानों का धान कब खरीदेगी? पटनायक ने यह भी कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के कारण किसानों का भरोसा टूट रहा है।

गांव में हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में एक हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। हेलिकॉप्टर जयपुर से भोपाल (मध्य प्रदेश) जा रहा था। प्राइवेट कंपनी के हेलिकॉप्टर में सवार पायलट और को-पायलट पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई। घटना रविवार सुबह करीब 11 बजे की जयपुर ग्रामीण के रायसर के पास स्थित वामनवाटी गांव की है। एवन हेलिकॉप्टर कंपनी के डायरेक्टर सोहन सिंह नाथावत ने बताया- हेलिकॉप्टर देहरादून (उत्तराखंड) से शनिवार शाम 4:30 बजे जयपुर पहुंचा था। इसके बाद हेलिकॉप्टर में फ्यूल रिफ्यूलिंग की प्रक्रिया पूरी की गई। रविवार को मौसम साफ होने के बाद हेलिकॉप्टर ने सुबह 11:02 बजे जयपुर में चौमूं के मलिकपुर स्थित हेलीपैड से भोपाल के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई।

उद्धव गुट के पूर्व विधायक ने पार्टी छोड़ी

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव गुट के शिवसेना नेता और पूर्व विधायक दगडू सकपाल ने पार्टी छोडक़र एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। यह कदम उन्होंने बीएमसी चुनावों से पहले उठाया है। सकपाल ने रविवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना जॉइन की। इससे पहले गुरुवार को महाराष्ट्र के अंबरनाथ नगर परिषद के 12 निलंबित कांग्रेस पार्षद भाजपा में शामिल हुए थे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने भाजपा पर गंदी और सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि भाजपा जनहित के अहम मुद्दों को सुलझाने में विफल रही है। राज्य में 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी को होंगे। इनमें मुंबई, पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ शामिल हैं। मतगणना 16 जनवरी को होगी।

पीलीभीत में नेपाल के हाथियों ने मचाया आतंक, सैकड़ों बीघा फसल तबाह

पीलीभीत(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) से सटे ग्रामीण इलाकों में नेपाल के गौरी फंटा अभयारण्य से आए हाथियों के झुंड ने भारी उत्पात मचाया है। महुआ, गोयल कॉलोनी, सिरसा सरदाह समेत कई गांवों में हाथियों ने सैकड़ों बीघा खड़ी फसलों को रौंदकर नष्ट कर दिया, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। अधिकारियों के अनुसार, हाथियों के झुंड ने गन्ना, गेहूं, धान, सरसों और मसूर की फसलों को नुकसान पहुंचाया है। खेतों में घुसकर हाथियों ने न सिर्फ फसलें बर्बाद कीं, बल्कि सिंचाई के संसाधनों को भी नुकसान पहुंचाया। महुआ गांव के किसानों ने मीडिया को बताया कि हाथियों ने उनके खेतों में लगे पंपसेट पलट दिए और करीब 50 मीटर तक घसीट ले गए। वहीं वन विभाग का कहना था, कि वन विभाग की टीमें मशाल, पटाखे और शोरगुल की मदद से हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन झुंड बार-बार आबादी की ओर लौट आता है। किसानों का कहना है कि एक जनवरी से लगातार हाथी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

झारखंड सीएम सोरेन करेंगे यूरोप दौरा, ऑक्सफोर्ड और दावोस में करेंगे शैक्षणिक और आर्थिक चर्चा

रांची (एजेंसी)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस महीने के अंत में अपने पहले आधिकारिक विदेश दौरे पर यूरोप जाएंगे। उनके कार्यक्रम में ब्रिटेन के ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि यह दौरा झारखंड सरकार के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ किया जा रहा है।

ऑक्सफोर्ड में सोरेन सेंट जॉन्स कॉलेज और ऑल सोल्स कॉलेज सहित कई शैक्षणिक संस्थानों के साथ संवाद करेंगे। इसके अलावा, वे ब्लावटनिक स्कूल ऑफ गवर्नमेंट में सार्वजनिक नीति और शासन पर चर्चा करेंगे। अधिकारियों का कहना है कि इस दौरे से झारखंड में विकास कार्यक्रमों के लिए नया ब्लूप्रिंट तैयार करने में मदद मिल सकती है।

स्विट्जरलैंड में सोरेन दावोस में डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक में भाग लेंगे, जहां वैश्विक आर्थिक और नीति निर्धारण से जुड़े नेताओं से मिलने का अवसर मिलेगा।

इस दौरान झारखंड की सत्तारूढ़ कांग्रेस ने मनरेगा विरोध अभियान शुरू किया। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बताया कि 'मनरेगा बचाओ' अभियान के तहत उपवास, जन जागरूकता, नुक्कड़ नाटक और धरना जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कांग्रेस सरकार के नए विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम के विरोध में यह अभियान शुरू किया गया है। इस दौरे से झारखंड सरकार के वैश्विक मंच पर छवि निर्माण और विकास परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के प्रयास को बल मिलने की उम्मीद है।

इसरो ईओएस-एन1 'अन्वेषा' जासूसी सैटेलाइट करेगा लॉन्च, डीआरडीओ ने किया तैयार

यह भारत को रक्षा, आपदा प्रबंधन, खेती और पर्यावरण निगरानी में बड़ी मजबूती देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाइपरस्पेक्ट्रल रिमोट सेंसिंग एक उन्नत तकनीक है जो सैकड़ों प्रकाश बैंड्स के जरिए धरती की सतह की बेहद सटीक पहचान करती है। इसरो का ईओएस-एन1 'अन्वेषा' सैटेलाइट, जिसे डीआरडीओ ने तैयार किया है, भारत को रक्षा, आपदा प्रबंधन, खेती और पर्यावरण निगरानी में बड़ी मजबूती देगा। यह तकनीक रणनीतिक योजना के साथ-साथ आम जनजीवन से जुड़े क्षेत्रों में भी अहम भूमिका निभाएगी। इसरो पीएसएलवी-सी62 मिशन के जरिए ईओएस-एन1 'अन्वेषा' सैटेलाइट को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पारंपरिक सैटेलाइट सीमित रंगों के आधार पर धरती की तस्वीरें लेते हैं, जबकि हाइपरस्पेक्ट्रल तकनीक सैकड़ों बेहद संकरे प्रकाश बैंड्स को रिकॉर्ड करती है। ये बैंड्स दृश्य प्रकाश से लेकर इंफ्रारेड तक फैले होते हैं, जिससे हर वस्तु की एक विशिष्ट 'लाइट फिंगरप्रिंट' तैयार होती है। धरती पर मौजूद हर वस्तु, मिट्टी, पानी, वनस्पति या मानव निर्मित ढांचे, रोशनी के साथ अलग-अलग व्यवहार करती है। इन विशेष पैटर्न्स को वैज्ञानिक स्पेक्ट्रल लाइब्रेरी से मिलाते हैं, जिसे जमीन पर स्पेक्ट्रोरैडियोमीटर जैसे उपकरणों से तैयार किया जाता है। इसके बाद इस डेटा को जीआईएस और 3डी मैपिंग सिस्टम के साथ जोड़कर विस्तृत विश्लेषण किया जाता है।

हाइपरस्पेक्ट्रल रिमोट सेंसिंग रक्षा क्षेत्र में रणनीतिक योजना बनाने में अहम भूमिका निभाती है। यह जमीन के प्रकार की पहचान कर सैन्य वाहनों और सैनिकों के लिए सुरक्षित मार्ग तय करने में मदद करती है। यह नकली कैमोफ्लाज, छिपे हथियारों और संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने में भी सक्षम है। इस तकनीक का इस्तेमाल सिर्फ सैन्य उद्देश्यों तक सीमित नहीं है। खेती में फसलों की सेहत पर नजर रखने, आपदाओं के दौरान प्रभावित इलाकों की त्वरित पहचान, राहत और बचाव कार्यों और जलवायु परिवर्तन के अध्ययन में भी हाइपरस्पेक्ट्रल डेटा बेहद उपयोगी साबित हो रहा है।

12 जनवरी को प्रस्तावित अन्वेषा सैटेलाइट का प्रक्षेपण भारत की रणनीतिक क्षमता को मजबूत करेगा। इसके साथ ही यह आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और त्वरित निर्णय प्रणाली को नई गति देगा। इस मिशन से अंतरिक्ष तकनीक अब केवल रक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि देश और समाज के व्यापक हित में काम कर रही है। यह लॉन्च भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक बड़ा कदम है।

जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने के फैसले का विपक्षी दलों ने किया स्वागत

स्टालिन ने एक उच्चस्तरीय सलाहकार परिषद के गठन का किया आग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार की तरफ से आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने के फैसले का विपक्ष ने एक सुर में स्वागत किया है। मोदी सरकार की तारीफ करने वालों में तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन से लेकर कांग्रेस के सांसद तक शामिल हैं। विपक्ष का कहना है कि केंद्र सरकार का यह फैसला जनगणना में जातिगत गणना, डेटा-आधारित सामाजिक न्याय की दिशा में अहम कदम साबित होगा। विपक्ष का कहना है कि यह फैसला पिछले कई सालों से चल रही राजनीतिक बहस का नतीजा माना है।

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने आगामी राष्ट्रीय जनसंख्या जनगणना के साथ-साथ जाति आधारित जनगणना कराने के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने इस संबंध में पीएम मोदी को पत्र भी लिखा है। इसके साथ ही स्टालिन ने मुख्यमंत्रियों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों को मिलाकर एक उच्चस्तरीय सलाहकार परिषद के गठन का आग्रह किया है। स?टालिन ने कहा कि केंद्र के इस फैसले से साक्ष्य आधारित सामाजिक न्याय और नीति निर्माण के प्रति तमिलनाडु की प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है।

उन्होंने चेतावनी दी कि कई राज्यों में व्याप्त गहरी सामाजिक गतिशीलता और जाति संरचनाओं को देखते हुए जाति जनगणना एक अत्यंत संवेदनशील प्रक्रिया है। उन्होंने आगाह किया कि यदि इसे सावधानीपूर्वक नहीं संभाला तो यह प्रक्रिया अनपेक्षित सामाजिक तनावों को जन्म दे सकती है। कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर ने इस फैसले का स्वागत किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने के फैसले का स्वागत है। यह डेटा-आधारित सामाजिक न्याय की दिशा में एक अहम कदम है, जिसकी मांग विपक्ष के नेता राहुल गांधी लंबे समय से कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य की नीतियों पर इसके प्रभावों को देखते हुए केंद्र को गलतियों और कमियों से बचने के लिए फ्रेमवर्क को अंतिम रूप देने से पहले सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सलाह लेनी चाहिए।

यूएपीए कानून के तहत खालिद और शरजील को नहीं मिल सकी जमानत

-ओवैसी ने कांग्रेस को ठहराया जिम्मेदार, बोले- इस कानून का उन्होंने विरोध किया था

अमरावती (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत न मिलने के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि जिस कड़े यूएपीए के तहत उन पर मामला दर्ज किया गया है, उसे कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में लागू किया गया था। यह बात ओवैसी ने 15 जनवरी को होने वाले नगर निगम चुनावों से पहले महाराष्ट्र के अमरावती में एक जनसभा में कही।

उन्होंने कहा कि चुनाव में धर्मनिरपेक्षता की बात करने वाले लोग वास्तव में मुसलमानों, दलितों और आदिवासियों के दुश्मन हैं, क्योंकि वे वोट हासिल करने के लिए राजनीतिक धर्मनिरपेक्षता का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि खालिद और शरजील दोनों को गैरकानूनी गतिविधियां की धारा के आधार पर 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया था।

ओवैसी ने कहा कि तत्कालीन गृह मंत्री पी चिदंबरम ने यूएपीए पेश किया था और संसद में इसका विरोध करने वाले वे यानी खुद ओवैसी एकमात्र व्यक्ति थे। मैंने ही सबसे पहले कहा था कि इस कानून का इस्तेमाल पुलिस मुसलमानों, आदिवासियों, दलितों और उन बुद्धिजीवियों के खिलाफ करेगी जो सरकार की नीतियों को समझते और उनका विरोध करते हैं। आज जो हुआ वह आप देख ही सकते हैं, इन दोनों बच्चों को उस कानून में आतंकवाद की परिभाषा के कारण जमानत नहीं मिल पाई।

ओवैसी ने कहा कि खालिद और शरजील पांच साल से जेल में बंद हैं, वहीं एल्गार परिषद मामले में आरोपी 85 साल के स्टेन स्वामी की इसी कानून के कारण जेल में मौत हो गई। उन्होंने यह भी कहा कि 2019 में जब यूएपीए में संशोधन किया गया था, तब कांग्रेस ने बीजेपी सरकार का समर्थन किया था, जो अब निर्दोष लोगों की जिंदगियां तबाह कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में कार्यकर्ता उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज कर दी, लेकिन भागीदारी के क्रम का हवाला देते हुए पांच अन्य लोगों को जमानत दे दी थी।

वहीं, नागपुर में ओवैसी ने कहा कि मुसलमानों की कोई पॉलिटिकल एजेंसी नहीं है। अगर आप सिर्फ़ वोटर बनकर रहेंगे, तो घर पर बुलडोज़र चलेगा... बीजेपी हो, अजीत पवार या एकनाथ शिंदे ये सभी पार्टियां आपको डराकर आपका वोट हासिल करना चाहती हैं। मजलिस आपको कह रही है कि अपनी पॉलिटिकल एजेंसी बनाइए।

प्रदूषण समस्या पर बोली कांग्रेस- नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम कागजी बनकर रह गया

-जयराम ने सीआइईए की अध्ययन रिपोर्ट का दिया हवाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायु प्रदूषण की गंभीर समस्या को लेकर कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा, कि सरकार की नीतियाँ और योजनाएँ पूरी तरह से विफल हो चुकी हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एनसीएपी) को लेकर अपने एक बयान में कहा, कि यह अब नोशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (कागजी प्रोग्राम) बनकर रह गया है। कांग्रेस महासचिव जयराम ने रविवार को जारी बयान में कहा, कि सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) द्वारा हाल ही में किए गए अध्ययन ने इस बात की पुष्टि हुई है, कि वायु गुणवत्ता अब पूरे देश के लिए एक संरचनात्मक संकट बन चुकी है। उन्होंने कहा, यह लंबे समय से भारत के लिए सबसे खुला रहस्य है, कि देश के अधिकांश हिस्सों में वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन चुका है, और सरकार की ओर से इस पर कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं।

क्या कहती है सीआरईए की रिपोर्ट

सीआरईए द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार, भारत के लगभग 44 प्रतिशत शहरों में वायु प्रदूषण की समस्या बेहद गंभीर हो गई है। इन शहरों में पांच वर्षों से अधिक समय तक हवा में पीएम 2.5 का स्तर राष्ट्रीय मानकों से ऊपर बना हुआ है। इस अध्ययन में कुल 4,041 नगरों में से 1,787 शहरों को प्रदूषण की गंभीर चपेट में पाया गया है।

गहन समीक्षा और सुधार की आवश्यकता

कांग्रेस महासचिव जयराम ने कहा, कि एनसीएपी का नाम भले ही नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम रखा गया हो, लेकिन यह एक कागजी योजना बनकर रह गई है। अब इसकी गहन समीक्षा और सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने सरकार से यह भी कहा कि प्रदूषण को रोकने के लिए आवश्यक कदमों की सख्त आवश्यकता है।

प्रदूषण रोकने की मांग

कांग्रेस पार्टी ने वायु प्रदूषण को लेकर सरकार से कई महत्वपूर्ण सुधार की मांग की है। जयराम रमेश ने कहा कि एनसीएपी के लिए आवंटित फंड में भारी वृद्धि की आवश्यकता है। उन्होंने प्रस्तावित किया कि एनसीएपी का बजट 25,000 करोड़ रुपये तक बढ़ाया जाए और इसे देश के सबसे प्रदूषित 1,000 शहरों और कस्बों में लागू किया जाए। इसके अलावा, जयराम रमेश ने एनसीएपी को कानूनी आधार देने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि यह योजना अपनी प्राथमिकताएँ मुख्य प्रदूषण स्रोतों पर केंद्रित करे, विशेष रूप से कोयला आधारित बिजली संयंत्रों के प्रदूषण मानकों को कड़ा किया जाए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि सभी बिजली संयंत्रों में फ्लू गैस डी-सलफराइजर (एफजीडी) 2026 तक अनिवार्य रूप से स्थापित किए जाएं।

कांग्रेस सांसद जयराम ने यह भी कहा, कि सरकार ने संसद में दो बार प्रदूषण के स्वास्थ्य पर प्रभाव को कमतर दिखाने की कोशिश की है और सरकार के इन प्रयासों को लेकर कांग्रेस ने इसे अक्षमता और लापरवाही का परिणाम करार दिया है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**